लोकसभा चुनाव
2024

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	36.9	29.1
जमशेदपुर	35.0	23.0
डालटनगंज	39.6	27.1

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * *

www.lagatar.in | रांची, शुक्रवार 24 मई 2024 ● ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 45 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

रांची, जमशेदपुर, धनबाद और गिरिडीह में थमा प्रचार, वोट कल

झारखंड में तीसरा चरण | 93 प्रत्याशी मैदान में

शुभम किशोर। रांची

लोकसभा चुनाव के लिए शनिवार (25 मई) को छठे चरण का मतदान होना है. मतदान से पूर्व गुरुवार की शाम प्रचार का शोर थम गया. झारखंड में तीसरे चरण में रांची, धनबाद, जमशेदपुर और गिरिडीह लोकसभा में मतदान होना है. इन चारों सीटों में राज्य के 6 जिले और 24 विधानसभा क्षेत्र आते है. चार सीटों पर 93 प्रत्याशी मैदान में है. रांची से 27, धनबाद से 25, गिरिडीह से 16 और जमशेदपुर से 25 प्रत्याशी मैदान में हैं.

चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक छठे चरण में झारखंड के 82 लाख 16 हजार 506 मतदाता भागीदारी निभाएंगे. जिसमें 42 लाख 06 हजार 926 पुरुष और 40 लाख 09 हजार 260 महिला मतदाता हैं. सबसे अधिक मतदाता धनबाद में 22 लाख 85 हजार 237 है. वहीं रांची में 24 लाख 97 हजार 331, जमशेदपुर में 18 लाख 69 हजार 278 और गिरिडीह में 18 लाख 64 हजार 660 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे.

किस लोकसभा में कितने केंद्र

- रांची- 2377 (949 शहरी, 1428 ग्रामीण)
- धनबाद- 2539 (1316 शहरी, ग्रामीण 1223)
- जमशेदपुर- 1887 (शहरी 688, ग्रामीण 1199)
- गिरिडीह- 2160 (408 शहरी, 1752 ग्रामीण)

कुल लोस सीट - 4

कुल मतदाता 82,16,506

पुरुष मतदाता 42,06,926 | महिला मतदाता 40,09,260

फर्स्ट टाइम वोटर - 2,49,994

- 100+ वोटर - 766
- पोलिंग स्टेशन - 8963
- बैलेट यूनिट - 21511
- कंट्रोल यूनिट - 10756
- वीवी पैट - 11652
- पोलिंग पर्सन - 35852

किस लोकसभा में कितने मतदाता

विधानसभा	पुरुष	महिला	कुल
रांची	11,12,524	10,84,738	21,97,331
धनबाद	11,96,501	10,88,656	22,85,237
गिरिडीह	9,60,489	9,04,163	18,64,660
जमशेदपुर	9,37,412	9,31,733	18,69,728

छठे चरण के लिए थमा प्रचार 58 सीटों पर 900 उम्मीदवार

एजेंसी। नयी दिल्ली

लोकसभा चुनाव के छठे चरण का प्रचार गुरुवार शाम समाप्त हो गया. छठे दौर में शनिवा को आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 58 सीटों पर वोटिंग होनी है. इसमें जम्मू-कश्मीर का अनंतनाग-राजौरी भी है, जहां मतदान तीसरे चरण की बजाय छठे चरण के लिए स्थगित कर दिया गया था.

पूर्व मंत्री मेनका गांधी, भोजपुरी कलाकार मनोज तिवारी, निरहुआ, महबूबा मुफ्ती व मनोहर लाल समेत कई दिग्गजों की किस्मत का फैसला इसी चरण में ईवीएम में बंद हो जाएगा. छठे चरण में जिन सीटों पर मतदान होना है उनमें यूपी की 14, हरियाणा की सभी 10, बिहार और बंगाल की 8-8, दिल्ली की सभी सात, ओडिशा की छह और झारखंड की चार सीटें शामिल हैं. वहीं जम्मू-कश्मीर की एक सीट पर भी लोग वोट डालेंगे. 2019 में इन 58 में से 40 सीटें भाजपा ने जीती थीं. वहीं दूसरे स्थान पर बसपा के खाते में चार सीटें गई थीं. कांग्रेस का खाता भी नहीं खुला था. पिछले चुनाव में इन 58 सीटों पर कुल 64.22% वोट पड़े थे. सबसे ज्यादा 84.59% मतदान बंगाल में हुआ था. वहीं, सबसे कम 8.98% मतदान जम्मू-कश्मीर में दर्ज किया गया था. पड़ोसी बिहार की 8 सीट (वाल्मीकि नगर, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, वैशाली, शिवहर और महाराजगंज) भी शामिल हैं. बिहार में छठे चरण में 86 उम्मीदवार किस्मत आजमा रहे हैं. इसमें 8 पुरुष और आठ महिलाएं हैं. 86 में से 35 निर्दलीय हैं. जबकि 23 प्रत्याशी बड़ी पार्टियों से मैदान में हैं. वैशाली में सबसे अधिक 15 और महाराजगंज में सबसे कम पांच प्रत्याशी मैदान में हैं. बिहार की आठ सीटों पर 1,49,32,165 वोटर अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे. 78,23,793 पुरुष, 71,07,944 महिला और 428 थर्ड जेंडर मतदाता हैं. पहली बार वोटिंग करने वाले 18 से 19 वर्ष के मतदाताओं की संख्या 2,12,496 है.

बिहार की 8 सीटों पर 58 प्रत्याशी मैदान में

सर्राफा

सोना (बिक्री)	68,000
चांदी (किलो)	92,000

ब्रीफ खबरें

बंगाल की खाड़ी में आ रहा भीषण तूफान

कोलकाता। बंगाल की खाड़ी में विकसित हो रहे एक तूफान के भीषण चक्रवात में तब्दील हो 26 मई की शाम तक पश्चिम बंगाल और उससे सटे बांग्लादेश के तट पर पहुंचने की संभावना है. चक्रवात के कारण पश्चिम बंगाल के तटीय जिलों उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना और पूर्वी मिदनापुर के कई इलाकों में भारी बारिश जबकि कुछ क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है. इसका असर पड़ोसी झारखंड और ओडिशा में भी पड़ने के आसार हैं.

छग में सात नक्सली मुठभेड़ में हुए ढेर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर नक्सली और जवानों के बीच जमकर मुठभेड़ हुई. नक्सल प्रभावित इलाका नारायणपुर, बीजापुर और दंतेवाड़ा की सीमा में जवानों ने 7 नक्सलियों को ढेर कर दिया है. वहीं घटना स्थल से अब तक दो नक्सलियों के शव को बरामद कर लिया गया है. इसकी घटना की पुष्टि नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार ने की है.

धैर्य की परीक्षा मत लो प्रज्व्वल, लौट आओ

बेंगलुरु। पूर्व पीएम और जद (सेक्युलर) के प्रमुख एचडी देवगौड़ा ने अपने पोते और यौन उत्पीड़न मामले के आरोपी प्रज्वल रेवन्ना को देश लौटने और पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने की कड़ी चेतावनी दी है. उन्होंने कहा कि अगर रेवन्ना पर लगे आरोप सही निकले, तो उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए. प्रज्वल रेवन्ना को मेरी चेतावनी शीर्षक वाले दो पन्नों के खुले पत्र में, 91 वर्षीय नेता ने जोर देकर कहा कि उन्हें अपने पोते की कथित गतिविधियों के बारे में जानकारी नहीं थी.

अचानक नई ऊंचाई पर पहुंचा शेयर बाजार

मुंबई। लोकसभा चुनाव के छठवें चरण की वोटिंग से पहले भारतीय शेयर बाजार ने अपने सभी पुराने रिकॉर्ड को ध्वस्त करते हुए नई ऊंचाई को छू लिया है. शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक- सेंसेक्स और निफ्टी ने नया रिकॉर्ड बनाया. गुरुवार के कारोबारी सत्र के बाद सेंसेक्स पहली बार 1,196.98 (1.61%) अंकों की बढ़त के साथ 75,418.04 पर बंद हुआ. निफ्टी 354.66 (1.57%) अंकों की उछाल के साथ पहली बार 22,967.65 पर बंद हुआ.

ब्रिटिश अखबार फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट ने फैलाई सनसनी

अडानी ने खराब कोयला को बढ़िया बता तीन गुना ज्यादा दाम पर बेचा!

शुभम संदेश नेटवर्क। नयी दिल्ली

ब्रिटिश अखबार फाइनेंशियल टाइम्स ने कुछ दस्तावेजों का हवाला देकर एक खबर प्रकाशित की है. इसने राजनीति और कारपोरेट जगत में खलबली मचा दी है. इसमें दावा किया गया है कि अडानी ग्रुप ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी तमिलनाडु जेनरेशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन (टीएएनजीईडीसीओ) को कम गुणवत्ता वाला कोयला (3500 कैलोरी प्रति किलो) को 6000 कैलोरी प्रति किलो वाली कोयला बताकर तीन गुणा कीमत पर बेचा. समूह ने जिस कोयला को उच्च क्वालिटी का बताया और स्वच्छ ईंधन के नाम पर ज्यादा दाम पर बेचा, असल में वही खराब कोयला था. चुनावी माहौल में इस पूरे मामले ने तूल पकड़ लिया है. इस पर कांग्रेस आक्रामक हो गई है.

- कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा- घटिया कोयला सप्लाई मामले की इंडिया गठबंधन की सरकार बनते ही कराएंगे जेपीसी से जांच

पार्टी के नेता राहुल गांधी ने इसे घोटाला करार देते कहा है कि इस घोटाले के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रिय मित्र ने कम गुणवत्ता वाले कोयले को तीन गुने दाम पर बेचकर हजारों करोड़ रुपए लूटे हैं. इसकी कीमत आम जनता ने बिजली का महंगा बिल भरकर अपनी जेब से चुकाई है. प्रदूषण को भी नुकसान पहुंचा है. कांग्रेस ने दावा किया है कि चुनाव के बाद अगर इंडिया गठबंधन की सरकार बनती है, तो इस तरह के मामलों की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित की जाएगी. वह इन आरोपों की जांच करेगी. राहुल गांधी ने फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट को टैग करते हुए एक्स पर लिखा, भाजपा सरकार में भीषण कोयला घोटाला सामने आया है. सालों से चल रहे इस घोटाले के ज़रिए मोदी जी के प्रिय मित्र अडानी ने लो-ग्रेड कोयले को तीन गुने दाम पर बेच कर हज़ारों करोड़ रुपए लूटे हैं, जिसकी कीमत आम जनता ने बिजली का महंगा बिल भरकर अपनी जेब से चुकाई. क्या प्रधानमंत्री बताएंगे इस खुले भ्रष्टाचार पर ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स को शांत रखने के लिए कितने टेंपो लगे? चार जून के बाद इंडिया गठबंधन की सरकार इस महाघोटाले की जांच कर जनता से लूटी गई पाई-पाई का हिसाब करेगी.

क्या हैं आरोप, कैसे मामले ने पकड़ा तूल

क्या कहती है फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट

ब्रितानी अखबार फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अडानी ग्रुप सरकारी बिजली कंपनी के साथ लेनदेन के दौरान घटिया किस्म के कोयले को कहीं ज्यादा महंगे स्वच्छ ईंधन के तौर पर बेचने में शामिल था. अखबार ने दावा किया उसकी रिपोर्ट साक्ष्यों पर आधारित है, जो लंबे समय से चल रहे कोयला घोटाले के आरोपों पर नई रोशनी डालती है. रिपोर्ट कहती है कि ऑर्गनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट (ओसीसीआरपी) ने दस्तावेजों को सुरक्षित रखा है. फाइनेंशियल टाइम्स ने इन दस्तावेजों की समीक्षा की है. ब्रितानी अखबार ने कहा है कि भारतीय समूह से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोप संभावित पर्यावरणीय आयाम जोड़ते हैं. दस्तावेजों से पता चलता है कि मुमकिन है कि अडानी ग्रुप ने एयर क्वालिटी (हवा को खराब करना) की कीमत पर धोखाधड़ी से बंपर मुनाफा कमाया हो. ऐसा इसलिए है क्योंकि बिजली के लिए निम्न-श्रेणी के कोयले का इस्तेमाल करने का मतलब है कि ईंधन का अधिक उपयोग होना. फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट कहती है कि इनवॉयस से पता चलता है कि जनवरी 2014 में अडानी ग्रुप ने इंडोनेशियाई कोयले की एक खेप खरीदी थी. इसमें प्रति किलोग्राम 3,500 कैलोरी होने की सूचना दी गई थी. इस खेप को फिर तमिलनाडु जनरेशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी (टीएएनजीईडीसीओ) को 6,000 कैलोरी वाले कोयले के रूप में बेचा गया. इसे सबसे मूल्यवान ग्रेड में से एक माना जाता है. रिपोर्ट में संदेह जताया गया है कि ऐसा लगता है कि परिवहन लागत को ध्यान में रखते हुए अडानी ने शुरुआती निवेश से दोगुना से भी अधिक पैसा कमाया है. रिपोर्ट कहती है कि भारत में हर साल 20 लाख से ज्यादा लोग आउटडोर एयर पलूशन के कारण मरते हैं. यह जानकारी द लैंसेट में प्रकाशित 2022 के एक अध्ययन पर आधारित है. इसके अलावा अन्य अध्ययनों से पता चला है कि कोयले से चलने वाले बिजली संयंत्रों के बड़े दायरे में बाल मृत्यु दर में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है. फाइनेंशियल टाइम्स ने ऑर्गनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट (ओसीसीआरपी) की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया है कि जनवरी 2014 में अडाणी ग्रुप ने एक इंडोनेशियाई कंपनी से 28 डॉलर प्रति टन की कथित कीमत पर लो-ग्रेड कोयला खरीदा था. रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि इस शिपमेंट को तमिलनाडु जेनरेशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी को उच्च गुणवत्ता वाले कोयले के रूप में 91.91 डॉलर प्रति टन की औसत कीमत पर बेच दिया गया था.

पहले भी लगे थे अडानी ग्रुप पर कोल इंपोर्ट बिल में हेरी-फेरी के आरोप

फाइनेंशियल टाइम्स ने कहा, अडानी ग्रुप ने इंडोनेशिया से कम रेट में कोयला इंपोर्ट किया. बिल में हेराफेरी करके ज्यादा दाम दिखाए. ग्रुप ने कोयले से जनरेट होने वाली बिजली को ग्राहकों को ज्यादा कीमत पर बेची. अखबार ने 2019 से 2021 के बीच 32 महीनों में ग्रुप के इंडोनेशिया से भारत इंपोर्ट हुए 30 कोयले शिपमेंट की जांच की. इन सभी के इंपोर्ट रिकॉर्ड में एक्सपोर्ट डिक्लेरेशन की तुलना में कीमतें ज्यादा मिलीं. रकम 582 करोड़ बढ़ाई गई. तमिलनाडु बिजली बोर्ड का गठन एक जुलाई, 1957 को बिजली अधिनियम 1948 की धारा 54 के तहत राज्य में पावर जनरेशन, ट्रांसमिशन, और डिस्ट्रीब्यूशन के लिए किया गया था. फिर नेटवर्क को राज्य के सभी गांवों तक फैलाया गया.

अडानी ग्रुप ने रिपोर्ट का उड़ाया मजाक

वहीं, कथित कोयला घोटाले का दावा करने वाली फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट पर अडाणी समूह के सीएफओ (चीफ फाइनेंस ऑफिसर) जुगेशिंदर रॉबी सिंह ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है. उन्होंने एक्स पर मजाक उड़ाते हुए लिखा- 1757 ईस्वी में ग्रेट ब्रिटेन को भारत का उपनिवेश क्यों बनाना पड़ा. इस पर एफटी, बीबीसी की प्रमुख जांच रिपोर्ट. जांच रिपोर्ट का सारांश- अडानी समूह के गठन को रोकने के लिए अब आप सब कुछ जानिए. अडानी ग्रुप ने फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों को झूठा और निराधार बताया है.

संजीव लाल की डायरी में ईडी को मिले...

मंत्री बादल, हफीजुल समेत 150 नेता,अफसर, इंजीनियरों के नाम

सौरभ सिंह। रांची

ग्रामीण विकास विभाग में हुए कथित टेंडर घोटाले की जांच के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को मिली डायरी में राज्य के कृषि मंत्री बादल पत्रलेख, खेल मंत्री हफीजुल हसन के भी नाम शामिल हैं. इसके अलावा 150 से अधिक राजनेता, अफसर, इंजीनियर व ठेकेदारों के नाम भी डायरी में दर्ज हैं. ईडी ने मंत्री आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल के घर से यह डायरी बरामद की है. जिसके आधार पर संबंधित लोगों को समन भेजा जा रहा है. इस बीच भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे ने दावा किया है कि ईडी जल्द ही सरकार के इन दोनों मंत्रियों को समन करने जा रही है. गौरतलब है कि ईडी ने मंत्री आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल के करीबी जहांगीर आलम के घर में छापेमारी कर 35 करोड़ रुपए नकद बरामद किये थे. जिसके बाद ईडी ने संजीव लाल व जहांगीर को गिरफ्तार कर लिया था. ईडी ने दो दिनों तक पूछताछ करने के बाद मंत्री आलमगीर आलम को भी गिरफ्तार किया था. तीनों अभी ईडी की हिरासत में हैं.

उल्लेखनीय है कि ईडी ने कोर्ट को जानकारी दी है कि ग्रामीण विकास विभाग में हुए घोटाला करीब 3000 करोड़ रुपए का है. इन पैसे में से अफसरों, नेताओं व इंजीनियरों को हिस्सा मिलता था. मंत्री और अफसरों के नाम कोड वर्ड में लिखे हैं. इसी मामले में बुधवार को इडी ने ग्रामीण विकास विभाग के पूर्व सचिव मनीष रंजन को समन भेजा है. ईडी ने उन्हें 24 मई को पूछताछ के लिए बुलाया है.

ईडी जल्द कर सकती है पूछताछ

- ईडी ने मंत्री आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल के घर से यह डायरी बरामद की है. जिसके आधार पर संबंधित लोगों को समन भेजा जा रहा है.

कमीशन की राशि फिक्स

ईडी ने अब तक की जांच में पाया है कि ग्रामीण विकास विभाग के ठेकों में निचले स्तर के कर्मचारियों से लेकर मंत्री तक को कमीशन की राशि फिक्स थी. ईडी ने कोर्ट को जो दस्तावेज सौंपे हैं, उसमें ठेकों के लिए एलओए (लेटर ऑफ एक्सेप्टेशन) जारी होने पर ही कमीशन मिल जाने का उल्लेख भी किया गया है. जनवरी महीने में 25 छोटे-छोटे ठेकों के बाद ही मंत्री आलमगीर आलम के लिए 1.23 करोड़ रुपए कमीशन के तौर पर मिलने का जिक्र डायरी के एक पन्ने में भी किया गया है.

आये थे हरिभजन को ओटन लगे कपास

प्रसंगवश

बैजनाथ मिश्र
वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

तुलसी ने रामचरित मानस में लिखा है-करम प्रधान विश्व रचि राखा, जो जस करई सो तस फल चाखा. यहां करम का मतलब भाग्य नहीं कर्म है. किसी को यह कर्मफल विलंब से मिलता है, लेकिन खुद को चालबाजी में तुर्रम खां समझने वालों को शीघ्र मिल जाता है. यकीन न हो तो स्वयं को सबसे बड़ा बुद्धिमान समझने वाले केजरीवाल की हालत देख लीजिए. सरकती जाये रुख से नकाब अहिस्ता-अहिस्ता. उनकी हर चाल उल्टी पड़ रही है. केवल दस साल में क्या से क्या हो गया. ये आये थे गलीच राजनीति बदलने, लेकिन धतकर्मों के रिकॉर्डधारी बन गये हैं. ताजा मामला एक महिला सांसद स्वाति मालीवाल की पिटाई का है. वह भी मुख्यमंत्री आवास में. इस मामले में केजरीवाल के राजदार पीए विभव कुमार गिरफ्तार हो गये हैं. इस पर एक महिला मंत्री का कहना है कि यह सब केजरीवाल को बदनाम करने के लिए भाजपा की साजिश है. यदि यह सही है तो लखनऊ की प्रेस कांफ्रेंस में इस बारे में पूछे गये सवाल पर केजरीवाल माइक दायें-बायें क्यों खिसका रहे थे ? इस बाबत तो पहला सवाल यही है कि क्या मालीवाल आप की सांसद नहीं हैं ? यह भी कि क्या वह केजरीवाल के साथ तब से नहीं हैं जब वह एनजीओ चलाते थे ? तब इस महिला मंत्री का अता-पता नहीं था.

आरोप यह भी लगाया जा रहा है कि मालीवाल मुलाकात का समय लिये बिना सीएम से मिलने पहुंच गईं और रक्षकों को डरा-धमका कर अंदर चली गईं. वह जब ड्राइंग रूम में इंतजार करने के बाद आवास के अंदर जाने लगीं, तब उन्हें विभव कुमार ने रोका, तो उनसे झगड़ बैठीं और अपनी प्रताड़ना की झूठी मौखिक रिपोर्ट पुलिस को भेज दी. बहरहाल अब तो उन्होंने लिखित शिकायत दर्ज करा दी है और अदालत में अपना स्वीकारोक्ति बयान भी दे दिया है. उसके बाद ही विभव कुमार को सीएम आवास से दबोचा गया है. लेकिन यदि मंत्री महोदया का आरोप सही है तो आप के ही सांसद संजय सिंह ने प्रेस के सामने यह क्यों कहा था कि विभव ने मालीवाल के साथ निंदनीय कृत्य किया है, केजरीवाल ने इसका संज्ञान भी लिया है और वह विभव के खिलाफ कार्रवाई करेंगे ? आखिर झूठ कौन बोल रहा है ? शायद दोनों ही झूठे हैं. आखिर दोनों ही अराजक शिरोमणि केजरीवाल के चट्टे-बट्टे हैं.

पहले लगा कि संजय सिंह को मध्यस्थता के लिए लगाया गया है और घर की बात घर में ही सुलझ जाएगी. लेकिन जब अगले ही दिन केजरीवाल संजय सिंह और विभव कुमार को लेकर लखनऊ उड़ गये तब यह साफ हो गया कि केजरीवाल इस घटना से तनिक भी आहत नहीं हैं और इसीलिए यह कयास लगाया जाने लगा कि केजरीवाल के कहने पर ही मालीवाल की पिटाई हुई है. फिर क्या था मालीवाल की पीड़ा दोगुनी हो गयी और यह मामला पुलिस के जरिये अदालत में पहुंच गया, एम्स में मेडिकल जांच भी हो गयी जिसमें चोट की पुष्टि हो गयी. क्या मालीवाल बिना समय लिए केजरीवाल से नहीं मिलती रही हैं ? यदि उनके लिए भी नियम वही था जो जन सामान्य या अन्य नेताओं के लिए है, तो फिर उनकी पिछली मुलाकातों और समय निर्धारण का विवरण सीएम आवास जारी क्यों नहीं कर रहा है ?

मालीवाल केजरीवाल की इतनी करीबी थीं कि उन्हें वर्षों तक दिल्ली महिला आयोग का अध्यक्ष बनाये रखा गया और वहां से रुखसती के बाद पहली फुर्सत में उन्हें राज्यसभा भेज दिया गया. इससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि वह पहले भी बिना समय लिये केजरीवाल से मिलती रही होंगी, लेकिन इस बार मिलने की वजह कुछ ऐसी होगी या कोई हुकुमउदूली हुई होगी जो इरादतन, शरारतन उनकी पिटाई हो गई. -शेष पेज 12 पर

कलकत्ता हाईकोर्ट का फैसला, कितने लोग होंगे प्रभावित

पश्चिम बंगाल में 77 मुस्लिम जातियों का ओबीसी दर्जा खत्म

एजेंसी। कोलकाता

चुनाव के बीच बंगाल में कलकत्ता हाईकोर्ट ने ममता सरकार की ओर से वर्ष 2010 के बाद जारी सभी ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द कर दिए हैं. हाईकोर्ट ने फैसले में अप्रैल 2010 से सितंबर 2010 तक ओबीसी के तहत मुस्लिमों को 77 श्रेणियों में दिए आरक्षण व 2012 के कानून के तहत इनके लिए बनाई 37 श्रेणियों को निरस्त कर दिया.

कोर्ट ने साफ किया कि इस फैसले के दिन से ही रद्द प्रमाणपत्रों का किसी भी रोजगार प्रक्रिया में उपयोग नहीं किया जा सकेगा. इससे करीब पांच लाख ओबीसी प्रमाणपत्र अमान्य हो जाएंगे. जस्टिस तपोन्नत चक्रवर्ती और जस्टिस राजशेखर मंथा की पीठ ने हालांकि यह भी कहा कि इन प्रमाणपत्रों से जिन उम्मीदवारों को पहले मौका मिल चुका है, उन पर फैसले का असर नहीं होगा. पीठ ने फैसले में तृणमूल सरकार का जिक्र नहीं किया है। संयोग से तृणमूल 2011 से राज्य की सत्ता में है. इसलिए कोर्ट का आदेश सिर्फ तृणमूल सरकार में जारी ओबीसी प्रमाणपत्रों पर प्रभावी होगा.

> इन जातियों को ओबीसी घोषित करने के लिए वास्तव में धर्म ही एकमात्र मानदंड प्रतीत होता है। हमारा मानना है, मुसलमानों की 77 श्रेणियों को पिछड़े के रूप में चुना जाना पूरे मुस्लिम समुदाय का अपमान है।
>
> -कलकत्ता हाईकोर्ट

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष आठवें भाव में चंद्र नीच का है. मानसिक उलझन होगा. कार्य व्यवसाय एवं नौकरी में रुकावटें होंगी. पर किया गया परिश्रम सार्थक होगा. वहीं परीक्षा-प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करेंगे. गायत्री मंत्र का जाप करें.

वृषभ समय सामान्य है. बिना वजह जीवनसाथी से विवाद हो सकता है. आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. काम-काज के लिए अच्छा रहेगा. परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा. मन में कुछ नकारात्मक विचार आ सकते हैं.

मिथुन शिक्षा में विशेष ध्यान देने का समय है. किसी पुराने रोग का इलाज संभव है. भाग्योदय संभव है. पारिवारिक सुख अच्छा मिलेगा. मिथ्या आरोप लगने के कारण क्रोध बढ़ सकता है. गणेश जी पर दूब और हल्दी अर्पण करें.

कर्क धार्मिक यात्रा का योग है. यात्रा में थोड़ी परेशानी होगी. काम काज सामान्य रहेगा. मन प्रसन्न रहेगा. नवीन मित्रता हो सकती है. परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य में कमी देखने को मिल सकती है. देवी दुर्गा का पूजन ध्यान करें.

सिंह किसी से कहा सुनी हो सकता है. परिवार के सदस्यों की तरफ से सुख और सहयोग मिलेगा. आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली बना रहेगा. शुभफलों की प्रधानता रहेगी. विवाद से दूर रहें. सूर्य को जल दे. गायत्री मंत्र जापे.

कन्या रूखे व्यवहार से बनी बनाई बात बिगड़ सकती है. क्रोध पर नियंत्रण रखें. काम काज सामान्य रहेगा. परीक्षा एवं प्रतियोगिता में आशाजनक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं. किसी से मन-मुटाव हो सकता है. सोच विचार कर बोले.

तुला काम काज सामान्य रहेगा. आपका मन किसी भी काम में पूरी तरह से नहीं लग पाएगा. आपके लिए निराशाजनक हालात पैदा हो सकते है. परिवार या मित्र से मतभेद हो उत्पन्न हो सकते है. किसी अपनों से विवाद से बचें.

वृश्चिक मन प्रसन्न रहेगा. कामकाज में सफलता मिलेगी. दूसरों के साथ अच्छे संबंध बने रहेंगे. स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं बन सकती है. वाहन के प्रति सावधानी रखने की आवश्यकता है. गाय का दूध गरीब को दान करें.

धनु खर्च रोग में भी हो सकता है. परिवारिक जीवन सुखमय होगा. आर्थिक स्थिति अच्छी होगी. वाहन चलाते समय सावधानी बरतें. कोई लंबी यात्रा से बचे. खर्चे में बढ़ोतरी होगी. स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें. अन्न का दान करें.

मकर समय सामान्य है. चंद्रमा मानसिक तनाव देगा. कार्य योजना में विस्तार हो सकता है. कामकाज में सफलता मिलेगी. शिक्षा-प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. परिवार के लोगों के साथ अच्छा तालमेल बना रहेगा.

कुंभ कुछ विवाद हो सकता है. जीवन साथी की भावनाओं की कद्र करें. शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी. स्वभाव में गंभीरता एवं एकाग्रता बनी रहेगी. परिवार की तरफ से मन प्रसन्न रहेगा. किसी प्रकार के विवाद में ना पड़े.

मीन आपनो से विवाद हो सकता है. करीबियों की भावनाओं की कद्र करें. आपके मन में एक नया उत्साह और जोश दिखाई देगा. कामकाज में लाभ होगा. स्वास्थ्य का ध्यान रखें. योग का सहारा ले. माता दुर्गा का जोत जलावें.

अमित शाह आज जामताड़ा में करेंगे चुनावी सभा

रांची। भाजपा ने संताल में पूरी ताकत झोंक दी है. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को झारखंड दौरे पर आ रहे हैं. वे जामताड़ा के मेझिया छाता बंगाल में दुमका सीट से भाजपा प्रत्याशी सीता सोरेन के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे. कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए नेता और कार्यकर्ता तैयारियों में जुटे हैं. इसे लेकर गुरुवार को भाजपा जिलाध्यक्ष सुमित शरण, भाजपा प्रदेश मंत्री सरोज सिंह, वरिष्ठ नेता वीरेंद्र मंडल सहित अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया. वीरेंद्र मंडल ने कहा कि सीता सोरेन भारी बहुमत से जीतेंगी.

आज खरगे, तेजस्वी व कल्पना करेंगे सभा

रांची। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव शुक्रवार को देवघर आएंगे. दोनों नेता देवघर के प्लस टू स्कूल मैदान मोहनपुर में गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी प्रदीप यादव के पक्ष में दिन के 2.30 बजे चुनावी सभा को संबोधित करेंगे. इस चुनावी सभा में कल्पना मुर्मू सोरेन भी शामिल होंगी.इसके अतिरिक्त कल्पना सोरेन झामुमो प्रत्याशी विजय हांसदा के पक्ष में भी दो चुनावी सभा करेंगी.

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में दोषी करार

रांची। नाबालिग से दुष्कर्म मामले में आरोपी मिथुन महतो के मामले में पॉक्सो की विशेष अदालत ने फैसला सुनाया है. अदालत ने मिथुन महतो को दोषी करार दिया है. उसकी सजा के बिंदु पर अदालत 27 मई को सुनवाई करेगी. बता दें कि आरोपी मिथुन और नाबालिग पीड़िता दोनों एक मिठाई के दुकान में काम करते थे. उसी दौरान दोनों में दोस्ती हुई थी. इसके बाद आरोपी ने नाबालिग से शारीरिक संबंध बनाया था. पीड़िता के परिजनों को इसकी जानकारी तब हुई जब वह गर्भवती हो गई. मामले को लेकर नगड़ी थाना में आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई. जिसके बाद 19 फरवरी 2023 को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था. उसी समय से वह जेल में बंद है. ट्रायल के दौरान अभियोजन पक्ष ने 7 गवाह पेश किया था.

झारखंड में चुनाव का चौथा चरण: संतालपरगना में झामुमो और भाजपा ने झोंकी ताकत

सीता सोरेन, नलिन सोरेन, प्रदीप यादव, निशिकांत दुबे, विजय हांसदा, लोबिन हेंब्रम और ताला मरांडी की प्रतिष्ठा दांव पर

रवि भारती/रांची। झारखंड में लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में संताल परगना की तीन सीटों पर होने वाला मुकाबला कई मायनों में अहम होगा. एक जून को संथाल की तीन सीट राजमहल, दुमका और गोड्डा में मतदान होना है. सबकी नजर दुमका सीट पर भी टिकी हुई है. इसकी वजह यह है कि झामुमो छोड़ कर भाजपा में गयीं सीता सोरेन और झामुमो के नलिन सोरेन के बीच मुकाबला है.संथाल परगना प्रदेश की राजनीति का केंद्र बिंदु माना जाता है. राज्य की सबसे बड़ी क्षेत्रीय पार्टी झामुमो की जमीनी ताकत यहां की लड़ाई को महत्वपूर्ण बना रहा है. वहीं भाजपा ने इन तीनों सीटों पर जीत हासिल करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है. इन तीनों सीटों पर सीता सोरेन, नलिन सोरेन, प्रदीप यादव, निशिकांत दुबे, लोबिन हेंब्रम, विजय हांसदा और ताला मरांडी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है.

संताल की तीन सीट राजमहल, दुमका व गोड्डा में एक जून को होगा मतदान

सीता सोरेन

नलिन सोरेन

प्रदीप यादव

निशिकांत दुबे

विजय हांसदा

लोबिन हेंब्रम

ताला मरांडी

राजमहल में लोबिन के आने से मुकाबला दिलचस्प

झामुमो से बगावत कर निर्दलीय चुनावी अखाड़े में उतरे लोबिन हेंब्रम ने राजमहल संसदीय सीट पर मुकाबला काफी दिलचस्प बना दिया है. लोबिन इस सीट पर झामुमो उम्मीदवार विजय कुमार हांसदा के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं. इस सीट से सीपीआई (एम) ने भी उम्मीदवार उतारा है. वहीं भाजपा ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ताला मरांडी पर दांव खेला है.

गोड्डा में पुराने चिर प्रतिद्वंदी हैं आमने-सामने

गोड्डा सीट पर चिर प्रतिद्वंदी एक बार फिर से आमने-सामने हैं. 'इंडिया' गठबंधन की भी पैनी नजर है. इस सीट पर वर्ष 2009 से भाजपा के निशिकांत दुबे लगातार तीन बार चुनाव जीतते रहे हैं. उनकी जीत का ग्राफ हर बार बढ़ता ही गया. इस बार अगर भाजपा चुनाव जीतती है, तो 24 सालों में किसी संसदीय सीट पर चार बार चुनाव जीतने का रिकॉर्ड बनेगा.

राजमहल, दुमका व गोड्डा का केंद्र बिंदु है लिट्टीपाड़ा

लिट्टीपाड़ा एक ऐसी जगह है, जो राजमहल, दुमका व गोड्डा तीनों लोस क्षेत्र का केंद्र बिंदु माना जाता है. दुमका जिले का गोपीकांदर का कुछ हिस्सा और गोड्डा जिले के सुंदरपहाड़ी व बोआरीजोर प्रखंड का कुछ हिस्सा राजमहल लोस क्षेत्र में आता है.ऐसे में राजनीतिक जानकार यह कयास लगा रहे हैं कि तीनों लोस का केंद्र बिंदु होने के कारण भाजपा ने पीएम का कार्यक्रम यहां आयोजित कराया है.

28 मई को लिट्टीपाड़ा में पीएम मोदी की जनसभा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 28 मई को चुनावी दौरे पर संताल आएंगे. वे लिट्टीपाड़ा के विराजपुर मैदान में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे. राजनीतिक जानकार पीएम की इस चुनावी सभा को भाजपा के नजरिये से महत्वपूर्ण मान रहे हैं. लोगों का मानना है कि मोदी यहां से राजमहल के साथ-साथ गोड्डा व दुमका लोकस क्षेत्र को भी साधने का काम करेंगे.

पवन खेड़ा ने पीएम मोदी का व्यवहार शहंशाह की तरह बताया, कहा-

नरेंद्र मोदी जी बॉयोलोजिकली पैदा ही नहीं हुए, मैं अवतार हूं

विशेष संवाददाता। रांची

अखिल भारतीय कांग्रेस के मीडिया चेयरपर्सन पवन खेड़ा ने कहा कि देश के लोगों में गुस्से की भावना है. लोग दुखी हैं, चिंतित और भयभीत भी हैं. गुस्सा इसलिए है कि 10 साल जिस पार्टी को मौका दिया, जिस पार्टी के नेता को प्रधानमंत्री के पद तक पहुंचाया. उसका व्यवहार शहंशाह की तरह है. पवन खेड़ा ने कहा कि अगर वोटर 10 साल बाद अपने वोट इनवेस्ट के फायदे-नुकसान के बारे में पूछता है, तो उसे लताड़ दिया जाता है. वोट एक तरह से वोटर का निवेश होता है, जिसके रिटर्न के बारे में उसे जानने का हक है.

प्रधानमंत्री कर रहे मनोरंजक शोः पवन खेड़ा ने तंज कसते हुए कहा कि हमारे प्रधानमंत्री शहंशाह नरेंद्र मोदी जी वाकई में अपने आप को भगवान से ऊपर मानने लगे हैं. यह बात वे खुद घूम-घूम कर कहते हैं कि मैं बायोलॉजिकिली पैदा ही नहीं हुआ, मैं अवतार हूं. अब कोई खुद को भगवान से ऊपर बता दे, तो क्या कहा जा सकता है. खेड़ा ने कहा कि अब प्रधानमंत्री ने इंटरव्यू देना शुरू किया है. कपिल शर्मा के शो की टीआरपी खत्म हो गयी है, क्योंकि सारा मनोरंजक शो प्रधानमंत्री कर रहे हैं. ऐसा मनोरंजक आदमी जो खुद को अवतार मानता हो, तो मनोरंजन के लिए और किसी शो की क्या जरूरत है?

झारखंड की जरूरत पूरे देश को है

पवन खेड़ा ने कहा कि झारखंड वीर शहीदों की भूमि रही है. देश के निर्माण और विकास में झारखंड का अहम रोल रहा है. आज देश में लोकतंत्र, संविधान खतरे हैं. इसलिए फिर से झारखंड की जरूरत इस देश पड़ गयी है.

भाजपा में शहंशाह व प्यादों में अहंकार आ गया है

पवन खेड़ा ने कहा कि नड्डा जी ने कहा है कि ये नरों के इंद्र तो हैं ही, सुरों के भी इंद्र हैं. सुरेंद्र भी हैं, नरेंद्र भी हैं, विष्णु के अवतार हैं. संबित पात्रा ने कह दिया कि भगवान जगन्नाथ भी मोदी के भक्त हैं. कभी आपने सुना है कि भगवान इंसान का भक्त हो जाये. यह अहंकार है. इस पार्टी में, शहंशाह और प्यादों में अहंकार आ गया है. इसे लेकर भी जनता में गुस्सा है. वादे हर पार्टी करती है. चुनाव के बाद कुछ वादे पूरे होते हैं, कुछ नहीं होते. इसलिए, नेता को या पार्टी को ईमानदारी से सामने आकर बोलना चाहिए. लेकिन भगवान से बढ़ कर जो आदमी है, वह क्यों जवाब देगा?

सवालों का जवाब मांगेंगे, तो देशद्रोही हो जाएंगे

खेड़ा ने कहा कि युवाओं व बेरोजारों में गुस्सा अधिक है. महंगाई बढ़ रही है. घर में बच्चे पढ़ कर बेरोजगार बैठे हैं. नौजवान, किसान, आदिवासी, व्यापारी, मध्यम वर्ग, नौकरी पेशा लोग क्रोधित हैं. आपने 16 लाख करोड़ रुपये अपने उद्योगपति दोस्तों पर लुटा दिये. यह देश के टैक्स पेयर का पैसा है. हर एक घंटे में दो नौजवान आत्महत्या कर रहे हैं. 24 घंटे में 30 किसान आत्महत्या कर रहे हैं. गुस्सा नहीं आयेगा, तो क्या होगा? एक घंटे में चार महिलाओं के साथ दुष्कर्म होता है, लेकिन शहंशाह प्रचार में हैं. इन आंकड़ों का जवाब नहीं देंगे. कोई पूछेगा, तो देशद्रोही कहेंगे.

हेमंत सोरेन झुके नहीं, तो जेल में डाल दिये गये

कांग्रेस नेता ने कहा कि यहां के लोकप्रिय पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जेल में बैठा दिया. क्योंकि जिससे आदिवासी अस्मिता जुड़ी है, वह झुकेगा नहीं. यह बात शहंशाह जानता है. जो झुकता नहीं है, वह सलाखों के पीछे चला जाता है. क्या कारण है? यही न कि वह झुका नहीं. दुख इस बात का है कि जिसको खुदा माना वह पत्थर भी नहीं निकला. अगर देश का राजा धोखा देता है तो आने वाली पीढ़ियां बर्बाद और तबाह हो जाती हैं. यही इस देश में हो रहा है. कोई पूछ ले, तो हिंदू-मुस्लिम की बात करेंगे, साउथ-नॉर्थ की बात करेंगे. कब तक आप लोगों का ध्यान बांटोगे.

इनके वैचारिक पूर्वजों ने संविधान की प्रतियां जलाई

खेड़ा ने कहा कि लोगों में भय भी है. भय इसलिए है कि शायद यह आखिरी चुनाव होगा. अगर ये जीत गये, तो इसके बाद चुनाव नहीं होंगे. संविधान खत्म कर दिया जायेगा. इस संविधान से नरेंद्र मोदी और इनके विचारकों की क्या दुश्मनी है. ये आप पढ़ लें, सुन लें. इनके वैचारिक पूर्वजों ने संविधान की प्रतियां जलाई हैं. इनके नेता खुलकर कहते हैं कि 400 सीट दें, हम संविधान को बदल देंगे. लेकिन, हम यह होने नहीं देंगे.

अरबों खर्च कर राहुल के खिलाफ किया दुष्प्रचार

पवन खेड़ा ने कहा कि जब राहुल गांधी कहते हैं कि हम आदिवासी, दलित, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के साथ अन्याय होने नहीं देंगे, तो इन्हें बड़ी चिढ़ होती है. इन लोगों ने अरबों रुपए खर्च कर राहुल गांधी के खिलाफ दुष्प्रचार किया. पैसा बहुत है इनके पास है. इनके दोस्त टेंपो भर-भर के पैसे भेजते हैं, तो इनके पास क्या कमी है? टेंपों का एड्रेस एक ही होता है, कहां जाना है, उसे पता है.

कांग्रेस के न्याय पत्र की चर्चा से पीएम टेंशन में

पवन खेड़ा ने कहा कि पिछले 10 सालों में अर्थव्यवस्था पर चोट हुई है. यह देखकर महालक्ष्मी योजना लायी गयी है. इसकी चर्चा हो रही है. महिलाओं के खाते में एक वर्ष में एक लाख रुपये आयेंगे. युवाओं को पक्की नौकरी मिलेगी. यह जानकर लोग खुश हैं. 10 साल में 30 लाख पद खाली हो गये. इसे क्यों भरा नहीं गया, मोदी सरकार को यह तो बताना चाहिए. राहुल गांधी ने घोषणा की है कि 15 अगस्त से यह रिक्तियां भरी जाएंगी.

आर्किटेक्ट विनोद सिंह की अग्रिम जमानत पर छह जून को सुनवाई

संवाददाता। रांची

लैंड स्कैम केस के आरोपी व झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के सहयोगी आर्किटेक्ट विनोद सिंह की अग्रिम जमानत पर अब छह जून को सुनवाई होगी. विनोद सिंह ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से रांची पीएमएलए की विशेष कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की है. इस पर आंशिक सुनवाई करने के बाद कोर्ट ने सुनवाई की अगली तारीख छह जून निर्धारित की है.

राजकुमार पाहन की अग्रिम जमानत पर 27 को फैसला : लैंड स्कैम केस के एक अन्य आरोपी राजकुमार पाहन की अग्रिम जमानत याचिका पर रांची पीएमएलए की विशेष कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गयी है. दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है. अब कोर्ट 27 मई को अपना फैसला सुनाएगा.

विनोद व राजकुमार पर लटक रही गिरफ्तारी की तलवार : ईडी ने हेमंत सोरेन से जुड़े लैंड स्कैम केस में प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन दायर की है, जिसपर पीएमएलए कोर्ट ने संज्ञान भी लिया है. इसके बाद आर्किटेक्ट विनोद सिंह और राजकुमार पाहन पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है. अदालत ने दोनों के खिलाफ समन जारी किया है. इस केस के प्रमुख आरोपी पूर्व सीएम हेमंत सोरेन और बड़गाईं अंचल के हल्का कर्मचारी भानु प्रताप फिलहाल बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में बंद हैं. ईडी ने हेमंत सोरेन को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सात घंटे तक पूछताछ के बाद 31 जनवरी की रात गिरफ्तार किया था.

लैंड स्कैम केस

दो आरोपियों की अग्रिम जमानत पर अलग-अलग हुई सुनवाई

बॉक्साइट माइंस क्षेत्र में सुरक्षाबल पर हमले की रची थी साजिश

- सर्च अभियान के दौरान हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ

संवाददता। रांची

माओवादियों ने बॉक्साइट माइंस क्षेत्र में सुरक्षाबल पर हमले की साजिश रची थी. इस बात का खुलासा एनआईए की जांच में हुआ है. माओवादी कैडरों ने अपने शीर्ष कमांडर प्रशांत बोस की गिरफ्तारी का बदला लेने के लिए यह साजिश रची थी. जांच में पता चला है कि इस घटना को अंजाम देने के लिए जून 2022 में रीजनल कमांडर रवींद्र गंझू के नेतृत्व में बलराम उरांव, मुनेश्वर गंझू समेत 45-60 नक्सली लोहरदगा के बुलबुल जंगल में जुटे थे.

दो नक्सलियों के खिलाफ एनआईए ने किया चार्जशीट : साजिश की भनक लगने पर स्थानीय पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों ने संयुक्त तलाशी अभियान चलाया था. इसी दौरान हरकट्टा टोली और बांग्लापाट में सुरक्षा बलों पर नक्सलियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की थी. इसके बाद सुरक्षाबलों ने सर्च अभियान के दौरान बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ. इस मामले में एनआईए ने नक्सली अघनु गंझू उर्फ अग्नु गंझू और खुदी मुंडा के खिलाफ चार्जशीट दाखिल किया है. एनआईए आरसी-02/2022 दर्ज कर इस मामले की जांच कर रही है.

खास बातें

- एनआई जांच में माओवादियों पर बड़ा खुलासा
- 45-60 नक्सली लोहरदगा के बुलबुल जंगल में जुटे थे

हाईकोर्ट ने कहा हथियार जमा करने का आदेश देने से पहले लाइसेंसधारियों की स्क्रूटनी करनी जरूरी

सभी लाइसेंसधारियों को हथियार जमा करने का आदेश वैध नहीं

संवाददाता। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने लोकसभा चुनाव में सभी हथियार लाइसेंसधारियों से हथियार जमा करने के आदेश को वैध नहीं माना है. एक मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने कहा है कि इस तरह का आदेश कानून की नजर में वैध नहीं ठहराया जा सकता. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंद सेन की अदालत ने बोकारो जिला के उपायुक्त के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसके तहत उपायुक्त ने सभी लाइसेंसधारी हथियारधारकों को अपने हथियार जमा करने का निर्देश दिया था. साथ ही हथियार जमा नहीं करने पर उनके खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही गयी थी.

अदालत ने प्रार्थी के हथियार को वापस करने का निर्देश भी उपायुक्त को दिया है. हाईकोर्ट ने अपने आदेश कहा है कि लाइसेंसधारियों को अपने हथियार जमा करने के चुनाव आयोग का एक आदेश दे देना उचित नहीं है. इस तरह के आदेश जारी करने में दिमाग का इस्तेमाल नहीं किया गया है. हथियारधारकों को सिर्फ इसलिए हथियार जमा करने को कहा गया है, क्योंकि उन्होंने हथियार रखने के लिए लाइसेंस लिया है. कोर्ट ने कहा कि उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी को हथियार जमा कराने के पहले सभी लाइसेंसधारियों की स्क्रूटनी करनी चाहिए.

स्क्रूटनी में यदि यह पता चले कि लाइसेंस लेने वाले का आपराधिक रिकॉर्ड है और वह चुनाव में बाधा पहुंचा सकता है, तो वैसे लोगों से ही हथियार जमा कराया जाना चाहिए. यदि किसी के भी विरुद्ध कुछ भी प्रतिकूल नहीं मिलता है, यदि लाइसेंसधारी स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव और कानून-व्यवस्था के लिए खतरा पैदा नहीं कर सकते हैं, तो उन्हें हथियार जमा करने का निर्देश देना आवश्यक नहीं है.

अदालत ने बोकारो उपायुक्त के आदेश को रद्द कर दिया

कहा- आपराधिक रिकॉर्ड वाले का हथियार जमा कराना जरूरी

डीवीसी के डीजीएम ने हाईकोर्ट में दायर की थी याचिका

डीवीसी कोडरमा में पदस्थापित डीजीएम रंजीत सिंह ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी. कहा गया था कि बोकारो उपायुक्त ने 27 मार्च को आदेश जारी कर सभी लाइसेंसधारियों से अपने हथियार निकट के थाना या अन्य निर्धारित स्थानों पर जमा करने का निर्देश दिया था. प्रार्थी का कहना था कि अपनी सुरक्षा के लिए उन्होंने जिला प्रशासन से हथियार रखने के लिए लाइसेंस लिया है. चुनाव के कारण डीवीसी की सुरक्षा में लगे सीआईएसएफ के जवानों की संख्या में भी कटौती कर ली गयी है. उन्होंने उपायुक्त के आदेश के बाद अपने हथियार जमा कर दिए हैं. लेकिन उनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है. ऐसे में उपायुक्त का सभी लाइसेंसधारियों को हथियार जमा करने का आदेश देना उचित नहीं है.

25 को कूरियर सेवाएं बंद रहेंगी, मतदान करें- एक कूरियर फ्री

रांची। रांची संसदीय क्षेत्र सहित जमशेदपुर, धनबाद, गिरिडीह में 25 मई को मतदान है. मतदान का देखते हुए झारखंड कूरियर एसोसिएशन ने उस दिन कूरियर सेवाएं बंद रखने की घोषणा की है. एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रेम मित्तल ने बताया कि रांची के मतदाताओं को प्रोत्साहन देने के लिए फ्री कूरियर सेवा की व्यवस्था की गयी है. मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए एसोसिएशन भी लगातार अभियान चला रहा है. मतदान करनेवाले मतदाता मेन रोड विष्णु टॉकीज लेन स्थित स्वाति कूरियर से अपना एक कूरियर बिल्कुल मुफ्त भेज सकेंगे. यानी 100% छूट. यह ऑफर 31 मई तक जारी रहेगा. फ्री कूरियर की सुविधा प्राप्त करने के लिए मतदाता स्वाति कूरियर में आकर अपनी उंगली की स्याही, आधार कार्ड/ वोटर आईडी दिखा कर ऑफर का लाभ उठा सकते हैं.

क्लासिफाइड

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, शुक्रवार 24 मई 2024 ● ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 45

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

किस डैम में कितना पानी

डैम	क्षमता	मौजूदा जलस्तर	आपूर्ति योग्य पानी
हटिया	39 फीट	20 फीट	6 फीट
गोंदा	28 फीट	19 फीट	7 फीट
रुक्का	36 फीट	20 .4 फीट	5 फीट

समस्या गंभीर

बढ़ती आबादी के बीच घट रहा डैम व झील का जलस्तर

गहराने लगा है जल संकट

आकर्ष अनिकेत। रांची

राजधानी में बढ़ती आबादी के साथ-साथ जल संकट गहराता जा रहा है. जब शहर की आबादी कम थी, तब तीन डैम रुक्का, धुर्वा व गोंदा से पानी की जरूरत पूरी की जाती थी. आबादी बढ़ने के बाद भी शहर इन तीन डैम पर ही निर्भर है. शहरवासियों को अपनी जरुरतें पूरी करने के लिए रोजाना 46 मिलियन गैलन (एमजीडी) पानी की आवश्यकता है. फिलहाल प्रतिदिन 32 से 34 मिलियन गैलन पानी की आपूर्ति ही सरफेस वॉटर (डैम) से की जा रही है. इस कारण पानी की किल्लत बनी हुई है. गोंदा डैम से रोजाना लगभग चार एमजीडी, धुर्वा डैम से लगभग आठ एमजीडी और रुक्का डैम से लगभग 22 एमजीडी पानी की आपूर्ति की जा रही है. बाकी 14 से 16 एमजीडी भू-गर्भ जल (बोरिंग) से उपयोग किया जा रहा है. मॉनसून आने में अभी एक महीने का समय बाकी है. इस बीच अगर बारिश नहीं होती है, तो शहर को जल संकट का सामना करना पड़ सकता है.

शहर को 46 एमजीडी पानी की जरूरत, सप्लाई 32 से 34 एमजीडी

रोजाना हो रही पानी की सप्लाई

पानी सप्लाई की स्थिति को जानने के लिए हमने शहर के लोगों से बात की. लोगों का कहना है कि रोजाना पानी की सप्लाई की जा रही है. कभी-कभी एक-दो दिन पानी नहीं आता है, पर कुछ दिनों से रोजाना सप्लाई का पानी मिल रहा है.

रुक्का में 5, गोंदा में 7 व हटिया में 6 फीट पानी आपूर्ति योग्य

शहर में पानी की आपूर्ति पूरी करने वाले सभी डैम का पीनी अब निचले स्तर पर पहुंच चुका है. रुक्का डैम में फिलहाल आपूर्ति के लिए पांच फीट पानी ही बचा है. डैम में लगभग 15 फीट गाद भरा हुआ है. हटिया डैम में आपूर्ति के लिए छह फीट और गोंदा डैम में सात फीट पानी बचा है. हटिया डैम में लगभग 14 व गोंदा डैम में लगभग 12 फीट गाद जमा है.

हजारीबाग के 36 में से 28 वार्डों में ही दिया है जाता पानी

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

शहर में 36 वार्ड हैं. लेकिन सिर्फ 28 वार्डों में ही पानी की सप्लाई हो पाती है. वह भी सुबह में दो घंटा पानी आता है. इसके बाद फिर अगली सुबह ही आता है. सुबह और शाम पानी सप्लाई नहीं हो रही है. हजारीबाग में कटकमसांडी के छड़वा डैम और शहर के झील से पानी की सप्लाई की जाती है. हजारीबाग शहर को लगभग 10 लाख गैलन पानी की जरुरत है, लेकिन अभी आपूर्ति के लिए 6 लाख गैलन पानी ही उपलब्ध हो पाता है.

इस कारण लोगों को पानी की समस्या झेलनी पड़ती है. एक-एक लाख गैलन क्षमता का छह और 50 हजार गैलन का एक स्टोर बनाया गया है. पानी आपूर्ति को लेकर हमने नगर निगम के सिटी मैनेजर से बात की. उन्होंने बताया कि शहर में 36 वार्ड हैं. इनमें कुछ वार्ड नए हैं. नए वार्ड में पानी की सप्लाई नहीं दी जा रही है. लेकिन 28 वार्ड में सुबह दो घंटे पानी दिया जाता है. अगर कोई पर्व-त्योहार होता है, तो जरूरत के अनुसार दी जाती है. पानी की कम सप्लाई होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि गर्मी का समय है, झील व छड़वा डैम में पानी की कमी है. इस कारण पानी की सप्लाई कम हो रही है. झील व डैम में पानी का स्तर बढ़ने के साथ ही पानी की सप्लाई भी बढ़ा दी जायेगी.

हर दिन 17 से 18 लाख लीटर पानी की जरूरत

आशीष टैगोर। लातेहार

लातेहार नगर पंचायत क्षेत्र में प्रतिदिन 17 से 18 लाख लीटर पानी की जरुरत है. नगर पंचायत के द्वारा शहर में पानी की आपूर्ति की जा रही है और वर्तमान समय तक शहर में सुबह-शाम पानी की आपूर्ति की जा रही है. नगर पंचायत के कनीय अभियंता संदीप बेदिया ने शुभम संदेश को बताया कि चालू गर्मी के मौसम में वर्तमान समय तक नियमित जलापूर्ति की जा रही है.

हालांकि उन्होंने कहा कि अगर गर्मी और बढ़ेगी और औरंगा नदी का जल स्तर नीचे जायेगा, तो उस स्थिति में पेयजल आपूर्ति अनियमित होने की संभावना है. वैसी स्थिति में सिर्फ एक बार पेयजल आपूर्ति की जा सकती है. लेकिन इस वर्ष अभी तक वैसी परिस्थिति नहीं आयी है. बता दें कि शहर में 32 करोड़ की लागत से शहरी जलापूर्ति योजना का क्रियान्वयन किया गया है. इसके तहत तीन जलमीनार बनाये गये हैं. इनमें एक 11 लाख, एक 15 लाख और एक 7.5 लाख लीटर का है. इस योजना के तहत नगर पंचायत के सभी वार्डों में पाइप लाइन बिछाया गया है. नगर विकास विभाग की कार्यकारी एजेंसी जुडको ने यह निर्माण कार्य कराया है. हालांकि यह योजना प्रारंभ से ही विवादों में रही है. योजना में व्यापक अनियमितता भी पायी गयी थी.

सिमडेगा में सिर्फ एक समय ही हो रही पेयजल आपूर्ति

पंचम कुमार। सिमडेगा। सिमडेगा के नगर परिषद क्षेत्र स्थित केलाघाघ डैम से पेयजल की आपूर्ति की जाता है. इससे पूरे एनएससी क्षेत्र में पानी की सप्लाई की जाती है. पानी की कमी की वजह से सुबह में सिर्फ एक घंटे से भी कम समय तक पेयजल की सप्लाई लोगों को मिल पाती है. सिर्फ एक समय पर ही पेयजल की सप्लाई की जाती है, जिससे यहां के लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है. वहीं बहुत कम जगह पर चापानल लगाया गया है. लोग जार का पानी खरीद करके अपना काम चलाते हैं. वहीं नगर परिषद के लोग कहते हैं कि पेयजल की यहां पर ज्यादा कोई समस्या नहीं है और जहां समस्या रहती है, उस स्थान पर टैंकर के माध्यम से पानी की सप्लाई कर दी जाती है. खराब चापाकल को दुरुस्त किया जा रहा है, जिससे लोगों को पानी से संबंधित कोई समस्या ना हो.

ब्रीफ खबरें

झारखंड में चक्रवात का असर, होगी बारिश

रांची। बंगाल की खाड़ी के ऊपर बन रहे चक्रवात निम्न दबाव में बदल गया है. इसका असर झारखंड में देखने को भी मिल रहा है. गुरुवार को राजधानी के कई इलाकों में बारिश हुई. बारिश की वजह से मौसम सुहाना हो गया. लोगों को गर्मी से भी राहत मिली है. 24 मई से राज्य के कई हिस्सों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है. इसे लेकर मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. मौसम विभाग के अनुसार, तेज हवा भी चलेगी. हवा की रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा तक हो सकती है. मेघगर्जन और वज्रपात की भी आशंका जताई गई है. इसका असर राज्य के उत्तर-पूर्वी, दक्षिणी और निकटवर्ती मध्य हिस्सों में दिखेगा.

हजारीबाग में एटीएम काट 11 लाख उड़ाए

हजारीबाग। शहर के लोहसिंघना थाने से कुछ दूरी पर इंद्रपुरी चौक के समीप एसबीआई की एटीएम काट कर बदमाशों ने 11 लाख 4 हजार 50 रुपये की चोरी कर ली. घटना बीती मंगलवार देर रात दो बजे के आसपास की बताई जा रही है. घटना के 24 घंटे बाद बुधवार रात थाना प्रभारी को घटना की जानकारी मिली. 36 घंटे बाद थाना प्रभारी अपने टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. हालांकि, बुधवार सुबह से ही घटना की सीसीटीवी फुटेज वायरल होती रही, लेकिन थानेदार यह कहते रहे कि उन्हें सीसीटीवी फुटेज मिली ही नहीं है.

जयंत सिन्हा ने स्पष्टीकरण का दिया जवाब, बोले- यह कदम पार्टी कार्यकर्ताओं को निराश करने वाला

होमवर्क कमजोर | अपने ही भेजे नोटिस के जवाब से खुद घिर गई झारखंड भाजपा

स्पष्टीकरण

शुभम संदेश नेटवर्क। रांची

झारखंड प्रदेश भाजपा की ओर से बीते दिनों अपनी ही पार्टी के निवर्तमान सांसद और वर्तमान विधायक से स्पष्टीकरण मांगा गया था. हजारीबाग सांसद जयंत सिन्हा और धनबाद विधायक राज सिन्हा को प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू ने नोटिस भेज कर पूछा था कि आपने संबंधित संसदीय क्षेत्र के पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में चुनावी प्रचार में सक्रियता नहीं दिखाई. अब जयंत सिन्हा ने कारण बताओ नोटिस का जो जवाब दिया है, उससे प्रदेश भाजपा ही घिरती नजर आ रही है. साथ ही निवर्तमान सांसद का जवाब इस ओर भी स्पष्ट इशारा करता है कि राज्य इकाई ने होमवर्क किए बिना ही अपने सांसद को स्पष्टीकरण नोटिस चिपका दिया.

जयंत सिन्हा ने ''एक्स'' पर स्पष्टीकरण नोटिस का जवाब सार्वजनिक करते हुए पोस्ट किया है. उन्होंने प्रदेश भाजपा के महामंत्री आदित्य साहू के नाम लिखे पत्र में कहा है कि उनके ऊपर पार्टी के खिलाफ काम करने के लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं. दो पन्नों की लंबी चिट्ठी में सिन्हा ने उनपर लगाए गए आरोपों का विस्तृत और बिंदुवार जवाब दिया है, जिससे प्रदेश महामंत्री सवालों के कटघरे में खड़े दिख रहे हैं. जयंत सिन्हा ने लिखा है कि मुझे आपका पत्र प्राप्त करके अच्छा लगा तथा यह जानकर अत्यधिक हैरानी भी हुई कि आपने इसे मीडिया में भी जारी कर दिया है.

राष्ट्रीय अध्यक्ष को जानकारी देकर सक्रिय चुनावी गतिविधि से हुआ अलग

जयंत सिन्हा में पुराने पोस्ट का हवाला देते हुए लिखा कि सर्वप्रथम मैं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ हुए वार्तालाप को आपके ध्यान में लाना चाहता हूं. दो मार्च 2024 को, लोकसभा चुनाव से काफी समय पहले ही मैंने सक्रिय चुनावी गतिविधियों में भाग न लेने का निर्णय लिया था. मैंने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से आग्रह किया था मुझे सक्रिय चुनावी गतिविधियों से मुक्त किया जाए, ताकि मैं भारत और विश्व भर में वैश्विक जलवायु परिवर्तन से निपटने और उसका समाधान करने के लिए अपने प्रयासों पर ध्यान केंद्रित कर सकूं. इसके साथ ही मैंने आर्थिक और शासन संबंधित विषयों पर पार्टी के साथ काम करना सहर्ष जारी रहने की बात कही थी. इस निर्णय की सार्वजनिक घोषणा ''एक्स'' पर एक पोस्ट के माध्यम से स्पष्टता और पारदर्शिता के लिए की थी.

पार्टी के किसी नेता ने चुनाव प्रचार के लिए संपर्क नहीं किया

जयंत सिन्हा ने आदित्य साहू को जवाब देते हुए कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी ने मनीष जायसवाल जी को अपना उम्मीदवार घोषित किया. मैने 8 मार्च 2024 को उन्हें बधाई दी, जो मेरे समर्थन का ही साक्ष्य था और पार्टी के निर्णय के प्रति मेरे समर्थन का सूचक भी था. अगर पार्टी चाहती थी कि मैं किसी प्रकार की चुनावी गतिविधियों में भाग लूं, तो निश्चित रूप से आप मुझसे संपर्क कर सकते थे. हालांकि, 2 मार्च 2024 को मेरी घोषणा के बाद झारखंड के किसी भी वरिष्ठ नेता, पार्टी कार्यालय के पदाधिकारी या सांसद-विधायक ने मुझसे संपर्क नहीं किया. मुझे किसी भी पार्टी कार्यक्रम, रैली या संगठनात्मक बैठक के लिए आमंत्रित नहीं किया गया. यदि बाबूलाल मरांडी या अन्य कार्यकर्ता मुझसे संपर्क करना चाहते थे, तो वो निश्चित रूप से मुझे आमंत्रित कर सकते थे.

मनीष जायसवाल की नामांकन रैली में शामिल होने की सूचना देर से मिली

जयंत सिन्हा ने बताया कि 29 अप्रैल 2024 की शाम को उनके दिल्ली में रहने के दौरान मनीष जायसवाल की ओर से उन्हें नामांकन रैली में एक मई 2024 को उपस्थित होने के लिए आमंत्रित किया गया था. लेकिन देर से सूचना मिलने के कारण एक मई की सुबह तक हजारीबाग पहुंचना संभव नहीं हो सका और दो मई को हजारीबाग पहुंच कर मनीष जायसवाल के आवास पर उनसे शिष्टाचार भेंट करने के लिए पहुंचा. इस दौरान वो वहां उपस्थित नहीं थे, इसलिए मैंने अपना संदेश और शुभकामनाएं उनके परिवार को दी. इसके बाद मनीष जायसवाल की ओर से उनका कोई संपर्क नहीं हुआ. इसलिए, 3 मई को वो हजारीबाग से दिल्ली लौट गए.

प्रदेश महामंत्री के आरोप का खंडन कहा- पोस्टल बैलेट से दिया था वोट

जयंत सिन्हा ने उन पर लगाए गए उस आरोप का खंडन किया, जिसमें भाजपा प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू ने उनपर मतदान कर्तव्य का पालन नहीं करने का आरोप लगाया था. सिन्हा ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष को सूचना देने के बाद वो कुछ महत्वपूर्ण निजी कार्यों से 10 मई को विदेश चले गए. इस दौरान पार्टी की ओर से उन्हें किसी कार्यक्रम में आमंत्रित न किए जाने के कारण उन्हें वहां (हजारीबाग) रुकने की कोई भी आवश्यकता दिखाई नहीं पड़ी. हालांकि, हजारीबाग से जाने के पहले उन्होंने पोस्टल बैलेट प्रक्रिया के माध्यम से अपना वोट दिया था.

25 वर्षों तक पार्टी की सेवा की, सभी जिम्मेदारियां ईमानदारी से निभायी

जयंत सिन्हा ने लिखा कि भाजपा के साथ अपनी 25 वर्षों की सेवा के दौरान पिछले कई दशकों से मैंने पार्टी की कई महत्वपूर्ण और सार्थक राष्ट्रीय नीतियों पहल में सहभागिता की है. इन पदों पर रहते हुए मेरे कार्यों को व्यापक रूप से सराहा गया है. मुझे वित्त संबंधी संसदीय स्थायी समिति के उत्कृष्ट कार्य के लिए संसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित करने के साथ ही राष्ट्रपति की ओर से भी सम्मानित किया गया है. मुझे कई महत्वपूर्ण संसदीय और मीडिया बहसों में सरकार का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है. मैंने पार्टी की ओर से अपनी सभी जिम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी के साथ निभाया है.

पत्र को सार्वजनिक कर अन्यायपूर्ण तरीके से बनाया जा रहा निशाना

जयंत सिन्हा ने प्रदेश भाजपा महामंत्री को कहा है कि आपके द्वारा पत्र को सार्वजनिक रूप से जारी करना, बिल्कुल अनुचित है. आपका यह कदम समस्त पार्टी कार्यकर्ताओं को निराश करने वाला है. इसके अतिरिक्त, पार्टी के प्रति मेरी निष्ठा और कठिन परिश्रम के बावजूद, ऐसा प्रतीत होता है कि मुझे अन्यायपूर्ण तरीके से निशाना बनाया जा रहा है. हम निश्चित ही किसी भी समय व्यक्तिगत रूप से या फोन पर बात कर सकते थे, ताकि आपके किसी भी संदेह को दूर किया जा सके. हजारीबाग लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी के अधिकारी होने के नाते आप कभी भी मुझसे संपर्क कर सकते थे.

खुदाई के दौरान कुआं धंसने से चार लोगों की हो गयी मौत

संवाददाता। लोहरदगा

सेन्हा थाना क्षेत्र के चितरी अंबाटोली के अंबा बारी के समीप गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया. मनरेगा योजना से बनाया जा रहा कुआं अचानक धंसने से चार लोगों की मौत हो गई. घटना की सूचना मिलते ही लोहरदगा के उपायुक्त डॉ. प्रसाद कृष्ण वाघमारे, एसडीओ अमित कुमार, सीओ राकेश कुमार तिवारी, बीडीओ संग्राम मुर्मू घटनास्थल पर पहुंचे.

प्रशिक्षु एसपी सह थाना प्रभारी वेदांत शंकर के निर्देश पर राहत बचाव कार्य शुरू किया गया. मिट्टी में दबे हुए लोगों को निकालने के लिए जेसीबी मंगाई गई. कड़ी मशक्कत के बाद कुआं से चारों शवों को बाहर निकाला गया. शवों के बाहर आते ही परिजन दहाड़ मारकर रोने लगे. जिला प्रशासन ने पीड़ित परिवार को सरकार की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिया है. बताया गया कि मनरेगा योजना से लाभुक असलम अंसारी के कुआं की खुदाई चल रही थी. इसी दौरान हादसा हो गया. इस घटना के बाद क्षेत्र में गम का माहौल है.

लाभुक के बेटे- बेटी की भी हो गई मौत

इस घटना में मरनेवालों में मनरेगा योजना के लाभुक असलम अंसारी के पुत्र अबू रेहान अंसारी (35), पुत्री शबनम खातून (21), कैरो थाना क्षेत्र अंतर्गत गराडीह निवासी 35 वर्षीय रमजान अंसारी उर्फ बबलू अंसारी और भगत शामिल हैं.

मुठभेड़ में माओवादी एरिया कमांडर बुधराम मारा गया

संवाददाता। रांची

- कराईकेला के जंगल में जवानों व माओवादियों में मुठभेड़
- कोचांग के पास माओवादियों के मूवमेंट की मिली थी सूचना

खूंटी-पश्चिमी सिंहभूम की सीमा पर सुरक्षा बल और माओवादियों के बीच गुरुवार की दोपहर मुठभेड़ हुई. इसमें भाकपा माओवादी संगठन का एरिया कमांडर बुधराम मुंडा मारा गया है. मुठभेड़ पश्चिमी सिंहभूम के कराईकेला थाना क्षेत्र के बलियाडीह और नवादा गांव के जंगल क्षेत्र में हुई. घटनास्थल से पुलिस ने 150 राउंड गोली समेत नक्सलियों के कई सामान बरामद किये हैं. जानकारी के अनुसार, वरीय पुलिस अधिकारी के निर्देश पर जिला पुलिस और कोबरा बटालियन के जवान नक्सलियों के खिलाफ सर्च अभियान चला रहे थे. इसी दौरान पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है. घटना की पुष्टि करते हुए पश्चिमी सिंहभूम के एसपी आशुतोष शेखर ने बताया कि मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया है और अभी भी जंगल में सर्च अभियान जारी है. मारा गया नक्सली खूंटी के अड़की थाना क्षेत्र के हेंब्रम चारीसियूद गांव का रहने वाला था.

माओवादियों के जुटने की सूचना पर चलाया सर्च अभियान : खूंटी पुलिस को कोचांग के पास जंगल में माओवादियों के मूवमेंट की सूचना मिली थी. गुप्त सूचना पर जिला पुलिस, कोबरा बटालियन के जवान संयुक्त रूप से जंगल में सर्च अभियान चला रहे थे. इसी दौरान कराईकेला के जंगल में पुलिस का माओवादियों से सामना हो गया. इसके बाद माओवादियों ने पुलिस पर गोलीबारी शुरू कर दी. पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की. इसमें पुलिस की गोली लगने से एक माओवादी मारा गया, जबकि बाकी माओवादी घने जंगल का फायदा उठा कर भाग निकले.

चुनाव के मद्देनजर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विशेष चौकसी : झारखंड की चार लोकसभा सीटों रांची, धनबाद, गिरिडीह और जमशेदपुर के लिए 25 मई को मतदान होना है. रांची लोकसभा क्षेत्र का इलाका खूंटी से सटा हुआ है. इस लोकसभा क्षेत्र में ही सरायकेला जिले की ईचागढ़ विधानसभा भी शामिल है. इसे लेकर रांची से सटे नक्सल प्रभावित सीमावर्ती इलाकों में विशेष चौकसी बरती जा रही है.

आदित्यपुर के बदमाश भोलू कुम्हार की कदमा में हत्या

संवाददाता। जमशेदपुर

कदमा थाना क्षेत्र अंतर्गत कदमा बाजार स्थित शराब दुकान के पास आदित्यपुर के बदमाश भोलू कुम्हार की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई. घटना के वक्त भोलू अपने दोस्तों के साथ शराब पी रहा था. घटना की जानकारी मिलने पर भोलू के परिजन मौके पर पहुंचे और घायल हालत में उसे टीएमएच ले गये. जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

चार दिन पूर्व ही जेल से छूट कर आया था: भोलू आदित्यपुर के राममड़ैया बस्ती का रहने वाला था और चार दिनों पूर्व ही जेल से छूट कर बाहर आया था. वह भाजपा नेता गणेश महाली का भी करीबी बताया जा रहा है. सिटी एसपी मुकेश कुमार लुनायत ने बताया कि भोलू की हत्या चापड़ से वार कर की गई है. जल्द ही बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

आदित्यपुर के विक्की नंदी का नाम आया सामने : सूत्रों के अनुसार भोलू की हत्या में आदित्यपुर के ही विक्की नंदी का हाथ बताया जा रहा है. विक्की और भोलू के बीच विवाद काफी पुराना है. आदित्यपुर छठ घाट पर विक्की नंदी पर बम से हमला किया गया था, जिसमें बम की सप्लाई करने का आरोप भोलू पर लगा था.

चुनावी समर कल्पना ने घाटशिला के दहीगोड़ा सर्कस मैदान में की जनसभा, कहा

भाजपा वालों को आदिवासी नाम से नफरत

- तीर-धनुष आदिवासियों का मान-सम्मान है, हमारा अभिमान
- खनिज संपदा की रॉयल्टी मांगी, तो केंद्र ने अनदेखी कर दी

संवाददाता। घाटशिला

झामुमो की स्टारक प्रचारक कल्पना सोरेन गुरुवार को दहीगोड़ा सर्कस मैदान में पार्टी प्रत्याशी समीर मोहंती के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करने पहुंची. संबोधन से पूर्व उन्होंने पंडित रघुनाथ मुर्मू के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की. कल्पना ने कहा कि तीर-धनुष आदिवासियों का मान-सम्मान है, हमारा अभिमान है और गुरुजी का निशान है.

उन्होंने कहा कि आपके भाई, आपके बेटा हेमंत सोरेन ने झारखंड में सर्वजन पेंशन योजना लाकर बुढ़ापे की लाठी देकर सहारा बनाया है. इतना ही नहीं मां-बहनों को अब 50 वर्ष की उम्र में ही वृद्धा पेंशन दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार ने केंद्र सरकार से अपनी खनिज संपदा की रॉयल्टी 136 हजार करोड़ रुपये मांगे, तो केंद्र सरकार ने अनदेखी कर दी. हेमंत सरकार गठन के तुरंत बाद ही देश में कोरोना महामारी फैल गई उसे दौरान भी हेमंत ने हिम्मत नहीं हारी. बाहर फंसे मजदूरों को हवाई जहाज, ट्रेन व बसों से झारखंड लाने का काम किया. किसी को भूखे मरने की नौबत आने नहीं दी. ऐसे मुख्यमंत्री को झूठे केस में फंसा कर केंद्र सरकार ने जेल भेज दिया. भाजपा सरकार को आदिवासी के नाम से ही नफरत है, इसलिए तो वे वनवासी कहते हैं. लेकिन अपने झारखंड के विकास के लिए इंडिया महागठबंधन के प्रत्याशी समीर मानती को विजयी बनाएं.

ब्रीफ खबरें

दामाद ने सास व भतीजा के पैर में मारी गोली

गुमला । कामडारा थाना क्षेत्र अंतर्गत रायकेरा टोंगरीटोली में बुधवार की रात अजीत गुड़िया नामक युवक ने अपनी सास लिच्छी मुंडाइन(58 वर्ष) और अपने साढ़ू.का बेटा कमल आईंद (17 वर्ष) के ऊपर देशी कट्टा से गोली चला दी. गोली उनके पैर में लगी. गोली की आवाज सुनकर आस पास के लोग जुट गए. तब तक हमलावर युवक घटना स्थल से फरार हो गया. ग्रामीणों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी और दोनों घायलों को स्थानीय लोगों के सहयोग से इलाज के रिम्स भेज दिया.

मेधावी छात्रों को ऋत्विज समाज देगा छात्रवृत्ति

मेदिनीनगर। ऋत्विज समाज मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति योजना का लाभ देने की तैयारी में जुट गया है. यह संस्था पिछले कई वर्षों से ब्राह्मण परिवार के आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति राशि देकर पढ़ाई में सहयोग करती है. संस्था के सचिव मणिकांत उपाध्याय ने बताया कि इस छात्रवृत्ति योजना का लाभ देने के लिए पैटर्न में बदलाव किया गया है. इस वर्ष यूपीएससी, जेपीएससी जैसी अन्य प्रतियोगी परीक्षा के अलावा एमबीए, जेईई, नीट, आईआईटी, पोलिटेकनिक, मैट, क्लैट का इंट्रेंस परीक्षा में सफल विद्यार्थियों के साथ साथ तकनीक व उच्च शिक्षा और मेडिकल क्षेत्र में पढ़ाई के लिए भी छात्रवृत्ति दी जायेगी.

20 तक पूर्ण बायोडाटा के साथ करें आवेदन

मेदिनीनगर । मणिकांत उपाध्याय ने बताया कि आर्थिक रूप कमजोर मेधावी छात्र को लक्ष्मण शुक्ला स्मृति एवं छात्रा को शिवकुमारी देवी स्मृति छात्रवृति योजना का लाभ मिलेगा. उन्होंने बताया कि छात्रवृति योजना का लाभ लेने की अहर्ता रखनेवाले विद्यार्थियों को 20 जून तक पूर्ण बायोडाटा के साथ आवेदन जमा करना अनिवार्य है. विशेष जानकारी के लिए संस्था के सचिव मणिकांत उपाध्याय से 8809219788 पर संपर्क कर सकते हैं.

पुलिस ने चलाया छापामारी अभियान

भवनाथपुर। पुलिस ने थाना क्षेत्र के बरवारी गांव में गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी कर देशी व विदेशी शराब बरामद की है. थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने मकरी पंचायत के बरवारी गांव में अभिलाश चंद्रवंशी के घर में छापामारी की. जहां से 14 आरसी का विदेशी क्वार्टर तथा 13 पीस देशी की बरामद की गई है. साथ ही महुआ शराब बनाने के लिए रखा जावा महुआ नष्ट किया. हालांकि छापामारी की भनक लगते ही अभिलाश चंद्रवंशी भागने में सफल रहा. अभिलाश के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है.

मैट्रिक बोर्ड के पांच टॉपर्स हुए पुरस्कृत

मझिआंव। ऊंचरी गांव स्थित आरके पब्लिक स्कूल में गुरुवार को कार्यक्रम आयोजित कर मैट्रिक बोर्ड 2024 के पांच विद्यालय टॉपरों को पुरस्कृत किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विद्यालय के निदेशक अलखनाथ पांडेय ने माता सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की. इस अवसर पर श्री पांडेय ने मैट्रिक बोर्ड परीक्षा 2024 के विद्यालय के पांच टॉपरों क्रमशः नव्या मिश्रा 89%, मुक्कदस अकमल 87.2%, रमाकांत ठाकुर 85.4 %, प्रीती दुबे 84 % एवं आयुषी प्रिया 83.4 % को पुरस्कृत किया.

बिष्णु मंदिर का वार्षिकोत्सव मनेगा और जय विजय की मूर्ति की कल होगी प्राण-प्रतिष्ठा

पहले वार्षिकोत्सव के पूर्व निकली भव्य कलशयात्रा

संवाददाता । विश्रामपुर

विश्रामपुर प्रखंड के तोलरा गांव स्थित बिष्णु मंदिर में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम को लेकर गुरुवार को कलशयात्रा निकाली गई जिसमें सैकड़ों महिलाओं और पुरुषों ने भाग लिया. जय श्री राम जय , श्री बिष्णु के उद्घघोष के साथ हाथ में कलश नारियल लिए भक्तगण गांव स्थित शोखा बाबा का आशीर्वाद लेकर कोयल व तहले नदी के संगम से जल भरकर बैदिक मंत्रोच्चारण से जल संकल्प कर बिष्णु मंदिर के गर्भगृह में रखा गया.

मुख्य यजमान तोलरा के युवा समाजसेवी बिपीन कुमार तिवारी ने सपत्नीक विधि विधान से पूजा कर बड़े कलश में जल भरकर लाए. बिष्णु मंदिर संचालन कमेटी के अध्यक्ष सच्चिदानंद तिवारी, संरक्षक बीरेन्द्र तिवारी, सचिव गोखुल तिवारी ने बताया वार्षिकोत्सव एवं जय विजय की प्रति मूर्ति 25 मई को स्थापित की जाएगी. तब तक मंदिर में पूजा-पाठ प्रतिदिन चलता रहेगा. कमेटी के लोगों ने बताया 25 मई को संध्या भंडारा एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है. मौके पर सुमंत तिवारी, संजय तिवारी, धनंजय तिवारी, रविन्द्र तिवारी, अरुण त्रिवेदी, कौशल तिवारी, कमल तिवारी, सिद्धनाथ तिवारी ,अगस्त तिवारी, मुकेश ,तिवारी राजेश तिवारी, आलोक तिवारी, उपेन्द्र तिवारी सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे.

जलमीनार योजना में भ्रष्टाचार का मामला हुआ उजागर

कोणमंडरा के ग्रामीण चुआंड़ी का पानी पीने को विवश हैं

संवाददाता । भवनाथपुर

ग्रामीण क्षेत्रों के घरो में शुद्ध पेयजल के लिए पीएचडी के तहत लगाये जाने वाली जलमीनार योजना में भारी भ्रष्टाचार का मामला उजागर हुआ है. मामला कैलान पंचायत अंतर्गत कोणमंडरा गांव के मुरार तथा अधेलिया टोला का है. यहां विभाग के सरकारी दस्तावेज में लाखों रूपये खर्च कर ग्रामीणों के घरों में शुद्ध पेलजल उपलब्ध कराये जाने का दावा किया जा रहा है, परंतु इसके विपरीत यहां के ग्रामीण पानी की बूंद बूंद के लिए तरस रहे हैं. मुरार टोला में संवेदक पर बिना एक भी जलमीनार लगाये ही टोले के सभी घरों में नल का कनेक्शन कर सरकारी राशि का गबन करने का आरोप है. जलमीनार योजना में बरते गए भ्रष्टाचार का आलम यह है, इस भीषण गर्मी में मुरार टोला के ग्रामीण पानी की बूंद बूंद के लिए तरस रहे है.

20 घरों में ढ़ाई सौ आबादी : उक्त टोला के ग्रामीण गीता कुमारी, लालमुनी सिंह, जयराम राम, अजय सिंह, लालती देवी, कमोदा देवी, रामकिशुन राम, बिनोद सिंह, देवंती देवी, ललिता देवी ने बताया कि यहां 20 घर हैं, जिसमें ढ़ाई सौ आबादी निवास करते हैं. विगत डेढ़ वर्ष पूर्व सभी घरों में सिर्फ नल लगाकर छोड़ दिया गया है. जबकि पेयजलापूर्ति के लिए लगाये जाने वाली सोलर जलमीनार लगा ही नहीं है. इस भीषण गर्मी में ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए दर दर भटकना पड़ रहा है. अगर किसी के घर में शादी विवाह होता है, तो उस घर के लोग भाड़े पर टैंकर से पानी मंगाकर किसी तरह कार्य करते हैं. अधेलिया टोला के सुनीता देवी, रुदा देवी, उषा देवी, अमेरिका उरांव, चंद्रिका उरांव, विनीता कुमारी, अनीता देवी, कौशल्या देवी, आशा देवी, जमुनी देवी, चांदनी कुमारी आदि ने बताया कि यहां 25 घर है, जहां दो सौ ग्रामीण निवास करते हैं. संवेदक द्वारा बोरिंग तो कराई गई है, लेकिन उसमें पानी निकला ही नहीं. संवेदक द्वारा उसी पानी विहीन बोर में जलमीनार लगाये जाने का ग्रामीणों द्वारा विरोध किया गया तो संवेदक ने आश्वासन दिया था कि फिर से बोर कराई जायेगी, परंतु आज तक बोर कराकर हर घर में पानी नही पंहुचाया जा सका है.

इस गर्मी में चुआंड़ी का पानी भी सूखने लगा है

ग्रामीणों ने बताया कि संवेदक द्वारा लगाये गए जलमीनार से पानी निकलता ही नहीं है. घरेलु कार्यो के लिए आधा किमी दूर चापाकल से पानी ढोकर लाते है, तो काम चलता है. बताया कि ज्यादातर ग्रामीण पहाड़ के समीप वर्षो पूर्व बनाये गए चुआंड़ी से पानी लाकर अपना काम चलाते है, लेकिन इस गर्मी में चुआंड़ी का पानी भी सूखने लगा है, जिससे ग्रामीणों के साथ साथ मवेशियों को भी पानी के लिए भटकना पड़ रहा है.

जलमीनार बंद , दूषित पानी पीने को विवश ग्रामीण

रमना। सिलीदाग पंचायत पूरे प्रखंड में पर्याप्त जल उपलब्धता के लिए जाना जाता है, लेकिन गिरते जल स्तर से जन-जीवन अस्त व्यस्त होने लगा है. सरकारी योजनाओं और पंचायती योजना दोनों ही जल संरक्षण और जल उपलब्धता पर लाखों-करोड़ों खर्च कर रही है. लेकिन सब केवल कागजों तक ही सिमट कर रह गई है. हकीकत कुछ और ही है. सिलीदाग पंचायत के विद्यालय टोला में लगा सोलर जलमीनार गत वर्षो से खराब है. इसकी शिकायत उक्त टोला के ग्रामीणों ने मुखिया से की, लेकिन अभी तक कोई भी कारगर पहल नहीं हुई. यह जलमीनार से कुछ घरों को छोड़ कर लगभग 40-50 घर के परिवार पानी पीने को विवश है. ग्रामीण रजमातिया कुंवर ने कहा कि हमनी एक वर्ष से पानी बीना परेशान हिया. पिए और नहाय धोवाय में बड़ी तकलीफ बा. उमेश कुमार ने कहा कि यह जलमीनार गत एक वर्ष से खराब है, जिसकी सूचना हमलोगों ने मुखिया को दी. एक बार नल मिस्त्री आया और इसका स्टार्टर खराब होने की बात बतायी. जिसको खोल कर मुखिया जी के पास रखने की बात कही. लेकिन जल मीनार ठीक नहीं हुई.

अवैध बालू उठाव मामले में तीन ट्रैक्टर जब्त किए गए

सेन्हा-लोहरदगा । अवैध बालू उठाव तथा परिवहन मामला में प्रशिक्षु एसपी सह थाना प्रभारी वेदांत शंकर के नेतृत्व में छापेमारी की गई. जिसमें कोयल नदी तट से तीन ट्रैक्टर जब्त किए गए हैं. बताया गया कि खनन अधिनियम के तहत इनपर कार्रवाई होगी. मामला लोहरदगा जिला के सेन्हा थाना क्षेत्र कोयल नदी मेढ़ो बालू घाट की है. बताया गया कि बालू के परिवहन करने की गुप्त सूचना प्रशिक्षु एसपी सह सेन्हा थाना प्रभारी वेदांत शंक को मिली. गुप्त सूचना पर कर्रवाई करते हुए तीन ट्रैक्टरों को मेढ़ो कोयल नदी से जब्त कर सुरक्षित थाना परिसर में रखा गया है. बताया जाता है कि मेढ़ो कोयल नदी से बालू माफिया द्वारा बालू का खनन कर परिवहन किया जा रहा था. क्षेत्र में अवैध बालू खनन व परिवहन मामले में लगतार पुलिस व सम्बंधित विभाग द्वारा कार्रवाई किए जाने के बावजूद बालू खनन व परिवहन रुकने का नाम नहीं ले रहा है.

मां चतुर्भुजी मंदिर में भंडारे का आयोजन

केतार। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मां चतुर्भुजी मंदिर केतार में भंडारा का आयोजन किया गया. मंदिर विकास समिति ने बताया कि यह कार्यक्रम गढ़वा एसपी दीपक कुमार पांडेय के सहयोग से हुआ है. मौके पर मौजूद पूजा कमेटी के सदस्यों ने कहा कि एक सप्ताह पूर्व गढ़वा एसपी मां चतुर्भुजी का दर्शन करने पहुंचे थे, जिसमें उनके द्वारा भंडारा का आयोजन करने की बात कही गई थी. उनके सहयोग से आज भंडारा का विशेष आयोजन कराया गया. भंडारा में कई गांव से आए हुए श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया. वहीं मंदिर कमेटी की ओर से भी एसपी को शुभकामनाएं दी गई. मौके पर अध्यक्ष प्रमोद प्रसाद, सचिव हेमंत कुमार पाठक, कोषाध्यक्ष बिनोद भगत, उपमुखिया संजय पाल आदि मौजूद थे

लातेहार में बाल विवाह रोकने के लिए बनाया गया रोड मैप

संवाददाता ।लातेहार

जिले में बाल विवाह जैसे कुप्रथा को रोकने के लिए नया रोड मैप बनाया गया है. इसको लेकर दो दिन पूर्व दिल्ली में आयोजित कार्यशाला में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान में जुड़े देश के 22 राज्यों के स्वयं सेवी संस्थाओं ने वर्ष 2024-25 के लिए रोड मैप पर चर्चा की गयी है. जिसमें लातेहार जिला से वैदिक सोसाइटी के सचिव चंद्रशेखर सिंह भी शामिल हुए थे. कार्यशाला से लौट कर वैदिक सोसाइटी के सचिव सिंह ने उक्त जानकारी दी है.

उन्होंने बताया कि जिले में बाल विवाह की जड़े काफी मजबूत है जिस पर रोक लगाने के लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत है. उन्होंने बताया कि सबसे पहले बाल विवाह रोकने के लिए कानूनी हस्तक्षेप जरूरी है, जब तक लोगों में कानून का भय पैदा नहीं होगा तब तक ऐसे अपराध करने वालों के रवैया मे बदलाव नहीं होगा. उन्होंने बताया कि यह अभियान 2022 मे शुरू हुआ था. उन्होंने बताया कि मुख्य रूप से बाल विवाह पर फोकस किया जा रहा है. लेकिन बच्चों की ट्रैफिकिंग व बाल यौन शोषण जैसे बच्चो के सुरक्षा और संरक्षण पर भी अभियान काम कर रही है. उन्होंने बताया कि लातेहार जिले मे पंचायत के जन प्रतिनिधियों के साथ मिलकर काम करने की योजना बनायी गयी है. जमीन स्तर पर जन जागरूकता अभियान और कानूनी हस्तक्षेप से इसे प्रभाव शाली बनाने का कार्य किया जायेगा.

दिल्ली में आयोजित कार्यशाला में रोड मैप पर चर्चा की गई

बिजली चोरी के खिलाफ छापेमारी छह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

हुसैनाबाद (पलामू) ।

हुसैनाबाद थाना क्षेत्र में झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के अभियंताओं ने विशेष छापेमारी अ भिय न चलाया. छह लोगों को बिजली चोरी करते पाया गया. बिना बिजली कनेक्शन के बिजली का उपयोग करने वाले छह लोगों के खिलाफ हुसैनाबाद थाने में बिजली अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है. इन लोगों पर 2 लाख 26 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है. जिन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है, उनमें मुखदेव मिस्त्री, सोनू कुमार, संजय कुमार गुप्ता, संजू कुमार चंद्रवंशी, उपेंद्र प्रजापति व श्यामलाल प्रजापति शामिल हैं. सभी हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के निवासी हैं. इस आशय की जानकारी कनीय अभियंता प्रदीप कुमार सिंह ने दी.

- 2 लाख 26 हजार रुपए का लगाया जुर्माना पांच हजार रुपए से अधिक बकाएदारों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी

बिजली चोरी के खिलाफ छापेमारी जारी रहेगी

अभियान में कनीय अभियंता प्रदीप कुमार सिंह के अलावा सहायक अभियंता राम प्रसाद महतो, मानव दिवसकर्मी जितेंद्र ठाकुर, ओबैद अहमद, मनीष कुमार मेहता, सतेंद्र सिंह शामिल थे. प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि जेबीवीएनएल के आदेश पर आगे भी छापेमारी का कार्य जारी रहेगा. पांच हजार से अधिक बकाएदारों के खिलाफ भी कार्रवाई की जायेगी. उन्होंने वैध कनेक्शन के बगैर बिजली का उपयोग करने वाले लोगों को चेतावनी देते हुए कहा है कि किसी भी कार्य दिवस में विद्युत कार्यालय जपला में कनेक्शन के लिए आवेदन कर सकते हैं. उन्होंने कहा कि ऑनलाइन आवेदन की भी सुविधा है. प्रज्ञा केंद्र या किसी ऑनलाइन सेंटर से आवेदन किया जा सकता है. उन्होंने कहा कि सभी कनेक्शन धारियों को घर या दुकान के बाहर मीटर लगाना अनिवार्य कर दिया गया. मीटर नहीं लगवाने व पांच हजार से अधिक बकाया रखने वाले उपभोक्ताओं पर कार्रवाई की जायेगी.

न्यूज अपडेट

शिवनारायण सिंह की पुण्यतिथि मनाई गई

पाटन (पलामू) । सगुना मोड़ के पास ग्राम टंडवा निवासी स्वर्गीय शिवनारायण सिंहकी 33वीं पुण्यतिथि मनाई गई. जिसमें काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित हुए.लोगों ने शिवनारायण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया . कार्यक्रम में सुगना के पूर्व मुखिया अखिलेश पांडे , सातौवा पंचायत मुखिया अखिलेश पासवान, उप मुखिया विवेक सिंह, सगुना पंचायत के पंचायत समिति मुस्तकीम अंसारी , कृष्णा पांडे ,काशी सिंह, नॉलेज सिंह, वशिष्ठ नारायण सिंह, चंद्रदेव सिंह, श्यामदेव सिंह , झूलन प्रजापति ,अयोध्या सिंह ,मल्हन मियां आदि उपस्थित हुए.

कामगारपुर के मशहूर डॉक्टर मुन्ना सिंह का निधन

हुसैनाबाद (पलामू) । हुसैनाबाद प्रखंड के कामगारपुर निवासी व मलेरिया के मशहूर डॉक्टर मुनेश्वर प्रसाद सिंह उर्फ मुन्ना सिंह की हृदय गति रुकने से निधन हो गया. उनका अंतिम संस्कार देवरी सोन नदी शांति घाट पर किया गया. उनके निधन पर ग्रामीणों में शोक की लहर है. उन्होंने गरीब तपके के लोगों को काफी मदद की. वे सरल स्वभाव के धनी व्यक्तित्व होने के साथ साथ मृदुभाषी भी थे. शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में हुसैनाबाद हरिहरगंज विधानसभा के विधायक कमलेश कुमार सिंह, जिला परिषद उपाध्यक्ष अलोक कुमार सिंह उर्फ टूटू सिंह, पूर्व विधायक संजय कुमार सिंह यादव, पूर्व विधायक कुशवाहा शिवपूजन मेहता,प्रमुख राजकुमारी देवी, सिंह के निधन पर शोक व्यक्त की है.

श्री श्री आनंदमूर्ति जी का 103 वां जन्मोत्सव मना

मेदिनीनगर। आनंद मार्ग जागृति नई मुहल्ला में आनंद मार्ग के संस्थापक श्रीश्री आनंदमूर्ति जी का 103 वा जन्मदिन आनंद पूर्णिमा उत्सव गुरुवार को धूमधाम से मनाया गया. वरिष्ठ आनंदमार्गी बैजनाथजी ने बताया कि आनंदमार्ग के संस्थापक प्रभात रंजन सरकार का जन्म 1921 की बुद्ध पूर्णिमा के दिन जमांलपुर बिहार में हुआ था. उन्होंने मनुष्य को स्वस्थ रहने के लिए तांडव व कोशिकी तथा मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास के लिए साधना का मार्ग प्रशस्त करके आनंदमार्ग मिशन की स्थापना की.

प्रेरणा उत्सव के लिए चुनी गई पूजा भारती

मेदिनीनगर। नवोदय विद्यालय समिति के नेतृत्व में देश भर में प्रेरणा उत्सव के लिए आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा में ऑक्सफ़ोर्ड पब्लिक स्कूल की 12 वीं की छात्रा पूजा भारती अंतिम रूप से चुनी गई और वह पलामू जिले का नेतृत्व करेगी. बता दें कि सभी जिलों से एक छात्र-छात्रा का अंतिम रूप से चयन कर प्रेरणा स्कूल वडनगर गुजरात में प्रशिक्षण के लिए एक सप्ताह के लिए भेजा जाना है. ताकि देशभर में प्रेरणा उत्सव सफलता पूर्वक मनाया जा सके. प्रतियोगिता परीक्षा के लिए 22 अप्रैल को आयोजित की गई थी. विद्यालय के चेयरमैन डॉ. एसबीपी मेहता व विद्यालय के प्राचार्य डॉ. एके सिंह ने पूजा भारती की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामना दी है. उन्होंने कहा कि विद्यालय गुणवत्ता पूर्ण एवं संस्कारयुक्त शिक्षा अनुशासन एवं बच्चो के सर्वांगीण विकास के लिए कटिबद्ध है.

नित्य नई ऊंचाई को छू रहा है मेदिनीनगर: अरुणा

मेदिनीनगर । मेदिनीनगर इंजीनियरिंग कॉलेज के समीप लजीज खाने का प्रतिष्ठान "द टेस्टी गैलरी" का उद्घाटन शहर की प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने किया. इस अवसर पर प्रथम महापौर श्रीमती शंकर ने कहा कि हमारे शहर के युवा नित्य नई-नई प्रतिष्ठान खोल रहे हैं, जिससे शहर की कमियां तो दूर हो ही रही है. साथ ही साथ रोजगार के अवसर भी पैदा हो रहे हैं. उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि बच्चे अपनी जवाबदेही समझने लगे हैं और व्यवसाय के क्षेत्र में काफी आगे आ रहे हैं. प्रतिष्ठान के निर्देशक सुमित पाठक ने सभी अतिथियों का बुके देकर स्वागत किया.

आरएन हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर का उद्घाटन

हुसैनाबाद (पलामू) । हुसैनाबाद शहर के स्टेशन रोड में कृष्णा होटल के समीप आरएन हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर का गुरुवार को उद्घाटन किया गया. उद्घाटन हुसैनाबाद उतरी क्षेत्र के जिला परिषद सदस्य राजू मेहता,झामुमो नेता सह समाजसेवी वशिष्ठ कुमार सिंह उर्फ बबलू सिंह,हॉस्पिटल के संचालक डॉ दीपक कुमार आदि ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया. मौके पर जिप सदस्य राजू मेहता ने कहा कि आज के आधुनिक परिवेश में आम लोगों को सुलभ रूप से बेहतर चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराना सराहनीय कार्य है.उन्होंने कहा कि आकस्मिक इलाज, ऑपरेशन थियेटर सहित अन्य तरह की सुविधायुक्त इस अस्पताल के खुलने से क्षेत्र के लोगों को काफी लाभ होगा.

रंगदारी मांगने के दो आरोपी हुए गिरफ्तार, जेल

गुमला । सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी लक्ष्मण मुंडा से पांच लाख रुपये लेवी मांगने के आरोप में गुमला थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र के गिंडरा महुआटोली निवासी भूषण गोप और अनिल मुंडा को गिरफ्तार किया है. जानकारी के अनुसार ढिढ़ौली छापरटोली निवासी लक्ष्मण मुंडा की शिकायत पर गुमला थाने में मामला दर्ज किया गया है. शिकायत में लक्ष्मण मुंडा ने कहा है कि वह सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी है. चार मई और नौ मई को एसके मोबाइल पर अज्ञात नंबर से फोन आया और पांच लाख रुपये रंगदारी की मांग की गई. नहीं देने पर जान मारने की धमकी दी गई. लक्ष्मण मुंडा ने मामले की लिखित शिकायत गुमला थाना को दी. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अपराधियों को गिरफ्तार किया है. उनके पास से मोबाइल भी बरामद किया है.

विहंगम योग चैनपुर प्रखंड के महुगांवा में आयोजित विहंगम योग का विशेष सत्संग गोष्ठी

सदगुरु शरण में रहकर साधना करने से होता है कल्याण

संवाददाता । मेदिनीनगर

चैनपुर प्रखंड के महुगांवा में आयोजित विहंगम योग का विशेष सत्संग गोष्ठी एवं एकल कुंडीय हवन यज्ञ संपन्न हो गया. वैशाख पूर्णिमा एवं शादी के सालगिरह पर रामाशंकर चौरसिया द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सदगुरुदेव की पूजा-अर्चना के बाद हवन यज्ञ शुरू हुआ. आश्रम के विद्यार्थी प्रदीप कुमार ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन यज्ञ संपन्न कराया.

उन्होंने हवन यज्ञ की महिमा एवं इससे होने वाले लाभ के बारे में विस्तार से बताया. यजमान के रूप में रामाशंकर चौरसिया, पत्नी क्रांति देवी, देवंती देवी, पुत्र सिद्धार्थ चौरसिया सक्रिय थे. विशेष सत्संग गोष्ठी में प्रचारक जनेश्वर सिंह, प्रदीप कुमार सहित अन्य वक्ताओं ने विहंगम योग के सिद्धांत दर्शन, सदगुरु की महिमा सहित अन्य विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि विहंगम योग चेतन मार्ग है, इसके माध्यम से चेतन आत्मा एवं परमात्मा का साक्षात्कार होता है. की विधिवत साधना करने से ही मानव जीवन का कल्याण होता है. इसकी आध्यात्म पिपासुओं को चाहिए कि सदगुरु शरणागत होकर ब्रह्मविद्या विहंगम योग की विधिवत साधना, सत्संग एवं सदगुरु की सेवा श्रद्धा और भक्ति भाव से करें. भेदिक भजन एवं वैदिक मंत्रोच्चार से माहौल भक्तिमय हो गया था.

हवन के बाद आयोजित भंडारा में भक्तजनों ने महाप्रसाद ग्रहण किया. मौके पर दशरथ पासवान, मनोज ठाकुर, राजेश प्रसाद, रामेश्वर सिंह, देवराज शर्मा, रघुनाथ प्रसाद, सुदर्शन प्रसाद, बिरेंद्र सिंह, विजय गुप्ता, संगीता सिंह, कौशल्या देवी, उर्मिला देवी सहित बरांव,.पथरा, तलेया बभंडी, गरदा, लादी, करसो आदि गांव से विहंगम योग के अनुयायी एवं श्रद्धालु मौजूद थे.

विहंगम योग संत समाज की बैठक 26 को

मेदिनीनगर। सदगुरु सदाफल देव विहंगम योग संत समाज की पलामू जिलास्तरीय बैठक 26 मई को बैरिया स्थित बनारसी प्रसाद यादव के आवास पर होगी. उन्होंने बताया कि सुबह 10 बजे से आयोजित बैठक में आश्रम से प्रकाशित पत्रिका के सदस्यता अभियान व आश्रम सेवा कार्यों की समीक्षा की जाएगी. सभी प्रखंड सेवा प्रभारी बैठक में पत्रिका एवं अन्य तरह के सेवा प्रकल्प का रिपोर्ट अवश्य लाएंगे. बैठक में जिले के उपदेष्टा, प्रचारक, अक्षय कोष संग्रहकर्ता, जिला एवं प्रखंड स्तर के सेवा प्रभारी निश्चित रूप से भाग लेंगे.

केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट फेडरेशन की शोकसभा में दी गई श्रद्धांजलि

संवाददाता । मेदिनीनगर

केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट फेडरेशन की महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को विद्या मेडिकल हॉल में हुई. बैठक की अध्यक्षता रमेश शुक्ला व संचालन अमिताभ मिश्रा ने किया.

बैठक में सर्वप्रथम मेदिनीनगर के प्रसिद्ध दवा व्यवसायी कुमार मेडिकल एजेंसी के संचालक स्व.सुनील कुमार एवं राज मेडिकल स्टोर के मालिक स्व. विजय पाल के अलावा आरोग्य फार्मेसी के संचालक वेंकटेशजी के छोटे बेटे की बीते रात हुए सड़क दुर्घटना में मौत पर दो मिनट का मौन रखकर शोक व्यक्त किया गया. इसके बाद सभी सदस्यों ने संगठन विस्तार पर चर्चा में आवश्यक सुझाव भी दिए. कहा गया कि प्राप्त सुझाव पर संगठन बहुत जल्द निर्णय लेगा.

औषधि प्रशासन के विरुद्ध एक जुट होकर विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया

सदस्यों ने कहा कि पलामू जिला औषधि प्रशासन अपने मनमानी एवं अलग अलग तरीके से केमिस्टों का भयादोहन कर रहा है. जिस पर लगाम लगाने की सख्त आवश्यकता है. क्योंकि क्षेत्र भ्रमण के दौरान केमिस्टों से लगातार भिन्न भिन्न तरह की शिकायतें सुनने को मिल रही है.

इस पर संगठन इनके कार्य कलापों से क्षुब्ध हो कर औषधि प्रशासन के विरुद्ध एक जुट होकर विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया. धन्यवाद ज्ञापन संघ के पूर्व अध्यक्ष संजय कुमार पप्पू ने किया. बैठक में संघ के सम्मानित संरक्षक मृतुन्जय शर्मा, सतीश तिवारी, पुरुषोत्तम अग्रवाल, जितेंद्र कुमार, विपुल भूषण, रामाकांत पाण्डे, संतोष गुप्ता, संजय कुमार पाप्पू,नवल किशोर शाही आदि उपस्थित थे.

प्रचार थमा, 25 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला कल

1887 बूथों के लिए शुक्रवार को रवाना होंगी पोलिंग पार्टियां

जमशेदपुर । लोकसभा के छठे चरण का मतदान 25 मई को होना है. इस दिन जमशेदपुर संसदीय सीट पर भी मतदान होना है. इसके मद्देनजर गुरुवार की शाम 5 बजे चुनाव प्रचार थम गया. इसके साथ ही मतदान दिवस को शाम 5 बजे तक ड्राई डे रहेगा. चुनाव प्रचार का अंतिम दिन होने के कारण भाजपा, इंडी गठबंधन समेत अन्य दलों व निर्दलीय प्रत्याशियों ने मतदाताओं को रिझाने का भरसक प्रयास किया.

भाजपा प्रत्याशी विद्युत वरण महतो के पक्ष में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रोड शो किया. भाजपा के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले ने भी ब्राह्मण टोला, भुइयांडीह, बर्मामाइंस, कैरेज कॉलोनी, हरिजन बस्ती, शिव सिंह बागान, एग्रीको, कल्याण नगर, नीति बाग कॉलोनी एवं सीतारामडेरा में जोरदार जनसंपर्क अभियान चलाया. जमशेदपुर लोकसभा सीट के 1887 बूथों के लिए सात हजार से ज्यादा पोलिंग पार्टियां शुक्रवार को अपने-अपने बूथों के लिए रवाना हो जाएगी. गुरुवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल ने यह जानकारी दी. अनन्य मित्तल ने बताया कि आचार संहिता के दौरान कुल 23 मामलों में 64 लाख रुपये जब्त किए गए जिसमें से 19 मामलों को निष्पादित करते हुए जब्त रुपयों को वापस कर दिया गया वहीं 4 मामलों में चार लाख रुपये अब भी जब्त है. इसके अलावा गुरुवार शाम 5 बजे के बाद किसी तरह का प्रचार प्रसार नहीं किया जाएगा. चुनाव के दौरान सुरक्षा को लेकर एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि सुरक्षा को लेकर लोकसभा क्षेत्र में कड़े इंतजाम किए गए है.

पूर्व सीएम जेल में हो इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या होगा : साय

जमशेदपुर । जिस राज्य का मुख्यमंत्री रहा नेता भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में हो, उस राज्य के लिए इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या होगा. यहां एक मंत्री भी ईडी की गिरफ्त में हैं. उनके नौकर के यहां से करोड़ों रुपये बरामद हुए हैं. यह सब राज्य के लिए चिंतनीय विषय है. यह बात छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कही. वह यहां जिला भाजपा की ओर से आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि राज्य में जब डबल इंजन की सरकार नहीं होने के कारण यहां के लोगों को केंद्र की सभी योजनाओं का समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है.

इंडी गठबंधन की सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है. एक बार फिर नक्सलवाद पनपने लगा है. वहीं राजनैतिक अस्थिरता की वजह से राज्य का विकास अवरुद्ध है. विष्णुदेव साय ने कहा कि झारखंड समेत पूरे देश में भाजपा व नरेंद्र मोदी के पक्ष में लहर है. एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि आदिवासी भी महादेव व पार्वती के उपासक होते हैं. वह भी आदिवासी समुदाय से ही हैं. आदिवासी से बड़ा हिंदू कोई नहीं होता. संवाददाता सम्मेलन में भाजपा के जिलाधयक्ष सुधांशु ओझा, नंदजी प्रसाद, अनिल मोदी, प्रेम झा समेत अन्य उपस्थित थे. संवाददाता सम्मेलन के बाद छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गुरुवार को जमशेदपुर में भाजपा प्रत्याशी विद्युत वरण महतो के पक्ष में आयोजित रोड शो में शामिल हुए. रोड शो बोधी मंदिर मैदान से आरंभ हुआ. यह जुबिली पार्क गोलचक्कर, भाजपा जिला कार्यालय, होते हुए साकची गोलचक्कर से होते हुए एग्रिको स्थित ट्रांसपोर्ट मैदान पहुंच कर संपन्न हुआ.

चुनाव प्रचार के अंतिम दिन प्रत्याशियों ने झोंकी ताकत

घाटशिला । चुनाव प्रचार के अंतिम दिन गुरुवार को लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न प्रत्याशियों ने चुनाव प्रचार में पुरी ताकत झोंकी दी. गुरुवार की संध्या 5 बजे चुनाव प्रचार समाप्त हुआ. झामुमो के स्टार प्रचारक ने चुनावी सभा को संबोधित किया तो वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी के नेत्री देवयानी मुर्मू ने दामपाड़ा मंडल के भाजपाईयों ने मंडल अध्यक्ष मुकेश भकत के नेतृत्व मे बाइक रैली निकाली. इस मौके पर मुख्य रूप से जिला परिषद सदस्य सह भाजपा नेत्री देवयानी मुर्मू व सुभाष सिंह उपस्थित थे. रैली हुल्लूंग चौक से निकलकर दामपाड़ा के विभिन्न गांव का भ्रमण करती हुई कालचीति मे समाप्त हुई. इस मौके पर उमापद मानकी, दिलीप महतो, बिभूति मंडल, दीपक कर्मकार, दिलीप मुर्मू, जितेन महतो, हरिपद भकत, शंकर सीट, दुर्गा दंडपाट, भरत भकत, भूदेव भकत, वासुदेव महतो,विष्णु गोप,निर्मल नामाता, सौरव हांसदा, चाचा मंडल, राजकुमार पातर समेत अनेक भाजपाई उपस्थित थे.

इस बीच जमशेदपुर संसदीय सीट से निर्दलीय प्रत्याशी सौरव विष्णु ने दावा किया कि सांसद व भाजपा प्रत्याशी विद्युत वरण महतो और इंडी गठबंधन के प्रत्याशी समीर महंती को जनता नहीं चाहती है. ये दोनों बड़ी पार्टियों के नाम पर पोस्टर की तरह चिपकाये जा रहे हैं. कही. वह गुरुवार को बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे. आगामी 25 मई को अपने पक्ष में मतदान करने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने करीब 200 किलोमीटर पैदल यात्रा की है. इस क्रम में करीब तीन लाख लोगों से मिले हैं.

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को सुबह से ही डटे रहने का दिया निर्देश

जमशेदपुर । पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी की जिला स्तरीय तैयारी समिति की बैठक गुरुवार को जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे के अध्यक्षता में बिष्टुपुर स्थित कांग्रेस कार्यालय तिलक पुस्तकालय में हुई. बैठक में जमशेदपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी समीर मोहंती की जीत सुनिश्चित पर विचार-विमर्श किया गया. साथ ही श्री मोहंती को हर हाल में जीत दिलाने का प्रस्ताव पारित किया गया. जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने बैठक में उपस्थित जिला पदाधिकारी, प्रखंड अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, पंचायत अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों से आग्रह करने के साथ ही आसन्न लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनने के उद्देश्य से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी समीर मोहंती की जीत हर हाल में सुनिश्चित करने की बात कही. उन्होंने कहा कि यह कार्य तन मन धन लगा कर करें.

उन्होंने सभी पार्टी नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को मतदान के दिन बूथ पर सुबह छह बजे से संध्या छह बजे तक डटे रहने को कहा. साथ ही कहा कि विपक्षी दल के लोग यदि वोगस वोट डालने का का प्रयास करते हैं, तो इसका प्रतिकार करें तथा चुनाव अधिकारी को अविलंब सूचना दें. बैठक का संचालन उपाध्यक्ष संजय सिंह आजाद ने किया. बैठक में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव राकेश तिवारी, केके शुक्ला, सामंता कुमार, बृजेंद्र तिवारी, रियाजुद्दीन खान, भारत यात्री अमरजीत नाथ मिश्रा, राज किशोर यादव, संजय सिंह आजाद, सफी अहमद खान, पवन कुमार बबलू, बिजेंद्र पाण्डेय, गुरदीप सिंह, तनवीर खान, राजेश चौधरी समेत अन्य उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

महिला की दुकान से पांच हजार रुपये की चोरी

नोवामुंडी । गुवा शक्तिनगर की रहने वाली बिमला तिरिया की फॉर्च्यून दुकान से अज्ञात चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर अंदर रखे गुल्लक से करीब 5 हजार रुपए की चोरी कर ली. घटना के संबंध में विमला तिरिया ने बताया कि वह अपने घर के सामने बने दुकान में ताला बंद कर रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में तीन दिन से गई हुई थी. आने पर देखा कि दुकान का ताला टूटा हुआ है. जांच करने पर दुकान के अंदर रखे गुल्लक से 5 हजार रुपए गायब मिले. इसकी लिखित शिकायत गुवा थाना में की. पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है.

जेम्को मैदान में पोल गाड़ने का विरोध

जमशेदपुर । टेल्को थाना क्षेत्र के जेम्को मैदान के बगल में गुरुद्वारा के गेट के सामने गुरुवार को जेवीवीएनएल की टीम पोल गाड़ने पहुंची था. इसका बस्ती वासियों ने विरोध किया और काम बंद करा दिया. बस्ती वासियों का कहना है कि इसमें बहुत सारे सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ सुबह-शाम बस्ती वासी वॉक भी करते हैं. बच्चे इस मैदान में खेलते हैं. अगर मैदान को कंपनी प्रबंधन अपने अंदर ले लेगा तो छोटे बच्चे खेलने के लिए कहां जायेंगे. जेम्को गुरुद्वारा के प्रधान जोरावर सिंह ने कहा कि खेल का मैदान को घेरना पूरी तरह से गलत है.

जीईएल चर्च में वार्षिक युवा संघ सम्मेलन

चक्रधरपुर । जीईएल चर्च प्रांगण में गुरुवार को दक्षिण पूर्व डायोसिस का 39वां वार्षिक युवासंघ सम्मेलन का आयोजन किया गया. इस मौक पर झारखंड के अलावे पश्चिमी बंगाल व अन्य राज्य के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में मसीही समाज के युवाओं का जुटा हुआ. सम्मेलन का शुभारंभ चक्रधरपुर जीईएल चर्च के पादरी सीके मरांडी ने किया. इसमें मुख्य वक्ता के रुप में पहुंचे विशप रेभरन एम केरकेट्टा, पादरी ओबेद सोरेंग, पादरी सीके मरांडी, पादरी पीएस चांपिया ने सामाजिक, धार्मिक, नैतिक जीवन की सुरक्षा के बारे में जागरुक किया.

पंडित रघुनाथ मुर्मू की 119वीं जयंती मनाई गई

बहरागोड़ा । गुरुवार को बहरागोड़ा प्रखंड अंतर्गत भूतिया क्लब भवन में ओलचिकी लिपि के आविष्कारक पंडित रघुनाथ मुर्मू की 119 वीं जन्म जयंती मनाई गई. वहीं बाहरागोड़ा प्रखंड मे टाटा स्टील फाउंडेशन और गुरु गोमके पंडित राघुनाथ मुर्मू अकादमी दिशोम जाहेर गाड़ करणडीह द्वारा संचालित ओल चिकि इतुन आषड़ा द्वारा प्रावि फूलकुषमा, प्रावि मुराकाटी माटियाल, प्रावि केंदुवा महाकुड़िया, माझी ओड़ाग जाराबनी ने एक साथ संयुक्त रूप से भूतिया क्लब भवन आयोजित किया गया.

वीमेंस यूनिवर्सिटी के इग्नू सेंटर में कार्यशाला

जमशेदपुर । जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी के इग्नू स्टडी सेंटर में बीएड प्रोग्राम की कार्यशाला के तीसरे दिन गुरुवार को प्रार्थना सभा के साथ प्रथम सत्र की शुरुआत हुई. इसमें केंद्र समन्वयक डॉ त्रिपुरा झा ने आज होने वाले चारों सत्र का विषय प्रवेश कराते हुए उन्हें पाठ योजना के 5ई मॉडल के महत्व एवं उपयोग में संक्षिप्त जानकारी दी. प्रथम सत्र की विशेषज्ञ कोल्हान विश्वविद्यालय की एमएड विभागाध्यक्ष डॉ सुचित्रा बेहरा ने पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से ''''5 ई प्रतिमान के उपागम'''' की विस्तृत से चर्चा की.

मां गंधेश्वरी की प्रतिमा स्थापित, पूजा-अर्चना

घाटशिला । घाटशिला गंधावनिक पूजा समिति की ओर से गुरुवार को भव्य पंडाल बनाकर मां गंधेश्वरी की प्रतिमा स्थापित कर सार्वजनिक पूजा अर्चना किया गया. पूजा प्रारंभ होने से पूर्व महिलाओं द्वारा स्वर्ण रेखा नदी से कलश लेकर पंडाल तक पहुंची पुजारी द्वारा लाया गया जल से घाट स्थापित किया. जिला परिषद सदस्य पिंटू दत्ता, मुखिया पार्वती मुर्मू, सत्यजीत कुंडू ने फीता काटकर पंडाल का उद्घाटन किया. पुजारी द्वारा वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ पूजा आरंभ किया. श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से पुष्पांजलि की.

सिदगोड़ा में मॉर्निंग वॉक पर निकली वृद्धा से चेन छिनतई

मुख्य संवाददाता। जमशेदपुर

सिदगोड़ा थाना क्षेत्र के एग्रिको में गुरुवार की सुबह अपराधी एक वृद्धा से चेन छिनतई कर भाग निकला. वहीं स्थानीय पुलिस चैन की बंशी बजाती रही. आश्चर्य है कि घटना के बाद सिदगोड़ा पुलिस और थाना प्रभारी को कई बार फोन किया गया. बावजूद पुलिस ने कोई रिस्पांस नहीं दिया. लिहाजा अपराधी आराम से घटना को अंजाम देकर भाग निकले. घटना गुरुवार की सुबह 6 बजे की बताई जाती है. जानकारी के अनुसार एग्रिको शिव सिंह बागान निवासी ब्यासदेव तिवारी की पत्नी (60) मॉर्निंग वाक कर घर लौट रही थी.

उसी दौरान एक अपराधी पैदल ही आया और उनके गले से सोने के चैन को छीन कर भाग गया. उसका साथी बाइक लेकर पहले से खड़ा था. घटना के तुरंत बाद सिदगोड़ा थाना प्रभारी और सिदगोड़ा थाना की पुलिस को फोन पर सूचना देने का प्रयास किया गया, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया. लोगों का कहना है कि यह स्थिति पुलिस की संवेदनहीनता को दर्शाती है. यह पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हुई है. दो एंगल में लगे कैमरे में अपराधी साफ तौर पर देखे जा सकते हैं. सीसीटीवी पूरे घटनाक्रम को देखकर अपराधियों की पहचान और कार्रवाई की जा सकती है.

पुलिस पर घर में घुसकर मारपीट की शिकायत

जमशेदपुर । परसुडीह थाना अंतर्गत किताडीह त्रिमुर्ती चौक निवासी लीलावती देवी ने पुलिस पर घर में घुसकर मारपीट करने और घर ने निकलने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए एसएसपी से लिखित शिकायत की है. गुरुवार को लीलावती परिवार संग एसएसपी कार्यालय पहुंची और शिकायत की. लीलावती ने बताया कि बुधवार की देर शाम पुलिस अन्य लोगों के साथ घर में घुसी और घर में लकड़ी का दरवाजा तोड़ दिया. विरोध करने पर बेटे, बहु और बच्चों के साथ मारपीट किया और महिलाओं के कपड़े फाड़ दिए जिससे उन्हें काफी चोट लगी. सभी ने सदर अस्पताल में इलाज कराया. परसुडीह थाना में शिकायत करने पर कोई कार्रवाई नहीं की गई. वहीं थाना प्रभारी ने धमकी दिया कि जिस घर में रह रहे हो उसे खाली कर दो. लीलावती ने बताया कि उक्त घर को साल 2006 में खरीदा था. घर के सारे कागजात मौजूद है. जिससे घर खरीदा था उसकी बहन से साथ उसका विवाद चल रहा है. इसी को लेकर अब उनका घर खाली कराने का दबाव दिया जा रहा है.

शराब दुकानें खुलीं तो लगेगा जुर्माना, जेल भी

जमशेदपुर । आगामी 25 मई को जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र में मतदान होना है. मतदान को देखते हुए गुरुवार शाम 5 बजे से 48 घंटे के लिए जिले की सभी शराब दुकानें बंद हो गईं. ये दुकानें 25 मई की शाम 5 बजे खुलेंगी. जिला निर्वाचन पदाधिकरी अनन्य मित्तल ने उत्पाद अधिनियम की धारा 26 में प्रदत्त शक्तियों के तहत जिले में इस अवधि में ड्राइ डे घोषित कर दिया है.

इस दौरान होटल, बार, क्लब, रेस्टोरेंट आदि में भी शराब बेचने, पीने-पिलाने, कहीं ले जाने और बांटने पर पूरी तरह रोक रहेगी. अगर कोई व्यक्ति नियमों का उल्लंघन करेगा तो उसे छह माह की जेल या दो हजार का जुर्माना या दोनों सजाएं हो सकती हैं.

आदित्यपुर में डिलीवरी ब्वॉय ग्राहक में झड़प, चार घायल

संवाददाता । आदित्यपुर

आदित्यपुर थाना क्षेत्र के दिंदली बस्ती में बुधवार की रात डिलीवरी ब्वॉयज तथा ग्राहक के बीच मारपीट की घटना घटी है जिसमें 4 लोग घायल हुए हैं. प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार को दिंदली बस्ती का रहनेवाला सुकांत मंडल नामक ग्राहक बीती रात फूड डिलिवरी कंपनी स्विगी से खाना ऑर्डर किया था. लेकिन स्विगी डिलिवरी ब्वॉयज के आने के पहले उसी पता पर जोमेटो का ऑर्डर लेकर एक युवक पहले पहुंच गया. डिलीवरी देख सुशांत मंडल जोमेटो का ऑर्डर रिसीव कर लिए. इसके बाद जोमेटो का ऑर्डर करनेवाले कदमा शास्त्रीनगर निवासी विजय बहादुर को मूल ऑर्डरकर्ता ने फोन किया की ऑर्डर नहीं मिला. इसके बाद डिलिवरी ब्वॉय विजय बहादुर ने सुशांत से अपना ऑर्डर वापस मांगा. ऑर्डर वापस लेने के बाद ग्राहक और डिलीवरी ब्वॉयज से कहा सुनी शुरू हो गई, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई. मारपीट में डिलिवरी ब्वॉय विजय बहादुर तथा उसका पुत्र राज तथा ग्राहक सुशांत मंडल तथा उसका भाई सुकांत मंडल घायल हो गया है. डिलीवरी ब्वॉय का दो फोन टूट गया है, ग्राहक का भी फोन टूट गया है. दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर जानलेवा हमला करने, गाली तथा मोबाइल तोड़ देने का आरोप लगाया है.

खेत में मिला वृद्ध का शव, जांच में जुटी पुलिस

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर थाना क्षेत्र के बोड़दरो गांव स्थित एक खेत में एक मानसिक रुप से बीमार वृद्ध व्यक्ति का शव मिला.शव की पहचान चक्रधरपुर थाना क्षेत्र के चैनपुर पंचायत स्थित बोड़दा गांव निवासी 65 वर्षीय कांडे गागराई के रुप में की गई. गुरुवार रात रुगड़ी व बोड़दरो गांव जाने वाले रास्ते किनारे खेत में कुछ ग्रामीणों ने एक वृद्ध व्यक्ति का शव देखा.इसके बाद ग्रामीणों ने शव की पहचान के लिए शव का फोटो मोबाईल पर खिंचकर कई व्हाट्सएप ग्रुप में भेज दिया. इसके बाद मृतक के पुत्र मधु गागराई व बुतरु गागराई ने शव की पहचान की. पुलिस ने शुक्रवार को शव खेत से बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल भेज दिया.

अमलगम के सुरक्षाकर्मियों ने ट्रक चालक की पिटाई की

संवाददाता । आदित्यपुर

गुरुवार की सुबह कांड्रा थाना में अमलगम स्टील कंपनी के सुरक्षाकर्मियों पर ट्रक चालकों ने बंधक बनाकर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया गया है. जबकि कंपनी प्रबंधन ने ट्रक चालक पर माल की हेराफेरी करने का आरोप लगाते हुए काउंटर मामला दर्ज कराया है.

बताया जाता है कि माल लेकर कंपनी पहुंचा ट्रक चालक रंजीत कुमार रावत की सुरक्षा कर्मियों ने पिटाई कर दी. साथ ही उसे कंट्रोल रूम में करीब 36 घंटे तक बंधक बनाकर रखने का आरोप भी लगाया गया है. घटना के बाद ट्रक चालकों ने कांड्रा थाना पहुंच थाना प्रभारी को जानकारी दी. जिसके बाद गार्ड इंचार्ज तारक नाथ तिवारी, मृत्युंजय व अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराते हुए दोषियों पर कार्रवाई करने की गुहार लगाई गई है. थाना प्रभारी अंजनी कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से एफआईआर दर्ज कराई गई है.

आदित्यपुर में नशेड़ी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली

जमशेदपुर । सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर आरआईटी थाना अंतर्गत कुलुपटांगा बस्ती निवासी 30 वर्षीय डिब्रू बोदरा उर्फ रंजीत बोदरा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. गुरुवार सुबह रंजीत का शव घर पर फंदे से लटका पाया गया. परिजन ने उसे तत्काल फंदे से उतारा और एमजीएम अस्पताल लेकर पहुंचे जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया. परिजनों ने बताया कि रंजीत कुछ काम नहीं करता था और नशे का आदि था. वह कुछ दिनों ने डिप्रेशन में रहता था. गुरुवार सुबह घर वालों ने देखा की उसने ओढ़नी के सहारे फांसी लगा ली है. उसे फंदे से उतारा को उसकी सांसे चल रही थी.

वाईबासा में जमीन कब्जा मामले में उपायुक्त व एसपी को नोटिस

संवाददाता । चाईबासा

कोल्हान भूमि बचाओ समिति के उपाध्यक्ष डीबर देवगम की जमीन पर कथित कब्जे के मामले में राष्ट्रीय अनुसुचित जनजाति आयोग ने फिर गंभीरता दिखायी है. आयोग ने एक बार फिर पश्चिमी सिंहभूम के ऊपायुक्त तथा पुलिस अधीक्षक को डीबर देवगम द्वारा प्रेषित रिज्वाइंडर पर कार्रवाई का निर्देश दिया है. मालूम हो कि इसके पहले भी डीबर देवगम की शिकायत पर आयोग ने कार्रवाई की थी.

उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक को डीबर देवगम जमीन कब्जे मामले में की गयी कार्रवाई की जांचकर उसकी रिपोर्ट देने का निर्देश दिया था. आयोग ने फिर इस बार भी नोटिस भेजकर डीबर देवगम के रिज्वाइंडर पर आवश्यक कार्रवाई किये जाने का आदेश दिया है, नोटिस की एक कॉपी डीबर देवगम को भी दी गयी है. उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले नोटिस की कॉपी दी गयी है.

उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक को जारी नोटिस में आयोग ने कहा कि भूमि के जाली दस्तावेज बनवाकर गैर आदिवासी बनवारी लाल नेवटिया द्वारा भूमि पर अवैध कब्जे मामले में अभ्यावेदक डीबर देवगम के रिज्वाइंडर पर कार्रवाई की जाये. आयोग ने कहा है कि इस मामले में उपायुक्त तथा पुलिस अधीक्षक के उत्तर की छायाप्रति सूचनार्थ भेजी गयी थी. जिससे असंतुष्ट होकर डीबर ने 20 फरवरी 2024 को आयोग को रिज्वाइंडर भेजा था.

अतः रिज्वाइंडर में उठाये गये बिंदुओं पर आवश्यक कार्रवाई की जाये. इसके बाद इसकी तथ्यात्मक रिपोर्ट 15 दिनों के अंदर आयोग को भेज दिया ताकि अग्रिम कार्रवाई हेतु मामले को आयोग के समक्ष रखा जा सके.

खास बातें

- राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग हुआ गंभीर
- डीबर देवगम के रिज्वाइंडर पर कार्रवाई का आदेश

न्यूज अपडेट

शारदा कंपनी में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के एन एच 18 किनारे मुड़ादेवता गांव अवस्थित शारदा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी परिसर में गुरुवार को कंपनी कर्मचारियों के लिए नाम्या स्माइल फाउंडेशन एवं ए एस जी नेत्र चिकित्सालय जमशेदपुर के संयुक्त रूप से मिलकर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया. इस अवसर पर बहरागोड़ा के पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी उपस्थित होकर उद्घाटन किया.वहीं कंपनी का जी एम स्वपन भौमिक ने बताया कि कंपनी में लगभग चार सौ कर्मचारी काम करते हैं. जिसमें प्रायः सभी कर्मचारियों का आंख तथा फुल बॉडी चेकअप किया गया.

आरडी रबर कंपनी के मजदूरों की हड़ताल जारी

आदित्यपुर । औद्योगिक क्षेत्र स्थित आरडी रबर रिक्लेम लिमिटेड कंपनी के बाहर बीते 20 मई से मुआवजा सहित 12 सूत्री मांगों को लेकर कामगार धरना पर बैठे हैं. जिनका आज 4 दिन बीत गया है लेकिन मजदूरों की सुधि लेने अब तक प्रबंधन के लोग नहीं आये हैं. ड़ताल पर बैठे मजदूरों की अब तबीयत भी बिगड़ने लगी है. तेज धूप एवं अत्यधिक गर्मी के कारण ऐसे हालात हुए हैं. आज तीन मजदूर नागेंद्र सिंह, शंभू खेलारी एवं छोटूराम महतो की तबीयत बिगड़ी है. लेकिन अभी तक कंपनी प्रबंधन की तरफ से कोई उनकी सुध लेने नहीं आए हैं.

सुपर किंग्स व माइनिंग पहुंचे सेमीफाइनल में

किरीबुरू । किरीबुरू क्रिकेट क्लब के तत्वाधान में आयोजित तीसरा टी-10 डे-नाइट लोकल नॉकआउट टेनिस क्रिकेट टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सुपर किंग्स ने आरडी शिवाजी क्लब को तथा माइनिंग ने स्काई किंग्स को पराजित कर सेमीफाईनल में स्थान सुनिश्चित किया. क्वार्टर फाईनल मुकाबले में सुपर किंग्स ने आरडी शिवाजी क्लब को 21 रनों से पराजित किया.पहले बल्लेबाजी करते हुये सुपर किंग्स ने 10 ओवर में 7 विकेट खोकर 88 रन बनाये. आरडी शिवाजी क्लब ने 8.5 ओवर में अपना सभी विकेट खोकर 67 रन हीं बना सकी.

बिजली की आंखमिचौली से उपभोक्ता परेशान

मझगांव । प्रखंड क्षेत्र में बिजली की आंख मिचौली से प्रखंड क्षेत्र के ग्रामीण परेशान है. क्षेत्र में हालात यह है कि 24 घंटे के जगह मात्र 11-12 घंटे ही बिजली मिल पा रही है. बुधवार को दोपहर से देर रात तक लगभग 8 से 9 घंटे बिजली गुल थी. क्षेत्र में बिजली नहीं रहने से लोग उमस भरी गर्मी में बेहाल हो रहे हैं. लोगों का जीना मुहाल हो गया है. विद्युत विभाग द्वारा रोजाना लोड सेटिंग के नाम पर देर रात को बिजली काट दी जा रही है. इससे क्षेत्र के उपभोक्ताओं में नाराजगी देखने को मिल रहा है. क्षेत्र के लोगों को कहना है कि एक तो उमस भरी गर्मी में खुद परेशान है ऊपर से बिजली विभाग बिना टाइमिंग का ही लाइन काट दे रही है.

बड़ा सवाल केंद्रीय अस्पताल के दिन बहुरेंगे या स्थानांतरित किया जाएगा झालदा

नए अस्पताल खुल नहीं रहे, पुराने को बंद करने का प्रयास

संवाददाता । किरीबुरू

भारतीय श्रम कल्याण एवं रोजगार मंत्रालय के महानिदेशक कमल किशोर सोन 23 मई की शाम लगभग 4 बजे बडाज़ामदा स्थित सेंट्रल अस्पताल पहुंच जर्जर अस्पताल का निरीक्षण किये. उन्होंने लागातार न्यूज से बातचीत में कहा कि आज ओड़िसा के जोडा. एवं झारखण्ड का बड़ाजामदा में स्थित सेंट्रल अस्पताल का निरीक्षण किये. यहां की व्यवस्था को देखना व आकलन करना था. सरकार का उद्देश्य है कि कैसे मजदूरों व आम गरीब जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सके.

उन्होंने कहा कि बड़ाजामदा अस्पताल की स्थिति अत्यंत दयनीय है. जोडा. अस्पताल में प्रतिदिन औसतन 40 मरीज ईलाज कराने आते हैं जबकि बड़ाजामदा अस्पताल में महीना में 40 आ रहे हैं जो चिंता का विषय है. बड़ाजामदा अस्पताल की स्थिति क्या सुधरेगी के सवाल पर उन्होंने कहा कि देश में और कई अस्पताल है, सभी को मिलाकर आगे कार्यवाही की जानी चाहिए कि कैसे इसे और व्यवस्थित कर स्वास्थ्य सुविधाओं को कैसे बेहतर किया जा सके.

देश में श्रमिकों के लिये कई और अस्पताल है, जिसका आंकलन लेने के बाद आगे की कार्यवाही की जायेगी. इस अस्पताल को बंद करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हमारी पहली प्राथमिकता लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा कैसे मिले है. उसी का आकलन किया जा रहा है.

उन्होंने स्पष्ट नहीं किया की यह अस्पताल बंद किया जायेगा अथवा नहीं स्थानीय जन प्रतिनिधियों ने

कमल किशोर सोन को संयुक्त मांग पत्र सौंप इस अस्पताल को बेहतर करने तथा यहां से नहीं हटाने की मांग की. ऐसी चर्चा है कि इस अस्पताल को यहाँ से हटाकर झाल्दा ले जाने की तैयारी है. इस पर उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि तमाम गरीब मरीजों को चिकित्सा की सुविधा मिले. उन्होंने स्पष्ट नहीं किया की यह अस्पताल बंद किया जायेगा अथवा नहीं.

उल्लेखनीय है कि पश्चिम सिंहभूम जिला अन्तर्गत बड़ाजामदा में स्थित इस अस्पताल में पिछले एक वर्ष के दौरान इलाज हेतु कुछ दिन पूर्व तक मात्र एक मरीज आया, वह भी दो बार. बाकी कोई मरीज इलाज के लिए नहीं आया. इस अस्पताल का उद्घाटन 17 सितंबर 1978 को पूर्व केंद्रीय राज्य श्रम मंत्री लारंग साई ने किया था. यहां सभी रोगों के दर्जनों विशेषज्ञ चिकित्सक, 50 से अधिक पारा मेडिकल स्टाफ, बेहतर एक्स-रे मशीन, पैथोलॉजी, एम्बुलेंस, ऑपरेशन थियेटर, दवा आदि की तमाम सुविधाएं थीं. बदलते समय अनुसार यहां सारी सुविधाएं धीरे-धीरे खत्म होती गईं.

आज आलम यह है कि इस अस्पताल में एक चिकित्सक डॉ बिनोद कुमार एवं एक नर्स अनीता किशोरिया एवं वेलफेयर अधिकारी उदय शंकर एवं कुछ निगरानी कर्मी ही हैं. बेड, एम्बुलेंस, एक्स-रे मशीन आदि लगभग पूरी तरह से जर्जर व खराब हो चुका है. यही कारण है कि कोई मरीज अपना इलाज कराने नहीं आता है.

सारंडा में एक भी बेहतर सरकारी अस्पताल नहीं है. कोई नया अस्पताल खुल नहीं रहा है, उल्टे पुराने को बंद करने का प्रयास तेज है. इस अस्पताल का जाना लौहांचल के लिये काला दिन साबित होगा. जरुरी है कि यहाँ संसाधन उपलब्ध करा मरीजों को सेवा प्रदान की जाये.

स्वास्थ्य सेवा

- केंद्रीय अधिकारी ने किया अस्पताल का निरीक्षण
- डॉक्टर मौजूद पर साधनों की कमी से नहीं आते मरीज

ब्रीफ खबरें

पिज्जा खाने से एक ही घर के नौ लोग बीमार

कोडरमा। थाना क्षेत्र के गांधी चौक के समीप स्थित एक जंगली रेस्टोरेंट में पिज़्ज़ा खाने के बाद बच्चे, बड़े व बुजुर्ग समेत नौ लोग फूड पॉइजनिंग के शिकार हो गए. तबीयत बिगड़ने पर सभी को सदर अस्पताल कोडरमा में भर्ती कराया गया. चिकित्सकों की निगरानी में सभी का इलाज चल रहा है. नगरखारा निवासी ममता देवी (62), लाबो कुमारी, रूपा देवी (24), कंचन देवी (25), नेहा देवी (26), राजू साव (25), काजल देवी (22), राजेश कुमार साव (25), राजवीर साव (5) ने रेस्टोरेंट में पिज्जा खाया था. इसके बाद उन्हें उल्टी और दस्त की शिकायत होने लगी. शुरुआत में घरेलू उपचार से दवा लेने के बाद भी जब कोई राहत नहीं मिली तब सभी को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया.

अवैध बालू परिवहन करते एक ट्रैक्टर धरा

चौपारण। प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में बालू तस्करी का खेल चल रहा है. तस्कर आम जनता से अवैध बालू की मोटी रकम वसूल रहे है. ये तस्कर ट्रैक्टर से कम लागत पर बालू का सौदा करते हैं और जरूरतमंदों को दोगुना दाम पर बेच देते हैं. यह खेल लगातार जारी है. सीओ सह बीडीओ संजय यादव गुरुवार को अचानक औचक निरीक्षण में निकले. कठम्बा में अवैध बालू परिवहन करते एक ट्रैक्टर को धर दबोचा. इस संबंध में यादव ने कहा कि अवैध बालू परिवहन की लगातार सूचना मिल रही थी. एक ट्रैक्टर कठम्बा मोड़ से पकड़ा गया है. ट्रैक्टर में नंबर नहीं है जिससे वाहन मालिक का पता नहीं चला है.

योग केंद्र में मनाई गई भगवान बुद्ध की जयंती

हजारीबाग। विभावि योग केंद्र में बुद्ध पूर्णिमा के उपलक्ष्य में बुद्ध जयंती मनाई गई. कार्यक्रम का संचालन शिक्षक अभिषेक कुमार सिंह ने किया. वक्ता के रूप में योग केंद्र के निदेशक डॉ अमित कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इतने वर्षों बाद भी बुद्ध के विचार आज के समाज में प्रासंगिक है. हमें गौतम बुद्ध के विचारों को अपनाने की जरूरत है. दर्शनशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर विजय कुजूर ने कहा कि जीवन की समस्याओं को बुद्ध के अष्टांगिक मार्ग से हम समझ सकते हैं. शिक्षक सत्य प्रकाश ने बौद्ध धर्म को मध्यम मार्ग बताया. शिक्षक विजय चौधरी ने भी गौतम बुद्ध के विचारों पर प्रकाश डाला. मौके पर सर्वेश्वर, श्रेया सिद्धि, सुनील, प्रवीण, पंकज, प्रीतीलता, पवन, प्रीति, पिंकी, कुसुमलता, सुषमा, रोहित, सुमन नीतीश, अर्पणा, अजीत कुमार आदि उपस्थित थे.

महायज्ञ को लेकर किया ध्वजारोहण

कटकमसांडी। प्रखंड के खुटरा पंचायत स्थित ग्राम सुलमी में 28 मई से प्रारंभ होने वाले पांच दिवसीय श्री श्री 1008 शतचंडी महायज्ञ एवं श्री दुर्गा एवं हनुमान वार्षिक महोत्सव को लेकर 23 मई को ग्रामीणों ने यज्ञाचार्य ईश्वर शास्त्री की देखरेख में उक्त मंदिर के समीप ध्वजारोहण किया. 28 मई से यज्ञ कलश यात्रा के साथ प्रारंभ होगा. ध्वजारोहण के पूर्व ग्रामीणों ने गांव का भ्रमण ढोल गाजे-बाजे के साथ किया. शोभायात्रा में बूढ़े, बच्चे, युवक, युवतियां व महिलाएं शामिल थीं. ग्रामीणों ने यज्ञ समाप्ति तक पूरे गांव में मांस-मदिरा का सेवन नहीं करने का संकल्प भी लिया. मौके पर यज्ञ समिति सुलमी के राहुल सिंह, बजरंग साव, श्रीकांत सिंह, प्रवेश सिंह, प्रताप सिंह, आयुष सिंह, राज सिंह द्वारिका राणा, छमु, मासूम कुमार ग्रामीण उपस्थित थे.

गांव से रोजगार की तलाश में हर दिन शहर आते हैं सैकड़ों मजदूर, इनमें कुछ को ही मिल पाता है काम

मनरेगा का काम मशीन से, मजदूर पलायन को मजबूर

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

गांव-गांव में मजदूरों को रोजगार मिले इसके लिए सरकार मनरेगा के माध्यम से लगभग 35 योजनाएं चला रही हैं. लेकिन इन योजनाओं का काम मशीनों से कराकर मजदूरों का हक मारा जा रहा है. वहीं मजदूर काम के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं. जिले में लगभग 16 प्रखंड हैं और सरकार मनरेगा के माध्यम से डोभा, टीसीबी, कूप निर्माण, दीदी बड़ीयोजना, खेल का मैदान, पार्किंग आदि योजनाएं सरकार ग्रामीण इलाकों में में चला रही हैं.

इन योजनाओं पर काम करने वाले मजदूरों को जॉब कार्ड भी दिया गया है, जिस पर इंश्योरेंस मजदूर का होता है. लेकिन इन्हें गांव में मजदूरी का काम नहीं मिलता, बल्कि 50-100 रुपये में ठेकेदार इनके जॉब कार्ड को किराए पर ले जाते हैं और मजदूर शहर की ओर पलायन करने के लिए मजबूर होते हैं. ऐसे में सुबह 8:00 बजे से शहर के झंडा चौक, कलु चौक, पंचमंदिर चौक सहित शहर के विभिन्न चौक-चौराहे पर मजदूरों की कतार लगी रहती है और कुछ मजदूरों को ही काम मिल पाता है. बाकी मजदूर निराश होकर वापस लौट जाते हैं.

कुछ को ही मिल पाता है काम, निराश होकर लौट जाते हैं बाकी मजदूर

कहां-कहां हो रहा है मशीन से काम

जिले के इचाक प्रखंड, केरेडारी, कटकमदाग, कटकमसांडी, चुरचु मैं मनरेगा के कई काम जेसीबी मशीन से करवाये जा रहे है. ताजा मामला केरेडारी स्थित पेट्रोल गांव का है. यहां मुखिया जी ने खुद अपनी जेसीबी मशीन रखी है और वह उससे मनरेगा का काम अपने क्षेत्र में करा रहे हैं. इसका वीडियो वायरल हुआ है.

> यह स्टेट लेवल का काम है. शिकायत मिलने पर कार्रवाई भी की जाती है. अब तक कई लोगों पर मशीन से काम करवाने के मामले में कार्रवाई की जा चुकी है.
> **डीडीसी प्रेरणा दीक्षित**

जॉब कार्ड है ठेकेदार के पास, मिलता है किराया

गुरुवार को कलु चौक के पास दो दर्जन मजदूर रोजगार के लिए खड़े थे. कटकमसांडी प्रखंड के पबरा, नावाडीह, लुपुग, कंसार नवादा गदोखर के अलावे कई गांव के मजदूरों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि गांव में मनरेगा की मजदूरी 272 रुपये इस महीने से मिल रही है. काम करना चाहते हैं पर ठेकेदार और लाभुक काम नहीं देते. वे मनरेगा के कई काम मशीन से करवाते हैं और योजना का काम एक दिन में ही पूरा हो जाता है. ऐसे में वे मजदूर नहीं रखना चाहते. इसमें उनकी मोटी कमाई होती है. वे मजदूर का जॉब कार्ड 150 रुपये में किराए पर ले लेते हैं. जब मजदूर के खाते में मजदूरी का पैसा आता है तो ठेकेदार को निकाल कर दे देते हैं. इसके बदले में वह इच्छा अनुसार मिठाई खाने के नाम पर कोई 100 रुपये तो कोई 50 रुपये देता है. मजदूरों ने यह भी बताया कि अगर मनरेगा योजना पर उच्च स्तरीय जांच हो तो कई मुखिया और अधिकारी सलाखों के पीछे होंगे, लेकिन इस खेल में नेता, मंत्री और अधिकारी भी शामिल हैं.

पेटो में मजदूरों की जगह जेसीबी से खोदे जा रहे कूप

संवाददाता। केरेडारी

ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मजदूरों का पलायन रोकने और गांव में ही रोजगार उपलब्ध कराने के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा मनरेगा योजना के तहत विकास योजनाएं संचालित की जा रही हैं, परंतु केरेडारी प्रखंड में संचालित मनरेगा योजना में गड़बड़झाला थमने का नाम नहीं ले रहा है. हर महीने बन रहे कुएं और डोभा में जेसीबी मशीन का इस्तेमाल बिचौलियों द्वारा किया जाता है. बुधवार रात्रि व बीते दिनों पेटो पंचायत में बिरसा सिंचाई योजना से कई कूप जेसीबी मशीन से बनाए गए हैं. एक रात में ही जेसीबी मशीन से पूरा कूप तैयार कर दिया जाता है और मुखिया, पंचायत सेवक, रोजगार सेवक एवं मेट की मिलीभगत से पूरी योजना की राशि मनरेगा में रजिस्टर्ड मजदूरों से डिमांड मार कर निकाल ली जाती है. सूत्रों के मुताबिक किसी माननीय द्वारा पेटो बुढ़िया माता सड़क स्थित भूमि संरक्षण के तहत तालाब का निर्माण कराया जा रहा है, जिसमें उनकी खुद की कंपनी की पोकलेन मशीन काम कर रही है. यह मशीन दिन में तालाब निर्माण का कार्य करती है और रात में कूप की खोदाई करती है. वहीं बता दे कि चार दिन पहले पूजा देवी की योजना में जेसीबी मशीन से काम करवाकर तुरंत बांधना शुरू कर दिया है. वहीं बीते बुधवार की रात्रि भी बिरसा सिंचाई योजना में पोपलेन मशीन से काम करवाया गया है.

क्या कहते हैं जिम्मेदार

इस संबंध में पेटो पंचायत के रोजगार सचिव हारून रशीद का कहना है कि कूप का निर्माण लाभुक स्वयं करता है. मशीन से योजनाओं के बनने की सूचना मिली है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी. वहीं पंचायत सचिव पुनपुन का कहना है कि स्थल पर पहुंचकर योजनाओं की जांच कर लाभुक पर कार्रवाई की जाएगी. वहीं बीपीओ सुमन कुमार शर्मा ने कहा कि पेटो में जेसीबी से कार्य होने की सूचना मिली है. जांच कर कार्रवाई की जाएगी. इस संबंध में डीसी प्रेरणा दीक्षित ने पूछे जाने पर कहा कि अगर कोई जेसीबी से काम करवा रहा है तो उस पर कार्रवाई होगी.

थाने के समीप होने के बावजूद 24 घंटे बाद थानेदार को पता चला, 48 घंटे बाद भी एफआईआर नहीं

एसबीआई की एटीएम काट 11 लाख की चोरी

- इंद्रपुरी चौक के नजदीक नर्सिंग होम के बगल की घटना, कटर से काटा
- वायरल होती रही सीसीटीवी फुटेज, थाना प्रभारी को 36 घंटे तक नहीं मिली, गश्ती दल पर उठे सवाल

संवाददाता। हजारीबाग

शहर के लोहसिंघना थाने से कुछ दूरी पर इंद्रपुरी चौक के समीप एसबीआई की एटीएम को कटर मशीन से काटकर कर 11 लाख, 4 हजार, 50 रुपये की चोरी कर ली गई. घटना मंगलवार रात 2 बजे के आसपास की बताई जा रही है, जबकि थाना प्रभारी को बुधवार को रात में 24 घंटे बाद इस घटना की जानकारी मिली या फिर इनके द्वारा इस अपराध को मीडिया से छुपाने की कोशिश की जाती रही. 36 घंटे बाद थाना प्रभारी अपने टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे.

घटना की सुबह से ही पूरे शहर में सीसीटीवी फुटेज वायरल होती रही, लेकिन थानेदार यह कहते रहे कि उन्हें सीसीटीवी फुटेज मिली ही नहीं है. जब मीडिया से उन्हें जानकारी मिली कि सामने के नर्सिंग होम में सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं, जहां फुटेज देखी जा सकती है तब वह तीसरे दिन गुरुवार को 10:00 बजे सुबह पहुंचकर फुटेज को कलेक्ट किया.

उक्त घटना पर थानेदार की कार्रवाई का तरीका अपराध के प्रति गंभीर नहीं होना और पेट्रोलिंग टीम का लापरवाह होना दर्शाता है. थाना प्रभारी संदीप कुमार का कहना है कि घटना की जानकारी न ही स्थानीय लोगों ने दी और न ही बैंक ने समय पर दी. दूसरे दिन रात को आकर सूचना तो दी लेकिन उसमें कितने रुपये डाले गए थे इसका स्टेटमेंट भी उपलब्ध नहीं कराया है.

दो नकाबपोश अपराधियों ने दास्ताना और टोपी पहन कर दिया घटना को अंजाम

फुटेज के मुताबिक, दो नकाबपोश अपराधियों ने दास्ताना और टोपी पहन कर घटना को अंजाम दिया है. बताया गया कि एसबीआई की इस एटीएम में सीएमएस नाम की कंपनी नोट डालने का काम करती है, जिसके फील्ड अफसर मो. फरहान अकबर, जमशेदपुर ने लिखित आवेदन लोहसिंघना थाने में दिया है. फरहान अकबर के अनुसार एटीएम 2.38 में स्विच ऑफ हो गया था. अगले दिन हजारीबाग के सीएमएस कंपनी के फर्स्ट लाइन मैनेजर अनुज कुमार ने फोन पर फरहान अकबर को एटीएम काटकर चोरी होने की घटना की सूचना दी. इसके बाद फरहान जमशेदपुर से बुधवार को शाम करीब 6 बजे थाना पहुंचे. थाना प्रभारी फील्ड अफसर के साथ मौके पर पहुंचकर घटना की समीक्षा की. थाना प्रभारी ने फील्ड अफसर को फटकार भी लगाई. कहा कि ऐसी घटना में उन्हें पहले थाने को सूचना देनी थी. यहां तक की सीएमएस कंपनी के हजारीबाग एफएलएम ने भी थाने को सूचना नहीं दी. साथ ही सोचने वाली बात यह है कि एसबीआई की एटीएम होने के बाद भी एसबीआई के कर्मियों ने भी थाने को इस बात की सूचना नहीं दी.

निवर्तमान सांसद के मीडिया प्रभारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा

जयंत की राजनीति खत्म करने को मरांडी ने ली है जायसवाल से सुपारी

संवाददाता। हजारीबाग

निवर्तमान सांसद जयंत सिन्हा के मीडिया प्रभारी अनिल कुमार सिन्हा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर आरोप लगाया कि जयंत सिन्हा की राजनीति खत्म करने के लिए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मनीष जायसवाल से सुपारी ली है. उन्होंने कहा कि 20 मई की शाम 5 बजे मतदान प्रक्रिया समाप्त होते ही मरांडी के निर्देश पर झारखंड प्रदेश के महामंत्री सह राज्यसभा सदस्य आदित्य साहू ने आनन फानन में जयंत सिन्हा पर अनर्गल आरोप लगाकर उनके खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया था, जो उनकी दुर्भावना को प्रकट करता है. उनके नोटिस देने से यह साफ प्रतीत होता हो रहा है कि बाबूलाल मरांडी ने हजारीबाग लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल से सांसद जयंत सिन्हा की राजनीति की साफ सुथरी छवि को धूमिल करने के लिए सुपारी ली है.

उन्होंने यह भी कहा है कि बाबूलाल मरांडी ने यह प्रण लिया है कि अगड़ी जाति के सभी राजनेताओं को भारतीय जनता पार्टी से निकाल बाहर करना है और उस पर उन्होंने अपना काम भी शुरू कर दिया है. आदित्य साहू द्वारा दिए गए नोटिस का जयंत सिन्हा ने बिंदुवार सटीक जवाब दे दिया है. इन दोनों महानुभावों को पूर्व में ही पता था कि जयंत सिन्हा ने 2 मार्च को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को सक्रिय राजनीति में भागीदारी से अलग होने की सूचना सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स के माध्यम से दे दी थी, मगर झारखंड बीजेपी के इन दो महारथियों को इन सब बातों से कोई मतलब नहीं रहा, इन्हें तो मनीष जायसवाल की गुलामी करनी है. इन्हें तो बस जयंत सिन्हा के नाम की ली गई सुपारी की चिंता थी. मरांडी और साहू ने नैतिकता की हद को पार कर अपनी गिरी हुई मानसिकता को उजागर कर दर्शा दिया है कि जयंत सिन्हा के खिलाफ किसी हद तक जा सकते हैं. जारी नोटिस के कारण जयंत सिन्हा समर्थक काफी ममाहत हैं. भाजपा के पूर्व समर्पित कार्यकर्ताओं ने अपना विरोध प्रकट किया, जिनमें मुख्य रूप से सांसद प्रतिनिधि प्रोफेसर सुरेंद्र सिन्हा, प्रकाश मिश्रा, नारायण चंद भौमिक, विपिन सिन्हा, प्रफुल्ल कुमार, प्रियंवदा, राजेश सहाय, संतन सिंह, भोला कुशवाहा, कृष्ण कुमार जमुआर, जगतार सिंह आदि शामिल रहे.

प्वाइंट्स मैन के लिए भी टू नाइट रोस्टर लागू होगा

एसएम के टू नाइट रोस्टर की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंची

संवाददाता। रामगढ़

ईस्ट सेंटर्ल रेलवे कर्मचारी यूनियन की ओर से काफी समय से स्टेशन मास्टर के सघन प्रकृति की रेल सेवा को ध्यान में रखते हुए टू नाइट रोस्टर की मांग की जा रही थी. ईसीआरकेयू इस मांग को मंडलीय स्तर पर ही नहीं बल्कि महाप्रबंधक स्थाई वार्ता तंत्र के माध्यम से भी इसे लागू करने के लिए प्रयास कर रहा था. अब जाकर यूनियन के लगातार प्रयास को सफलता मिली है. इसे लागू करने के बढ़ते दबाव के कारण सभी मंडलों को मुख्यालय से यह निर्देशित किया गया है कि टू नाइट रोस्टर को नियमानुसार कार्मिक विभाग द्वारा बनवाकर और स्वीकृति प्रदान करते हुए सभी स्टेशनों पर लागू किया जाए. ईसीआरकेयू के अपर महामंत्री सह धनबाद मंडल के पी एन एम प्रभारी मो. ज़ियाउद्दीन ने जानकारी दी कि विभिन्न स्टेशनों पर अपने दौरे के दौरान स्टेशन मास्टर्स ने यूनियन के समक्ष टू नाइट रोस्टर लागू करवाने की बात रखी थी. अब इसको लागू करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है. वर्तमान में लगातार सघन रात्रि ड्यूटी से उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर जो विपरीत प्रभाव पड़ रहा है उससे उनका बचाव हो सकेगा. यह भी कहा कि प्वाइंट्स मैन की भी कार्य प्रकृति स्टेशन मास्टर जैसी ही है. ईसीआरकेयू का यह प्रयास रहेगा कि प्वाइंट्स मैन के लिए भी टू नाइट रोस्टर लागू किया जाए.

प्रेस वार्ता कर कहा, अस्पताल को बदनाम करना चाहते हैं संजय तिवारी

कांग्रेस नेता संजय तिवारी के बयान पर भड़के आरोग्यम अस्पताल के संचालक

संवाददाता। हजारीबाग

आरोग्यम अस्पताल के संचालक हर्ष अजमेरा ने गुरुवार को प्रेस वार्ता कर कांग्रेस नेता संजय तिवारी के उस बयान का खंडन किया, जिसमें कहा गया था कि आरोग्यम अस्पताल मौत का सौदागर है और यह विधायक के साथ पार्टनरशिप में चल रहा है. अजमेरा ने बताया कि कांग्रेस नेता संजय तिवारी ने 12 मई को प्रेस वार्ता कर अस्पताल की छवि धूमिल करने के उद्देश्य से उक्त बयान दिया, जो गलत था. इसके आधार पर संजय तिवारी पर मानहानि का केस किया गया है.

उन्होंने यह भी कहा कि अस्पताल में विधायक की कोई पार्टनरशिप नहीं है. इस अस्पताल में अभी दो पार्टनर हैं, जिसमें हर्ष अजमेरा और सुनील कुमार जैन साझेदार हैं. 2016 में चार साझेदार थे, जिनमे से दो 2018 के बाद अलग हो गए. उन्होंने कहा कि अब हम दो लोग अस्पताल चला रहे हैं. उन्होंने यह भी कहा कि 2021 में 1630 मरीजों का इलाज अस्पताल में हुआ. 480 मरीज एडमिट होकर इलाजरत थे. सिर्फ 32 मरीजों की मृत्यु हुई है. इनमें भी 24 मरीज हजारीबाग के और अन्य जिलों की स्वास्थ्य संस्थाओं द्वारा रेफर मरीज थे. इन सभी मरीजों की हालत गंभीर थी. कोविड एक महामारी थी, जिसमें दुनिया भर में लाखों लोगों की मौत हुई है. प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि संजय तिवारी ने मौत का सौदागर कहकर अस्पताल की छवि धूमिल की है.

दरअसल, यह मामला पत्रकार टीपी सिंह और सादवल कुमार की मौत से जुड़ा हुआ है. 12 मई को कांग्रेस नेता संजय तिवारी ने प्रेस वार्ता कर आरोग्यम अस्पताल पर आरोप लगाते हुए कहा था कि पत्रकार टीपी सिंह और सदवाल कुमार की मौत की उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए. तिवारी ने कहा था कि पत्रकार की स्वभाविक मौत नहीं, हुई थी, बल्कि उनकी संदिग्ध हालात में मौत हुई थी. उन्होंने प्रेस वार्ता के दौरान यह भी कहा था कि आरोग्यम अस्पताल मौत का सौदागर है और विधायक के साथ पार्टनरशिप पमें अस्पताल का संचालन हो रहा है.

हाथियों से ग्रामीण परेशान रात में जागकर देते हैं पहरा

- दारू प्रखंड के दिगवार, चिरुवा और कवालु में दो दर्जन हाथियों ने दी दस्तक

संवाददाता। हजारीबाग

जिले के कई गांवों में इन दिनों जंगली हाथियों के उत्पात से ग्रामीण परेशान हैं. कभी फसल तो कभी मवेशी को कुचलने का मामला प्रकाश में आ रहा है. कभी मकान को क्षतिग्रस्त करने की घटना सामने आती है. इसके कारण ग्रामीण काफी परेशान और डरे हुए हैं. रात रात भर सो नहीं पाते हैं और अपनी फसल और परिवार की रक्षा करने में जुटे रहते हैं. आक्रोशित ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग आराम से चैन की नींद सोते रहती है और ग्रामीण रात भर जागकर पहरा देते हैं. ताजा मामला दारू प्रखंड के दिगवार, चिरुवा और कवालु गांव का है, जहां बुधवार रात दो दर्जन से अधिक जंगली हाथियों ने दस्तक दी. ग्रामीण बताते हैं कि रात्रि में आग जलाकर, डुगडुगी बजाकर हाथियों के झुंड को भगाने का प्रयास किया गया, लेकिन हाथी के झुंड पर इसका कोई असर नहीं हुआ. पहले भी कई बार हाथियों के झुंड को भगाने का प्रयास किया जाता रहा है लेकिन सभी प्रयास असफल हो जा रहे हैं. वहीं टाटी झरिया के मंडपा में लखन यादव की एक मवेशी को हाथियों ने बुधवार रात कुचलकर मार डाला.

कहां-कहां है हाथियों का आतंक

जिले के टाटी झरिया, दारू, इचाक, बड़कागांव, कटकमदाग, बरकट्ठा, चरहि सहित कई प्रखंडों में भी हाथियों का आतंक इन दिनों देखा जा रहा है. इस संबंध में डीएफओ के सरकारी नंबर पर पक्ष लेने के लिए संपर्क किया गया पर उन्होंने फोन नहीं उठाया.

विवाद एनटीपीसी केरेडारी कोल परियोजना में विस्थापन का दंश झेल रही महिला की पिटाई और घर तोड़ने का मामला गरमाया

विरोध में धरने पर बैठीं महिलाएं, न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रखने का किया ऐलान

संवाददाता। केरेडारी (हजारीबाग)

एनटीपीसी केरेडारी कोल परियोजना में विस्थापन का दंश झेल रही महिला की पिटाई और घर तोड़ने के विरोध में गुरुवार को महिलाएं मौके पर धरने पर बैठ गई हैं. उनका कहना है कि जब तक न्याय नहीं मिलेगा उनका संघर्ष जारी रहेगा. वहीं प्रखंड भीम आर्मी कमिटी ने उक्त घटना के खिलाफ आवाज उठाई है. इधर, एनटीपीसी कंपनी ने 17 विस्थापित लोगों पर खनन काम में बाधा डालने एवं रंगदारी मांगने का आरोप लगाते हुए केरेडारी थाने में मामला दर्ज करवाया है. इनमें भुक्तभोगी मीना देवी, अमरेश प्रजापति, विकास प्रजापति, पप्पू कुमारदास, विकास कुमारवर्मा, आकाश कुमार, मिथिलेश राम, सीमा देवी, नौशाद, संजय राजा, कतन देवी, सुनीता देवी, मंजू देवी, अंजू देवी, अभिषेक दास, महादेव प्रजापति, शबनम आदि शामिल हैं. बताया जाता है कि केरेडारी विस्थापन पुनर्वास के तहत एक महिला को एनटीपीसी केरेडारी कोल माइंस से मुआवजा मांगना जानलेवा साबित हो रहा है. केरेडारी के पांडू में एनटीपीसी की आउटसोर्सिंग बीजीआर कंपनी द्वारा कोयला निकालने का कार्य किया जा रहा है. आरोप है कि जमीन के बदले मुआवजा की मांग को लेकर एक गरीब महिला को बीजीआर कंपनी के कर्मियों ने मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया. इसके बाद बेहोश पड़ी महिला के घर को तोड़ दिया गया.

बीजीआर कंपनी पर लग चुका है टेरर फंडिंग का आरोप

आपको बता दें कि बीजीआर कंपनी पर पूर्व में टंडवा के एक माइंस में उत्खनन के दौरान टेरर फंडिंग में शामिल होने का खुलासा भी हो चुका है. कंपनी से जुड़े अधिकारियों के यहां एनआईए की रेड हो चुकी है. इसके बाद टंडवा से इस कंपनी को ब्लैक लिस्ट करके हटा दिया गया था. केरेडारी में एनटीपीसी के कोयला निकालने का टेंडर मिलने के बाद बीजीआर कंपनी फिर से क्षेत्रों में चर्चा में आ गई. केरेडारी के पांडु में उत्खनन कार्य करने में स्थानीय रैयतों द्वारा जमीन का मुआवजा मांग करने पर कंपनी द्वारा नक्सलियों की तर्ज पर ग्रामीणों को डराने और धमकाने का काम किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल है. ग्रामीणों ने बताया इस कंपनी पर ईमानदारी से जांच हो तो मनी लॉन्ड्रिंग, टेरर फंडिंग सहित अन्य मामले में संलिप्ता सामने आ सकती है.

बोलने पर झूठा मुकदमा दर्ज करा देती है कंपनी

स्थानीय लोगों का आरोप है कि अगर कंपनी के खिलाफ कोई बोलता है, तो कंपनी रंगदारी मांगने के आरोप में झूठा मुकदमा दर्ज करा देती है. इसका जीता जागता प्रमाण वायरल वीडियो में देखा जा सकता है. वीडियो में एनटीपीसी केरेडारी के एक अधिकारी का रौद्र रूप दिखाई पड़ रहा है. साथ ही, एनटीपीसी के कर्मी की आवाज सुनने को मिल रही है कि रंगदारी की मांग की जा रही है. उक्त घटना पर हजारीबाग जिले के केरेडारी प्रखंड के भीम आर्मी प्रखंड कमिटी ने कहा है कि इसके लिए हम वहां डट कर न्याय की मांग कर रहे हैं. सभी महिलाएं एकजुट होकर पीड़िता के साथ तोड़े हुए घर के पास ही बैठ गई हैं और सरकार से न्याय की गुहार लगा रही है. वहीं विस्थापन प्रभावित भू-रैयतों ने घटना की घोर निंदा करते हुए स्थानीय प्रशासन और जिला प्रशासन से न्याय की मांग की है. उपरोक्त प्रकरण पर एनटीपीसी प्रबंधन का कहना है कि पीड़ित महिला चतरा जिले के लावालौंग की रहने वाली है, जबकि ग्रामीणों का कहना है कि पीड़ित महिला बीते कई वर्षों से अपने परिवार के साथ अपने मायके में ही रह रही थी. उसका घर और जमीन सब पांडू में ही है.

पूर्व केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा और विधायक राज सिन्हा को भाजपा का नोटिस

इंसानियत का फर्ज निभाया तो दे दी सजा

अपने मन की बात रखना गलत है क्या

पूर्व केन्द्रीय मंत्री जयंत सिन्हा और विधायक राज सिन्हा को भाजपा की ओर से दिए गए कारण बताओ नोटिस पर काफी हो हल्ला शुरू हो गया है. हालांकि यह भाजपा का अंदरुनी मामला है, लेकिन इसे लेकर राजनीतिक गलियारे में काफी शोर-शराबा मचा हुआ है. इन दोनों नेताओं को यह कह कर नोटिस दिया गया कि ये पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त पाए गए हैं. राजनीतिक दलों और जनता की ओर से इस मुद्दे पर मिलीजुली प्रतिक्रिया आ रही है. भाजपा के नेता-कार्यकर्ता इस कार्रवाई को जायज ठहरा रहे हैं. वे कहते हैं कि पार्टी की अपनी नीति और सिद्धांत है. पार्टी के विरुद्ध आचरण करना ठीक नहीं है. वहीं अन्य दलों के नेताओं का यह कहना है कि राज सिन्हा ने तो इंसानियत की बात की है. उन्होंने अपने संबोधन में जनता से सिर्फ यही कहा था कि स्वच्छ छवि वाले को ही वोट दें. इसमें गलत क्या है. लोगों को अपने मन की बात कहने का अधिकार होना ही चाहिए. दरअसल पार्टी वालों ने इसे धनबाद के प्रत्याशी ढ़ुल्लु महतो के खिलाफ समझ लिया. वहीं जयंत सिन्हा ने तो जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक मुद्दे पर कार्य करने की बात कही है. शभम संदेश की टीम ने इस मामले पर विभिन्न राजनीतिक दलों और आम लोगों से बात की है. पेश है रिपोर्ट.

1. राज सिन्हा के बयान को ढ़ुल्लु के खिलाफ क्यों समझा गया
2. हर किसी को अपने मन की बात कहने का अधिकार होना ही चाहिए
3. जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक मुद्दे पर काम करना गलत नहीं है
4. और लोगों की बयानबाजी पर भाजपा आंख क्यों मूंद लेती है

गिरिडीह

पार्टी को गलत फीबैक दी गई है, वह गलतफहमी की शिकार : बादल सिन्हा

डुमरी के बादल सिन्हा ने कहा कि धनबाद के भाजपा विधायक राज सिन्हा के मामले में पार्टी को गलत फीडबैक दी गई है . इसलिए पार्टी गलतफहमी की शिकार हुई है . उनपर पार्टी हित में काम नहीं करने का आरोप लगा है . इसके विपरीत उन्होंने सही तरीके से अपने कार्यो का निर्वहन किया है . उन्होंने बीजोपी के 400 पार के नारे को भी जगह-जगह बुलंद किया है . उन्होंने कहा कि हजारीबाग के पूर्व सांसद जयंत सिन्हा को पार्टी और देश हित में काम करना चाहिए था.

काम नहीं करने के कारण दोनों को किया गया है शो कॉज : चिंतामणि सिंह

जिले के ताराटांड मंडल के अध्यक्ष चिंतामणि सिंह ने कहा कि पार्टी के दिशा निर्देश के अनुरूप कार्य नही करने के कारण दोनों नेताओं को शो कॉज किया गया है . दोनो नेताओं ने पार्टी के अनुशासन को भंग किया है . पार्टी के अनुशासन को तोड़ने वाले नेताओं के खिलाफ भाजपा शुरू से ही कार्रवाई करती रही है .

टिकट काटने के बाद किसी को शोकाज भेजना तो अनुचित ही है: हेमंत सिन्हा

धनवार के हेमंत सिन्हा ने कहा कि पूर्व सांसद जयंत सिन्हा और विधायक राज सिन्हा से बिना स्पष्टीकरण मांगे ही शो कॉज किया जाना गलत है . हजारीबाग के पूर्व सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा बीजेपी के कद्दावर नेताओं में से एक रहे है . पार्टी ने सांसद का टिकट काटने के बाद अब शो कॉज भेजा है,जो बिल्कुल अनुचित है . इससे झारखंड के कायस्थ समाज में भी नाराजगी देखी जा रही है .

भाजपा अनुशासित पार्टी,नियम का उल्लंघन ठीक नहीं है : अप्पू सिन्हा

समाजसेवी अप्पू सिन्हा ने कहा कि भाजपा एक अनुशासित पार्टी है . इस दल में रहकर नियमों का उलंघन करना अनुचित है . उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं से शो कॉज कही से भी अनुचित नही है . विश्व की सबसे बड़ी पार्टी को चलाने के लिए नियम को शख्त बनाना जरूरी है .

पार्टी को चलाने के लिए अनुशासन बहुत जरूरी : विजय चौरसिया

भाजपा नेता विजय चौरसिया ने कहा कि किसी भी पार्टी और संगठन को चलाने के लिए अनुशासन बहुत ही जरूरी है . विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा के लिए यह नियम सबसे जरूरी हो जाता है . दोनों नेताओं ने पार्टी के अनुशासन के विपरीत काम किया है . इसलिए शो कॉज होना लाजिमी है . दोनों नेताओं को जल्द से जल्द अपना स्पष्टीकरण पार्टी को देना चाहिए .

बोकारो

बूथ स्तर का नेता हो या मंत्री, गलत करनेवालों पर कार्रवाई : परमेश्वर

बोकारो जिले के कसमार निवासी भाजपा के प्रखंड महामंत्री परमेश्वर नायक ने कहा कि पार्टी कोई भी हो, अगर उसका समर्पित कार्यकर्ता पार्टी से गद्दारी करेगा तो पार्टी उसपर कार्रवाई निश्चित रूप से करेगी. इस मामले में भाजपा ने पूर्व मंत्री जयंत सिन्हा एवं राज सिन्हा पर जो कार्रवाई की है, वह उचित कदम है. उन्होंने कहा कि बीजेपी एकमात्र ऐसी पार्टी है जो परिवारवाद पर विश्वास नहीं करती है.

भाजपा का कदम हर मामले में उचित कदम है: महानंद महतो

भाजपा के पूर्व कसमार प्रखंड अध्यक्ष महानंद महतो ने कहा कि केंद्रीय मंत्री हो, विधायक हो या किसी भी स्तर का कार्यकर्ता हो, अगर ईमानदारी उसमें नहीं रहेगी तो पार्टी कठोर कदम उठाएगी ही. पार्टी का यह कदम एकदम उचित कदम है. पार्टी ने दोनों नेताओं को शो कॉज किया है, उससे दूसरे दलों के नेताओं को भी सबक मिलेगी, कि पार्टी के नीति सिद्धांत के खिलाफ जो काम करेगा उसका यही हश्र होगा.

पार्टी ने टिकट देकर मंत्री तक बनाया, की गद्दारी : अशोक महतो

भाजपा के कसमार प्रखंड के मधुकरपुर पंचायत प्रभारी अशोक कुमार महतो ने कहा कि भाजपा के अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार में यशवंत सिन्हा को टिकट देकर सांसद बनाया, फिर वित्त मंत्री से लेकर विदेश मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर आसीन कर सम्मान बढ़ाया. यशवंत सिन्हा क्रियाकलापों से प्रभावित होकर भाजपा ने उनके पुत्र जयंत सिन्हा को दो बार हजारीबाग का टिकट दिया.

कार्रवाई सही, दोनों को पार्टी से बाहर करना चाहिए : बबन राम

बोकारो जिले के जारंगडीह निवासी बबन राम ने कहा कि भाजपा के पूर्व केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा और विधायक राज सिन्हा पर पार्टी की कार्रवाई शत प्रतिशत जायज कदम है. जिस पार्टी ने टिकट देकर दोनों को राजनीति में एक नई पहचान दी उस पार्टी के साथ ही गद्दारी करे, तो पार्टी नेतृत्व चुप तो नहीं बैठेगी. दोनों को पार्टी से निष्कासित कर देना चाहिए, ताकि अन्य लोग जो ऐसी सोंच रखते हैं, उन्हें भी सबक मिले.

पार्टी के नीति सिद्धांत के विरुद्ध जानेवालों पर जायज है कार्रवाई : रविशंकर दुबे

बोकारो जिले के जारंगडीह उत्तरी पंचायत निवासी रविशंकर दुबे ने कहा कि हर पार्टी का अपना नीति सिद्धांत व मिशन विजन होता है . अगर कोई भी नेता हो मंत्री हो पार्टी की नीति विरुद्ध कार्य करे तो पार्टी निश्चित तौर पर कार्रवाई करेगी . पूर्व केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा एवं विधायक राज सिन्हा ने पार्टी के नियम विरुद्ध जो कार्य किया है, उसपर केंद्रीय नेतृत्व ने जो निर्णय लिया है, वह जायज है .

धनबाद

दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को दोहराने की मिली सजा : अभिषेक

केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा और धनबाद विधायक राज सिन्हा को शो कॉज की कार्रवाई पर पाथरडीह के रहने वाले अभिषेक सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को दोहराने के जुर्म में यह कार्रवाई की गई है. क्योंकि ये जेवीएम के नेता नहीं है. जेवीएम से आए लोगों को सब बात की छूट मिली हुई है. झारखंड में जेवीएमअब भाजपा पर पूरी तरह हावी हो गई है.

राज और जयंत को आम आदमी पार्टी सपोर्ट करती है : मदन राम

आम आदमी पार्टी के जिला महासचिव मदन राम ने कहा राज सिन्हा व जयंत सिन्हा के विचार को आम आदमी पार्टी समर्थन करती है. उन्होंने समाज को तथा राजनीतिक चरित्र को आईना दिखाने का काम किया है. कहा विधायक हो या सांसद देश की संस्कृति को बचाए रखने के लिए वह अपने मन की बात रखता है तो वह गलत नहीं है.यह पक्षपात भरा निर्णय है.इसकी निंदा की जानी चाहिए.

साफ-सुथरी छवि वाले को वोट देना भाजपा के खिलाफ कैसे : इरफान

हैलो किड्स स्मार्ट स्कूल के प्राचार्य इरफान खान ने कहा कि धनबाद विधायक राज सिन्हा एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा पर भारतीय जनता पार्टी के वरीय पदाधिकारियों द्वारा कार्रवाई की गई है, वह उचित नहीं है. क्योंकि विधायक राज सिन्हा एक साफ सुथरी छवि के नेता हैं.उन्होंने अपने संबोधन में जनता से सिर्फ यही कहा कि स्वच्छ छवि वाले को ही वोट दें तो इसमें गलत क्या है.

राज आदर्श विधायक हैं, उन पर कार्रवाई ठीक नहीं है : अखलाक

समाजसेवी अखलाक अहमद ने कहा भाजपा के सीनियर लीडर द्वारा की गई कार्रवाई बिल्कुल उचित नहीं है.क्योंकि धनबाद विधायक राज सिन्हा एक आदर्श विधायक हैं. उन्हें यह पता है कि राष्ट्र के निर्माण के लिए धनबाद का सांसद अपराध मुक्त, शिक्षित, और महिलाओं के साथ अच्छा व्यवहार करने वाला होना चाहिये., व्यापारियों के हक में और व्यापारियों के साथ खड़ा रहने वाला सांसद चाहिए.

भाजपा हमेशा सिद्धांतों पर चलती है : टिंकू कुमार सिंह

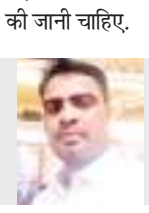

बलियापुर के स्थानीय युवा टिंकू कुमार सिंह ने कहा भारतीय जनता पार्टी हमेशा अपने सिद्धांतों पर चलती है . दो नाव पर पांव रख कर चलने वाले कभी किनारे नहीं पहुंचते . वैसे पूर्व केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा और विधायक राज सिन्हा पार्टी के मजबूत अंग हैं . इसलिए उन्हें अपनी पार्टी देखनी चाहिए, न कि प्रत्याशी . दोनों की सोच बदल रही थी इस कारण नोटिस दिया गया है .

चांडिल

भाजपा में अनुशासनहीनता बर्दास्त नहीं : देवाशीष राय

भाजपा नेता देवाशीष राय ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा और राज सिन्हा पर शो-काज जारी करना भाजपा का अंदरूनी मामला है. भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है, जहां अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाती है. दोनों के खिलाफ शो-कोज जारी किया है तो निश्चित तौर पर दोनों ने पार्टी की अनुशासन को भंग किया है. चुनाव के दौरान संगठन का काम करना एक-एक कार्यकर्ता का दायित्व है. जयंत सिन्हा ने स्वयं ही पत्र लिखकर चुनाव कार्य से मुक्त रखने का आग्रह किया था.

यह भाजपा का अपना निजी मामला है : अप्पू खां

चांडिल निवासी अप्पू खां ने जयंत सिन्हा और राज सिन्हा पर भाजपा संगठन की ओर से शो-काज करने के संबंध में कहा कि यह पार्टी का अपना निजी मामला है. वैसे चुनाव के बाद नेता व कार्यकर्ता पर कार्रवाई की बात सुनी थी लेकिन भाजपा संगठन में चुनाव के पूर्व ही इस तरह का अनुशासनात्मक कार्रवाई पहली बार देखा है. दोनों ही नेता भाजपा संगठन के कर्मठ नेता हैं और क्षेत्र का जनप्रतिनिधित्व भी कर चुके हैं. जयंत सिन्हा पूर्व केंद्रीय मंत्री रहे हैं.

रांची

भाजपा से जनता त्रस्त हो चुकी है : शमीम बड़ेहार

झामुमो के शमीम बड़ेहार ने कहा कि भाजपा से जनता त्रस्त हो चुकी है.यह पूंजी वादी और कारपोरेट घरानों वाली पार्टी बन चुकी है. कार्यकार्ता से ज्यादा पार्टी के मुख्य लोगों को ही तरजीह दी जाती है.देश के पीएम को कारपोरेट घराने के लोग चला रहे हैं. देश का लोकतंत्र खतरे में है.अब भाजपा के पुराने लोग भी पार्टी छोड़ रहे हैं.अपने आप को असंतुष्ट महसूस कर रहे हैं.

यह पार्टी की अनुशानात्मक कार्रवाई है : दुर्गश यादव

छात्र नेता दुर्गश यादव ने कहा कि पार्टी की अनुशानात्मक कार्रवाई है.इसे स्वीकार करना चाहिए.पूर्व केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा और विधायक राज सिन्हा को जारी शो कॉज का जवाब देना चाहिए.उनके कार्रवाई का सम्मान करना चाहिए. पार्टी में स्थान मिला है तो पार्टी सर्वोपरि हैं. पार्टी के कारण ही दोनों का देश में नाम हुआ है.पार्टी सबसे बड़ी है.

भाजपा आंतरिक कलह से जूझ रही है : लक्ष्मी नारायण

आदिवासी समन्वय समिति के लक्ष्मी नारायण मुंडा ने कहा कि भाजपा आंतरिक कलह से गुजर रही है.पीएम नरेद्र मोदी सरकार के कामकाज और पार्टी को मोदी गुट गुजरात लॉबी द्वारा हाईजेक किये जाने पर उनके बहुत सारे विधायक सांसद खुश नहीं है. इसके अधिकांश नेता कार्यकार्ता असंतुष्ट हैं और अपने को ठगा महसूस कर रहे हैं.सांसद जयंत सिन्हा और विधायक राज सिन्हा का चुनाव से दूर रहना यह दर्शाता है कि भाजपा में सब सही नहीं है.

पार्टी से बड़ा नहीं होता है नेता,कार्यकर्ता : मुन्ना मुंडा

छात्र मुन्ना मुंडा ने कहा कि पार्टी सर्वोच्च होती है.पार्टी जो निर्णय लेती है.वह सही होता है.इसे सभी को मान लेना चाहिए.पार्टी से कोई बड़ा नहीं होता है.पहले पार्टी होती है.उसके बाद कार्यकार्ता होता है.जयंत सिन्हा और विधायक पर कार्रवाई सही है. कार्रवाई को गलत नहीं मानना चाहिए.इसे स्वीकार करना ही बड़ी बात है.

पार्टी को गलत लगे तो वह कार्रवाई की हकदार : सोनु

सोनु मिश्रा ने कहा कि भाजपा एक सांगठनिक पार्टी है. पार्टी का अपना संविधान है,.पार्टी की जो भी कार्रवाई होती है तो किसी के प्रति वह नियम के अनुरूप ही होता है,.भाजपा भी निर्णेय लेने की हकदार है.विपक्ष इसपर कोई निर्णय नहीं ले सकता है. इतना जरूर है कि पार्टी सबसे बड़ा होता है.उसका झंडा सबसे ऊंचा होता है.इसलिए पार्टी की कार्रवाई सही है.इसका जवाब देना चाहिए.

साहिबगंज

नेताओं, कार्यकर्ताओं को पार्टी के निर्देश के अनुरूप ही चलना होगा :जय प्रकाश सिन्हा

भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य ओबीसी मिर्जा भाजपा नेता जय प्रकाश सिन्हा ने कहा कि पार्टी से जुड़े सभी नेताओं कार्यकर्ताओं को पार्टी के निर्देश के अनुरूप ही चलना होगा. पार्टी हित के विरुद्ध कोई बात होती है तो उसपर कार्रवाई होनी ही चाहिए. नहीं तो पार्टी में अनुशासन ही समाप्त हो जाएगा. सभी दलों की अपनी नीति सिद्धांत है.पार्टी का यह कदम एकदम उचित कदम है. पार्टी ने दोनों नेताओं को शो कॉज किया है, उससे दूसरे दलों के नेताओं को भी सबक मिलेगी कि पार्टी की नीति सिद्धांत के खिलाफ जो काम करेगा उसका यही हश्र होगा.उन्होंने कहा कि पार्टी के अनुशासन को तोड़ने वाले नेताओं के खिलाफ बीजोपी शुरू से ही कार्रवाई करती रही है.

पार्टी ने जो निर्णय लिया है,वह जायज है,गलत है तो कार्रवाई : कृष्णा महतो

साहिबगंज भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री कृष्णा महतो ने कहा कि हर पार्टी की अपनी नीति, सिद्धांत, मिशन, विजन होता है. अगर कोई भी नेता हो या मंत्री पार्टी की नीति विरुद्ध कार्य करे तो पार्टी निश्चित तौर पर कार्रवाई करेगी. पूर्व केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा एवं विधायक राज सिन्हा ने पार्टी के नियम विरुद्ध जो कार्य किया है, उसपर केंद्रीय नेतृत्व ने जो निर्णय लिया है,वह जायज है.उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जो परिवारवाद पर विश्वास नहीं करती, इसलिए बूथ स्तर से लेकर केंद्रीय स्तर पर कोई भी पार्टी विरोधी कार्य करेगी तो पार्टी उसपर कार्रवाई जरूर करेगी.

कोई भी पार्टी से गद्दारी करेगा तो कार्रवाई निश्चित रुप से होगी : संजय पटेल

साहिबगंज भाजपा नगर महामंत्री संजय पटेल ने कहा कि पार्टी कोई भी हो अगर उसका समर्पित कार्यकर्ता पार्टी से गद्दारी करेगा तो पार्टी उसपर कार्रवाई निश्चित रूप से करेगी. इस मामले में भाजपा ने पूर्व मंत्री जयंत सिन्हा एवं राज सिन्हा पर जो कार्रवाई की है, वह उचित कदम है. उन्होंने कहा कि बीजेपी एकमात्र ऐसी पार्टी है जो परिवारवाद पर विश्वास नहीं करती, इसलिए बूथ स्तर से लेकर केंद्रीय स्तर पर कोई भी पार्टी विरोधी कार्य करेगा तो पार्टी उसपर कार्रवाई जरूर करेगी.भाजपा नीति सिद्धांतों पर चलने वाली एक अनुशासित पार्टी है.

गोड्डा

भाजपा पहले वाली पार्टी नहीं रही, अब पार्टी के अंदर ही आजादी नहीं है : कुंदन ठाकुर

युवा कांग्रेस के जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार ठाकुर कहते हैx कि भाजपा अब पहले वाली पार्टी नही रही. जनसंघ वाली भाजपा कब का समाप्त हो चुकी है. अब पार्टी के भीतर ही आजादी नहीं है. एक दो को छोड़कर किसी को भी पार्टी के निर्णय के खिलाफ बोलने की आजादी नहीं है. पार्टी के पुराने वफादार सिपाही रहे राज सिन्हा जयंत सिन्हा की बात को सुने बिना शो काऊज नोटिस भेजना उनकी प्रतिष्ठा के प्रतिकूल है.

यह भाजपा का अंदरूनी मामला है, किसी से राय लेने की जरुरत नहीं : संजीव महतो

एनडीए गठबंधन में शामिल भाजपा के सहयोगी दल आजसू के केंद्रीय समिति सदस्य संजीव महतो कहते हैं कि किसको पार्टी में रखना है किसको नहीं रखना है. यह पार्टी का अंदरूनी मामला है. इसमें किसी बाहरी से राय मशविरा लेने की कोई आवशयकता नही है. पार्टी संगठन को कैसे चलाना है ये भाजपा का नेतृत्व अच्छी तरह से जानता है. इसमें मेरे हस्तक्षेप की कोई जरूरत नहीं है.

पार्टी नेतृत्व ने जो भी निर्णय लिया है वह सही ही होगा : प्रीतम गाडिया

भारतीय जनता पार्टी के जिला प्रवक्ता प्रीतम कुमार गाडिया कहते हैं कि हजारीबाग या धनबाद जिला का स्थानीय मामला है. जिसे पार्टी नेतृत्व देख रहा है. जिसपर पार्टी ने जो भी निर्णय लिया है वह उचित ही होगा. गोड्डा जिला भाजपा कमेटी को इससे विशेष मतलब नहीं है. भाजपा नीति सिद्धांतों पर चलने वाली एक अनुशासित पार्टी है.

लातेहार

भाजपा का यह अंदरूनी मामला है: अमित पांडेय

आजसू पार्टी, लातेहार के जिला अध्यक्ष अमित पांडेय ने कहा कि यह भाजपा का अंदरूनी मामला है और इसमें हम क्या प्रतिक्रिया दे सकते हैं. लेकिन जब पार्टी ने किसी को प्रत्याशी बनाया है तो उसका सर्पोट करना चाहिए. उसे जीताने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहिए. ऐसे में पार्टी का एक समर्पित कार्यकर्ता के रूप में काम करना चाहिए. हमारे दल में भी अगर केंद्रीय नेतृत्व जो निर्णय लेगा उसे हम सबों को स्वीकार होता है.

भाजपा में तानाशाही चरम पर है : शाहदेव

झामुमो, लातेहार के जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव ने कहा कि भाजपा में प्रारंभ से ही तानाशाही है. यहां कार्यकर्ताओं को कोई सम्मान नहीं दिया जाता है. केंद्रीय व प्रांत नेतृत्व जैसा चाहे वैसा निर्णय किसी पर भी थोप देता है. एक तो जयंत सिन्हा को हजारीबाग से टिकट नहीं दिया, उसके बाद उन्हें ही स्पष्टीकरण का नोटिस थमा दिया गया. यह कहीं से उचित नहीं है. भाजपा में डिक्टेरशिप चलती है और यही भाजपा के पतन का कारण साबित होगी.

अब किस राह पर ईरान

ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की आकस्मिक मौत से वैश्विक समीकरणों में होने वाले बदलाव से लेकर ईरान की अंदरूनी राजनीति में मची हलचल को लेकर नए सवाल खड़े हो गए हैं.हादसे के बाद से ही सवाल उठने लगे थे कि अब ईरान किस राह पर आगे बढ़ेगा, अमेरिका के साथ उसके संबंधों पर इसका क्या असर पड़ेगा. मौजूदा वक्त के अंतरराष्ट्रीय राजनैतिक हालात रईसी के लिए चुनौतीपूर्ण थे और इन चुनौतियों के बीच ही उनकी आकस्मिक मौत हो गई. जिस हेलीकॉप्टर पर वे सवार थे, अब उस पर सवाल उठने लगे हैं. साथ ही उनकी मौत के पीछे किसी बड़ी साजिश के कोण भी तलाशे जा रहे हैं. इब्राहिम रईसी की मौत का हादसा ऐसे समय में हुआ है जब पश्चिम एशिया गहरे संघर्ष में उलझा हुआ है. पिछले सात महीनों से इजरायल ने गाजा में युद्ध छेड़ रखा है. ईरान ने पहले भी अपने शीर्ष अधिकारियों की हत्या के लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहराया है. इसलिए इस बार भी शक की सुई स्वाभाविक तौर पर इजरायल की ओर घूमी है. ईरान के साथ यह विडंबना रही है कि उसके इस्लामिक रिपब्लिक बनने के 45 वर्षों के दौरान उसके मौजूदा सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई को छोड़कर सभी राष्ट्राध्यक्ष किसी न किसी मुसीबत का शिकार हुए. किसी की आकस्मिक मौत हुई. इब्राहिम रईसी मोहम्मद अली राज़ई के बाद, दूसरे ऐसे राष्ट्रपति हैं, जिनका कार्यकाल किसी घातक दुर्घटना के कारण समाप्त हुआ है. राज़ई की मौत 1981 में प्रधानमंत्री कार्यालय में हुए एक विस्फोट में हो गई थी. इब्राहिम रईसी एक कट्टरपंथी नेता थे. 2021 में उन्होंने राष्ट्रपति पद संभाला था और उनके शासनकाल में लिए गए फैसलों या घटनाओं में कम से कम पांच ऐसे थे, जिनसे पता चलता है कि ईरान को वे कट्टरपंथ और रूढ़िवादिता के साथ ही आगे ले जाना चाहते थे. रईसी के सत्ता में आने के बाद ईरान ने सबसे पहले अपने परमाणु कार्यक्रम को दोगुना कर दिया, जिससे पश्चिमी देश नाराज हुए. इसके बाद दूसरा बड़ा फैसला रूस और यूक्रेन युद्ध में पश्चिम के विरोध के बावजूद रूस का समर्थन करने का फैसला लेना. रईसी ने नाटो के विस्तार की ईरान के लिए भी खतरे के रूप में व्याख्या की. रईसी के कार्यकाल में कट्टरपंथ को बढ़ावा देने वाला तीसरा बड़ा फैसला हिजाब को लेकर था. 2022 के आखिरी महीनों में हिजाब के खिलाफ युवतियों ने ऐतिहासिक विरोध प्रदर्शन शुरू किया था, इसी दौरान सितम्बर में महसा अमीनी नामक युवती की मौत ईरान की मॉरल पुलिस के कारण हुई थी. इस घटना ने देश भर में युवतियों को गुस्से में भर दिया था. रईसी के शासनकाल में चौथा बड़ा फैसला इजरायल से सीधे टकराव का था. उम्मीद है कि भारत और ईरान के बीच पूर्ववत सौहार्द्रपूर्ण संबंध बने रहेंगे.

> इब्राहिम रईसी मोहम्मद अली राज़ई के बाद, दूसरे ऐसे राष्ट्रपति हैं, जिनका कार्यकाल किसी घातक दुर्घटना के कारण समाप्त हुआ है. राज़ई की मौत 1981 में प्रधानमंत्री कार्यालय में हुए एक विस्फोट में हो गई थी.

सुभाषित

विदेशेषु धनं विद्या व्यसनेषु धनं मतिः।
परलोके धनं धर्मः शीलं सर्वत्र वै धनम् ॥

नीति शास्त्र में धन को अपने ढंग से परिभाषित किया गया है. नीतिकार का कहना है कि परदेस में रहने के लिए विद्या ही धन है, व्यसनी व्यक्ति के लिए चातुर्य ही धन है, परलोक की कामना करने वाले के लिए धर्म ही धन है किन्तु शील (सदाचार) सर्वत्र (समस्त स्थानों के लिए) ही धन है.

रईसी की मौत के बाकी सवाल

रईसी 1988 में राजनीतिक कैदियों को फांसी की देखरेख करने वाली एक समिति का हिस्सा थे. पांच महीनों के क्रूर कालखंड में रईसी ने जिस तरह से राजनीतिक विरोधियों को मरवाया, उसने उन्हें ईरानी विपक्ष के बीच अलोकप्रिय बना दिया था. अमेरिका को उन पर प्रतिबंध लगाना पड़ा. वर्ष 1989 में, ईरान के पहले सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह रूहुल्लाह ख़ुमैनी की मृत्यु के बाद रईसी को तेहरान का अभियोजक नियुक्त किया गया था. ख़ुमैनी के बाद अयातुल्ला ख़ामेनेई जब सर्वोच्च नेता बने, उनकी सरपरस्ती में रईसी लगातार आगे बढ़ते रहे.

• देश-काल

पुष्परंजन

इसे तकनीकी भाषा में 'हार्ड लैंडिंग' बोलते हैं. लेकिन वास्तव में वह हेलीकॉप्टर क्रैश ही था, जिस पर ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी सवार थे. उनके साथ ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीर अब्दुल्लाहियान, जुमे की नमाज़ अदायगी कराने वाले तबरीज के इमाम मोहम्मद अली आले-हशीम, पूर्वी अज़रबैजान के गवर्नर मालेक रहमति जैसे नौ ख़ास लोगों में से कोई भी ज़िंदा नहीं बच सका, जो 19 मई को पूर्वी अज़रबैजान में क़िज़ कलासी बांध के उद्घाटन के बाद वतन लौट रहे थे. बचाव दल ने माना है कि हेलीकॉप्टर में कोई नहीं बच सका. ईरान में राजकीय शोक की घोषणा कर दी गई है. दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर को सबसे पहले तुर्की के ड्रोन ने ही लोकेट किया था. तुर्की के ड्रोन ने अज़रबैजान की सीमा से लगे ताविल गांव की पहाड़ियों में उसके मलबे के पाये जाने की पुष्टि की थी. कुल 18-20 परिवारों का छोटा-सा गांव ताविल, पूर्वी ईरान का हिस्सा है, जो वर्ज़कान काउंटी में आता है. बकराबाद इसका मुख्यालय है. यहां पर रूसी और यूरोपीय संघ की खोजी टीमें ईरान की गोल्डन क्रीसेंट के साथ सहयोग के वास्ते आई थीं. अमेरिका की पूरी नज़र 'सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन' पर लगी हुई थी. अमेरिकी-इस्राइली मंशा को टटोलने वाले तेज़ी से कयास लगाने लगे कि इस दुर्घटना के पीछे कोई बड़ा खेल हुआ है. इब्राहिम रईसी को बूचर ऑफ तेहरान (तेहरान का कसाई) कहकर कोसने में अमेरिकी-इस्राइली मीडिया आगे रहा है. यहूदी मीडिया ने लगातार उन ज़ख्मों को ताज़ा किया था, जिसमें रईसी के आदेश से सैकड़ों राजनीतिक कैदी मार डाले गये थे. इस हेलीकॉप्टर हादसे पर शक की वजहें भी हैं. 3 जनवरी, 2020 को मेजर जनरल क़ासिम सुलेमानी बगदाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ड्रोन हमले में मारे गये थे. वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान किस तरह की हिंसक कार्रवाई होती है, इससे ईरान जैसा देश अच्छी तरह से वाकिफ है. जनवरी, 2020 में ईरानी गुप्तचर सेवा को सीआईए के उस 'विभीषण' का पता लगाने का टास्क दिया गया था, जिसने कुद्स फोर्स के कमांडर मेजर जनरल क़ासिम सुलेमानी के मूवमेंट की सूचना साझा की थी. सीआईए या मोसाद जैसी एजेंसियां मिडिल ईस्ट से संबद्ध हर ईमेल, वेबसाइट्स, सोशल मीडिया मैसेजिंग को खंगालती रहती हैं, जो उनका टारगेट होता है. ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के मूवमेंट को गोपनीय क्यों नहीं रखा जा रहा था? यह भी एक बड़ा सवाल है. पिछले महीने 24 अप्रैल को राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी पाकिस्तान आये थे. सबको उनके कार्यक्रम का पता था. पाक-ईरान सीमा पर दोनों तरफ़ से जो हमले माज़ी में हुए थे, उसका डैमेज कंट्रोल किया और आठ ऐसे समझौते किये, जो ऊर्जा-कृषि से इतर ईरान के न्यूक्लियर-मिलिट्री प्रोग्राम को बूस्टर डोज़ देने वाले थे. इस समझौते को रूस और चीन ने पॉजिटिव माना था, मगर यह बात वाशिंगटन को कहीं न कहीं चुभ रही थी. ग़ाज़ा युद्ध में भी इब्राहिम रईसी की भूमिका सकारात्मक नहीं थी. ईरान लगातार उकसाने वाली कार्रवाई को अंजाम देता रहा.

रईसी 1988 में राजनीतिक कैदियों को फांसी की देखरेख करने वाली एक समिति का हिस्सा थे. पांच महीनों के क्रूर कालखंड में रईसी ने जिस तरह से राजनीतिक विरोधियों को मरवाया, उसने उन्हें ईरानी विपक्ष के बीच अलोकप्रिय बना दिया था. अमेरिका को उन पर प्रतिबंध लगाना पड़ा. वर्ष 1989 में, ईरान के पहले सर्वोच्च नेता अयातुल्ला रूहुल्लाह खुमैनी की मृत्यु के बाद रईसी को तेहरान का अभियोजक नियुक्त किया गया था. खुमैनी के बाद अयातुल्ला खामेनेई जब सर्वोच्च नेता बने, उनकी सरपरस्ती में रईसी लगातार आगे बढ़ते रहे. रईसी 7 मार्च, 2016 को सबसे बड़े धर्मादा 'अस्तान कुद्स रजावी' के अध्यक्ष बने, जिसने उनकी स्थिति को और मजबूत किया. 2017 के राष्ट्रपति चुनाव में पराजय के बाद इब्राहिम रईसी ने जून, 2021 में 62 प्रतिशत वोट लेकर कामयाबी हासिल की थी. इब्राहिम रईसी की एक ख़ासियत यह थी कि वे ख़ुमैनी और ख़ामेनेई, दोनों खेमों का विश्वास हासिल करने में कामयाब रहे थे. 64 साल के इब्राहिम रईसी ने भले ही ईरान-चीन-रूस-सऊदी सहकार को मज़बूत किया, पाकिस्तान से आठ समझौते और भारत से चाबहार ट्रिटी कर अपनी विदेश नीति को बैलेंस किया, लेकिन ईरान की घरेलू सियासत में कठोरपंथ और क्रूरता के कॉकटेल का ही सहारा लिया था. वर्ष 2022 के अंत में, ईरान की मोरल पुलिस की हिरासत में महसा अमिनी की मौत क्रूरता का सबसे बड़ा उदाहरण बन गया था. हिजाब के विरुद्ध खड़ी 22 साल की महसा अमिनी की मौत से लोग सकते में थे. इस क्रूरता के विरुद्ध प्रतिरोध प्रदर्शनों ने ईरान को महीनों तक हिलाये रखा था. महिलाओं ने इस दमन के विरुद्ध अपने हिजाब उतार दिये, या जला दिये. कइयों ने अपने बाल काटकर सोशल मीडिया पर वीडियो साझा किये थे. रईसी शासन ने अशांति फैलाने के आरोप में सात लोगों को सार्वजनिक फांसी दी थी. विदेशी मानवाधिकार संगठनों ने माना कि 500 के आसपास लोगों को बड़ी गुपचुप ढंग से मरवाया, और ताबड़-तोड़ दमनात्मक कार्रवाई की, जिससे 2023 के मध्य तक रैलियां समाप्त हो गईं. लोकतंत्र और व्यक्तिगत आज़ादी को कुचलने वाले एक क्रूर राष्ट्रपति की मौत पर क्या समस्त ईरान शोक मना रहा है?

ईरानी क़ानून के अनुसार, राष्ट्रपति की मौत हो जाने की स्थिति में उपराष्ट्रपति को कार्यभार सौंपना होगा और 50 दिनों के भीतर चुनाव कराना होगा. यों भी, 1 मार्च, 2024 को 290 सदस्यीय संसद (मजलिस) का चुनाव हो चुका है और जून, 2025 तक राष्ट्रपति चुनाव की प्रतीक्षा लोग कर रहे थे. इस समय प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद मुखबिर ने कार्यभार संभाल लिया है. कार्यकारी राष्ट्रपति कार्यालय दुनियाभर से आये शोक संदेशों को रिसीव करने लगा है, जिसमें पीएम मोदी की तरफ़ से भेजा मैसेज भी है.

• बोधि-वृक्ष | आचार्य तुलसी

अहिंसा का आलोक

हमारे गांव में एक फकीर घूमा करता था. उसकी सफेद लम्बी दाढ़ी थी और हाथ में एक मोटा डण्डा रहता था. चिथड़ों में लिपटा उसका ढीला-ढाला और झुर्रियों से भरा बुढ़ापे का शरीर. कंधे पर पेबंदों से भरा झोला लिये रहता था. वह बार-बार उस गठरी को खोलता, उसमें बड़े जतन से लपेटकर रखी, रंगीन कागज की गड्डियों को निकालता, हाथ फेरता और पुनः थैले में रख देता. जिस गली से वह निकलता और जहां भी रंगीन कागज दिखता, वह बड़ी सावधानी से उसे उठा लेता, कोने सीधे करता, तह कर हाथ फेरता और उसकी गड्डी बना कर रख लेता. फिर वह किसी दरवाजे पर बैठ जाता और कागजों को दिखाकर कहा करता, ₹ये मेरे प्राण हैं.₹ कभी कहता, ₹ये रुपये हैं. इनसे गांव के गिर रहे, अपने किले का पुनर्निर्माण कराऊंगा.₹ फिर अपनी सफेद दाढ़ी पर हाथ फेरकर स्वाभिमान से कहता, ₹उस किले पर हमारा झंडा फहरेगा और मैं राजा बनूंगा.₹ गांव के बालक उसे घेरकर खड़े हो जाते, उस पर हंसा करते. वयस्क और वृद्ध लोग भी उसकी खिल्ली उड़ाते. कहते, ₹पागल है, तभी तो रंगीन रद्दी कागजों से किले बनवाने की बात कर रहा है.₹ मुझे अनुभूति हुई कि हम भी तो वही करते हैं. उस फकीर की तरह, हम भी रंग बिरंगे कागज संग्रह करने में व्यस्त हैं, उनसे किले बनाने के दिवास्वप्न में मस्त है. पागल तो हम है, जिन सुखों के पीछे बेतहाशा भाग रहे हैं, अन्ततः वह सुख तो हमें मिलता ही नहीं. सारे ही प्रयास निरर्थक स्वप्न ही साबित होते हैं. यह फकीर जैसे हम संसार के प्राणियों से कहता है, ₹तुम सब पागल हो, जो माया में लिप्त, तरह-तरह के किले बनाते हो और सत्ता के सपने देखते रहते हो, इतना ही नही, मोहासक्त तुम अपने पागलपन को बुद्धिमत्ता समझते हो₹ ऐसे फकीर हर गांव-शहर में घूमते हैं, किन्तु हमने अपनी आंखों पर आसक्ति की पट्टी बांध रखी है और कान मोह मद से बंद कर लिये हैं. इसी से न हम यथार्थ को देख पाते हैं, न समझ पाते हैं. वास्तव में पागल वह नहीं, हम हैं. आसक्ति की मृगमरीचिका ने हमें पागल बना रखा है. काफी समय तक तो हमें पता ही नहीं रहता कि जिसे हम जलाशय समझ कर भाग रहे हैं, वहां यथार्थ में तपती धरती है, जहां पहुंचने के बाद पता चलेगा कि वह जलाशय उतनी ही दूरी पर आगे हैं. हम दौड़ लगाते रहते हैं और दौड़ते-दौड़ते रेगिस्तान में प्यासे मृग की तरह अंततः दम तोड़ देते हैं.

चौंकाने वाले हो सकते हैं चुनावी नतीजे

• सियासत

प्रेमकुमार मणि

भारत की जनता के मिजाज और उसके राजनीतिक रुझान को समझना प्रायः मुश्किल रहा है. पिछले पचास साल से अधिक के अनुभव के आधार पर कह रहा हूं, यहां की सामान्य जनता युनिवर्सिटियों के विद्वानों और अख़बारों के राजनीतिक-विश्लेषकों से कुछ मामले में अधिक होशियार है. वह चाणक्य और मेकियावेली को नहीं जानती और न ही लोकतंत्र और संविधान के पेंचो-ख़म से परिचित है. उसे तो बस वोट देना आ गया है और वह जानती है कि हमें किसे देना चाहिए. यह ठीक है कि वह जाति-बिरादरी के अवलेप से भी अलग नहीं है, किन्तु वह जातिवादी है, ऐसा नहीं कहा जा सकता. वह इनके फन्दों को तोडना भी जानती है. उसने नेहरू, इंदिरा, जेपी, वीपी, अटल, सोनिया, मोदी सबको तब खड़ा किया, जब वे मुश्किल दौर में थे. जब उनमें गुमान आया, तब उनके कान भी उमेठे. मैं पहली बार 1971 में मैं सीपीआई का पोलिंग एजेंट बना था. उम्र अठारह साल से कम थी. वोटर होने की उम्र तब इक्कीस साल होती थी. लेकिन पोलिंग एजेंट बन सकता था. इस तरह वोटर बनने से पहले ही मैं चुनाव प्रक्रिया से जुड़ चुका था. उस समय मेरे इलाके से कम्युनिस्ट उम्मीदवार रामावतार शास्त्री थे, जिनका मुकाबला जनसंघ के कैलाशपति मिश्रा से था. मैं दोनों से परिचित था. इसलिए कि मेरे पिता भी कांग्रेस के नेता थे. वह समय कांग्रेस केलिए मुश्किल भरा था. दल का विभाजन हो गया था. अलग हुए कांग्रेस को संघटन कांग्रेस कहा जाता था. कांग्रेस का पारम्परिक चुनाव चिह्न जोड़ा बैल किसी को नहीं मिला. इंदिरा कांग्रेस जिसके अध्यक्ष जगजीवन राम थे, का नया चुनाव चिह्न गाय और बछड़ा था. इंदिरा के विरुद्ध तगड़ा मोर्चा था. भारतीय क्रांति दल, जार्ज के नेतृत्व वाले सोशलिस्ट पार्टी, जनसंघ और दूसरे अनेक दलों ने एक साथ मिल कर ग्रैंड अलायंस बनाया था, जो भारी-भरकम राजनीतिक फ्रंट दीखता था. विपक्ष का जोरदार नारा था इंदिरा हटाओ. इंदिरा गांधी ने कहा था गरीबी हटाओ. ऐसा लगता था इंदिरा गांधी हार जाएगी, लेकिन जब रिजल्ट आया, उन्हें दो तिहाई बहुमत मिला. 1977 में बेशक इंदिरा गांधी के खिलाफ जबरदस्त हवा थी और पूर्व अनुमान था, वह चुनाव हार जाएंगी, लेकिन जैसी हार हुई, इसका अनुमान शायद ही किसी को था. मसलन किसी को यह उम्मीद नहीं थी कि वह स्वयं राजनारायण से चुनाव हार जाएंगी. 1980 में भी मुझे हैरानी हुई थी. ठीक है जनता पार्टी में टूट हो गई थी, लेकिन टूट तो कांग्रेस में भी हुई थी. 1977 में दक्षिण भारत में कांग्रेस को नुकसान नहीं हुआ था. लेकिन अब वहां के तमाम नेता इंदिरा से अलग थे. दस साल में कांग्रेस का यह दूसरा बड़ा विभाजन था. उत्तर भारतीय राजनीति में पिछड़े वर्गों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था बिहार और उत्तरप्रदेश में कर्पूरी ठाकुर और रामनरेश यादव की सरकारों ने किया था. इसका असर था. बिहार के उपचुनावों में मैंने देखा था कि कर्पूरी ठाकुर का प्रभाव बहुत बढ़ा है. किसी को शायद ही अनुमान था कि इंदिरा इतने शानदार ढंग से आ रही हैं. लेकिन वह दो तिहाई बहुमत के साथ आईं. 1984 में कांग्रेस की जीत अप्रत्याशित नहीं थी, 400 पार का आंकड़ा हैरान करने वाला जरूर था. हैरान करने वाला था 2004 का चुनाव. भाजपा अत्यधिक आत्मविश्वास में थी. सबको याद होगा, तय वक़्त से छह माह पहले चुनाव कराने का निर्णय अटल बिहारी सरकार ने इसीलिए लिया था कि उसे विश्वास था देश फील गुड के मूड में है. इंडिया शाइनिंग का शोर था और कांग्रेस इस बार भी टूटी-बिखरी हुई थी. सोनिया गांधी पर विदेशी मूल के होने का जोरदार प्रचार था. इस प्रचार में केवल भाजपा नहीं, बल्कि उससे अधिक मुलायम, अमर सिंह, जार्ज, शरद जैसे समाजवादी और शरद पवार, पीए संगमा जैसे कांग्रेसी भी शामिल थे. लेकिन जब नतीजे आए तब भाजपा गठबंधन बुरी तरह हार चुका था. इस बार, यानी 2024 के इस चुनाव में चाहे प्रधानमंत्री मोदी जितनी डींग हांक लें, मुझे एहसास हो रहा है कि देश की जनता कुछ चौंकाने वाला परिणाम दे सकती है. इसमें कोई शक नहीं कि कांग्रेस और उसके नेता लगातार गलतियां कर रहे हैं और उसके दूसरे सहयोगी भी कुछ सीखने केलिए तैयार नहीं हैं. वे पुराने हथियारों और रणनीति से ही चुनाव लड़ रहे हैं. इन लोगों ने काहिल-जाहिल-नालायक उम्मीदवारों की फ़ौज उतारी हुई है. लेकिन , ऐसा लगता है जनता ने कमान अपने हाथ में ले ली है. वक़्त आने पर वह गोबर-गणेश पूजना भी जानती है.

> भाजपा अत्यधिक आत्मविश्वास में थी. सबको याद होगा, तय वक़्त से छह माह पहले चुनाव कराने का निर्णय अटल बिहारी सरकार ने इसीलिए लिया था कि उसे विश्वास था देश फील गुड के मूड में है. इंडिया शाइनिंग का शोर था और कांग्रेस इस बार भी टूटी-बिखरी हुई थी. सोनिया गांधी पर विदेशी मूल के होने का जोरदार प्रचार था.

खटाखट-फटाफट की सतही राजनीति

• विमर्श

विश्वनाथ सचदेव

चुनावों का मौसम अभी चल रहा है. कुछ ही दिन में चुनाव के परिणाम भी आ जाएंगे, नई सरकार बन जायेगी, लेकिन मौजूदा हालात चिंता बढ़ानेवाले हैं. देश के राजनीतिक नेतृत्व ने इस चुनाव-प्रचार के दौरान नई गिरावट को छूने का जैसे एक रिकॉर्ड बनाया है. विभिन्न दलों के राजनेताओं में जैसे प्रतियोगिता चल रही थी घटिया राजनीति का उदाहरण प्रस्तुत करने की. हमारी राजनीति सिद्धांतों और मूल्यों के बजाय जुमलों में सिमट कर रह गयी है. जुमले की भी एक नयी परिभाषा ईजाद की है हमारे नेताओं ने– आप चाहें तो इसे 'लफ्फाजी' नाम दे सकते हैं. था कोई जमाना जब हमारे देश में चुनाव की तुलना यज्ञ से की जाती है. दूसरे आम चुनाव की बात है. चुनावी सभाओं में एक कविता सुनाई देती थी– 'ओ मतदाता, तुम भारत के भाग्य-विधाता/ राजसूय सम भारत के हित/ यह चुनाव है होने जाता/ कागज का यह नन्हा-टुकड़ा भारत माता का संबल है/ वोट नहीं है तेरे कर में, महायज्ञ-हित तुलसी दल है.' आज हमारे राजनेता उस तुलसीदल के लिए झूठ और फरेब का सहारा ले रहे हैं. त्रासदी तो यह भी है कि जो जितना बड़ा नेता है, वह उतना बड़ा झूठ बोल रहा है. घटिया बोलों की एक प्रतिस्पर्धा चल रही है. किसी भी प्रकार के शर्म या लिहाज़ के लिए हमारी राजनीति में जैसे कोई जगह नहीं बची. हमारे नेता यह मानकर चल रहे हैं कि हल्की-फुल्की बातों से मतदाता को बरगलाया जा सकता है. ताजा उदाहरण 'खटाखट' वाली राजनीति का है. कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने एक चुनावी सभा में 'खटाखट-खटाखट' का प्रयोग क्या किया, राजनेताओं को जैसे नया खिलौना मिल गया. राहुल गांधी ने कहा था, 'मोदी अपने धनवान मित्रों को पैसा दे रहे हैं, पर मैं पैसा आपको दूंगा खटाखट-खटाखट. यहां खटाखट से उनका आशय तेजी से पैसा देना था. प्रधानमंत्री मोदी को यह शब्द पसंद आ गया और दूसरे ही दिन उन्होंने एक चुनावी सभा में 'खटाखट' शब्द के माध्यम से राहुल गांधी का मज़ाक उड़ाने का अभिनय किया. खटाखट शब्द में कहीं कुछ ग़लत नहीं है. वैसे ही जैसे 'दीदी, ओ दीदी' कहना कहीं से ग़लत नहीं लगता. पर पिछले चुनाव में जिस तरह 'ओ दीदी' उचारा गया था, उसे भद्र भाषा का उदाहरण तो नहीं कहा जा सकता. इस खटाखट शब्द की भी जिस तरह नकल उतारी गयी, उसे हास्यास्पद तो कहा ही जा सकता है! राहुल गांधी ने अपने भाषण में देश की हर गरीब महिला के बैंक खाते में 8500 रुपये खटाखट जमा करवाने की बात कही थी. प्रधानमंत्री जी ने इस खटाखट शब्द से उनका मज़ाक उड़ाया जो खटाखट पैसा देने की बात कर रहे थे. मतदाताओं को अपने नेताओं से कुछ गंभीर आचरण की अपेक्षा भी होती है. लेकिन हमारे नेता तो मतदाता को बच्चों की तरह रिझाने में विश्वास करते हैं! प्रधानमंत्री मोदी न जाने कब से देश के मतदाताओं को पांच किलो अनाज से रिझा रहे हैं. पहले देश के अस्सी करोड़ गरीबों को कुछ अर्से के लिए प्रतिमाह पांच किलो अनाज दिया गया था, फिर चुनाव से ठीक पहले यह कह दिया गया कि अगले पांच साल तक यह खैरात बंटती रहेगी. अब कांग्रेस के अध्यक्ष ने कहा है कि यदि उनकी सरकार बनती है तो वह पांच किलो के बजाय दस किलो अनाज प्रति माह देंगे. यही नहीं, यह बात कहीं इस तरह से कही जाती है मानो प्रधानमंत्री अथवा विपक्ष के नेता अपनी जेब से खर्च करके मतदाता को अनुगृहीत कर रहे हैं! लाभार्थी नाम दिया गया है सरकारी सहायता पाने वालों को. इसी तरह 'रेवड़ी बांटने' की बात भी हुई थी. सत्ताधारी पक्ष जनता को अनुदान देने को कल्याणकारी कार्य बताता है और विपक्ष की सरकारों को 'रेवड़ियां' न बांटने की सलाह देता है. चुनाव-प्रचार के इस सोच पर सवाल उठना ही चाहिए. सवाल इस बात पर भी उठाना चाहिए कि पंथ-निरपेक्ष देश में धर्म के नाम पर वोट मांगने की इजाज़त कैसे दी जा रही है? अयोध्या में बने राम मंदिर पर 'बाबरी ताला' लगाये जाने के षड्यंत्र की बात का आखिर क्या मतलब है? कैसे कोई राजनेता यह कह सकता है कि, 'तुम्हारे' मंगलसूत्र भी उनको दे दिये जाएंगे? यह 'तुम्हारे' कह कर किसे संबोधित किया जा रहा है और यह 'उनको' का क्या मतलब है? हमारे संविधान-निर्माताओं ने बहुत सोच-समझ कर देश को धर्म-निरपेक्ष घोषित किया था. विभाजन के समय देश में जो परिस्थितियां बन गयी थीं, उन्हें देखते हुए आसान नहीं था इस प्रकार का निर्णय लेना. संविधान-सभा में इस सबको लेकर पर्याप्त विचार-विमर्श हुआ था और पाकिस्तान को मुस्लिम राष्ट्र घोषित किये जाने के बावजूद हमने देश को धर्मनिरपेक्ष रखने का निर्णय लिया था. वस्तुतः यह निर्णय मानवता के पक्ष में लिया गया था.

> सत्ताधारी पक्ष जनता को अनुदान देने को कल्याणकारी कार्य बताता है और विपक्ष की सरकारों को 'रेवड़ियां' न बांटने की सलाह देता है. चुनाव-प्रचार के इस सोच पर सवाल उठना ही चाहिए. सवाल इस बात पर भी उठाना चाहिए कि पंथ-निरपेक्ष देश में धर्म के नाम पर वोट मांगने की इजाज़त कैसे दी जा रही है?

मीडिया में अन्यत्र

चुनाव आयोग की साख का सवाल

18वीं लोकसभा के लिए हो रहे आम चुनावों के बीच कलकत्ता हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग पर एक सख्त टिप्पणी की है. भाजपा के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस की शिकायत पर समय रहते हुए कार्रवाई न करने को लेकर हाईकोर्ट के जस्टिस सब्यसाची भट्टाचार्य ने कहा है कि यह अदालत आश्चर्यचकित है कि चुनाव खत्म होने के बाद शिकायतों का समाधान तय समय में करने में भारत का चुनाव आयोग विफल हुआ है. यह अदालत निषेधाज्ञा आदेश (स्टे) पारित करने के लिए बाध्य है. गौरतलब है कि भाजपा ने बंगाल के कुछ क्षेत्रीय समाचार पत्रों में विज्ञापन दिया था, जिनमें एक में तृणमूल कांग्रेस को भ्रष्टाचार की जननी और दूसरे में सनातन विरोधी कहा गया था. टीएमसी ने इस पर चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज करते हुए कहा था कि ये विज्ञापन अपमानजनक, झूठे थे और मतदाताओं से धार्मिक आधार पर वोट करने की अपील करते थे. भाजपा के आपत्तिजनक विज्ञापनों को लेकर टीएमसी ने 4 मई को केंद्रीय चुनाव आयोग से शिकायत की थी. लेकिन जब चुनाव आयोग से समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की गई तो फिर टीएमसी इस मामले को लेकर अदालत में गई, जहां आदेश में कोर्ट ने कहा कि 'साइलेंस पीरियड' (चुनाव से एक दिन पहले और मतदान के दिन) के दौरान भाजपा के विज्ञापन आदर्श आचार संहिता और टीएमसी के अधिकारों और नागरिकों के निष्पक्ष चुनाव के अधिकार का भी उल्लंघन थे. अदालत ने आदेश जारी करते हुए कहा- टीएमसी के खिलाफ लगाए गए आरोप और प्रकाशन पूरी तरह से अपमानजनक हैं और निश्चित रूप से इसका उद्देश्य प्रतिद्वंद्वियों का अपमान करना और व्यक्तिगत हमले करना है. स्वतंत्र, निष्पक्ष और बेदाग चुनाव प्रक्रिया के लिए, भाजपा को अगले आदेश तक ऐसे विज्ञापन प्रकाशित करने से रोका जाना चाहिए. आश्चर्य की बात है कि स्वतंत्र और पारदर्शी चुनाव कराने का दायित्व चुनाव आयोग का है, लेकिन उसकी निष्क्रियता के कारण अदालत को यह बीड़ा भी उठाना पड़ रहा है. टीएमसी का मामला जब अदालत में चला गया, तब जाकर आयोग शनिवार 18 मई को सक्रिय हुआ. इसके बाद पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार को उनकी पार्टी द्वारा कथित तौर पर टीएमसी को निशाना बनाने वाले विज्ञापनों पर दो अलग-अलग कारण बताओ नोटिस जारी किए. आयोग ने भाजपा नेता को मंगलवार शाम 5 बजे तक अपना जवाब देने को कहा है. हालांकि अब इस कार्रवाई का कोई अर्थ नहीं रह जाता है. इस पूरे प्रकरण से चुनाव आयोग की किरकिरी तो हुई ही है, लेकिन लोकतांत्रिक चुनावों को लेकर चिंताएं भी बढ़ गई हैं. **(देशबंधु)**

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

फटकना/भटकना

इधर-उधर चाहे जितना भी भटकना होगा, भटकूंगा, लेकिन तुम्हारे दरवाजे पर कभी नहीं फटकूंगा. इस वाक्यों में वर्तनी के थोड़े से अंतर से बनने वाली दो अकर्मक क्रियाओं से सामना होता है. एक है फटकना और दूसरा भटकन. अर्थ के दृष्टिकोण से देखा जाये तो इनमें कोई समानता नहीं है. तीनों क्रियाएं अपना स्वतंत्र अस्तित्व रखती हैं, लेकिन इनका चमत्कारिक अर्थ तभी स्पष्ट होता है, जब इनका प्रयोग वाक्यों में होता है.हिंदी शब्द सागर के अनुसार फटकना अनेकार्थक क्रिया है. वैसे तो इनका प्रयोग हिंदीभाषी सहज और स्वाभाविक ढंग से करते हैं, लेकिन अगर नासमझी से इनका गलत प्रयोग होता है तो ये अपने वास्तविक अर्थ से अलग होकर निरर्थक हो जाते हैं. शब्दकोश के अनुसार फटकना शब्द का अर्थ है जाना, पहुंचना. प्रेम सागर में कहा है- कृष्ण हैं, ऊधव हैं, पर ब्रजवासी उनके निकट फटकने नहीं पाते. फटकना का मतलब है दूर होना, अलग होना. सूरदासजी ने कहा है एहिं परनि परे खग ज्यौं हरि रूप मांझ लटके, मिले जाइ हरदी चूना ज्यों फिर न सूर फटके. इसका मतलब तड़फड़ाना, हाथ पैर पटकना, श्रम करना, हाथ पैर हिलाना भी होता है. गांवों से लेकर शहर तक, अनपढ़ों से लेकर विद्वानों तक फटकना शब्द का यह मतलब तो जानते ही हैं कि सूप पर अन्न आदि को हिलाकर साफ करने या अन्न आदि के कूड़ा-कर्कट निकालने को भी फटकना ही कहा जाता है. हिला कर फट-फट शब्द करना, फेंकना, चलाना, मारना फटकना, रूई आदि को फटके से धुनना क्रिया के अन्य अर्थों में शामिल हैं. इसी प्रकार की अकर्मक क्रिया है भटकना. इसका मतलब है व्यर्थ ही इधर-उधर धूमना, रास्ता भूल जाने के कारण इधर-उधर घूमना, किसी को खोजने में इधर-उधर घूमना, चूक जाना, भ्रम में पड़ना. भटकना का सकर्मक क्रिया रूप है भटकाना. इसका मतलब है, ऐसा रास्ता बताना जिससे आदमी भटक जाये यानी अपनी मंजिल तक नहीं पहुंच पाये. जो अपनी राह से भटक जाता है, उसे भटका कहते हैं.

काश, हमारे पास भी एक दुम होती!

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

दुम एक ऐसी चीज़ है जो अधिकतर प्राणियों में पाई जाती है. इसे पूंछ या पुच्छ भी कहते हैं. शायद इसलिए कि यह पशुओं के पीछे की ओर (पुच्छ) रहती है. बन्दर, कुत्ता, बिल्ली इत्यादि सभी पशुओं के पूंछ, या कहें, दुम होती है. किसी के छोटी होती है तो किसी के बड़ी होती है. हाथी एक बहुत बड़ा जानवर है, लेकिन उसकी पूंछ उसके शरीर की अपेक्षा से बहुत छोटी होती है. लंगूर उसके मुकाबले एक छोटा जानवर है, लेकिन अपेक्षा-कृत उसकी पूंछ बड़ी लम्बी होती है. जानवर की लम्बाई चौडाई से उसकी पूंछ का कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं होता. किसी की पूंछ सीधी होती है तो किसी की सीधी नहीं होती. किसी की दुम के आखिर में बड़े बड़े बाल होते हैं तो किसी के नहीं होते. कहते हैं कि कुत्ते की दुम, जब तक वह पागल ही न हो जाए, हमेशा टेंडी ही रहती है. आदमी की पूंछ नहीं होती. वैज्ञानिकों का कहना है कि हो सकता है कभी इंसान के भी पूंछ रही हो, किन्तु विकास-क्रम में वह विलुप्त हो गई. भले ही इंसान के एक अदद पूंछ न हो लेकिन वह पूंछ के सारे काम बाकायदा करता है. उसने अपनी दुम के कार्यों को अन्यान्य इन्द्रियों को वितरित कर दिया है. कुत्ता जब खुश होता है, अपनी दुम हिलाने लगता है. आदमी खीसें निपोरता है. कुत्ता चापलूसी करते वक्त भी अपनी दुम हिलाता है. आदमी ज़बान हिलाता है. लगता है आदमी की दुम उसके मुंह और ज़बान में समा गई है. आदमी की दुम भले ही नष्ट हो गई हो, लेकिन अपनी पूंछ के न रहने का दर्द उसे अभी तक सालता है. वह गाहे-बगाहे उसकी याद करता रहता है. अपनी वार्ता में वह दुम संबंधी गालियां बकता है – उल्लू की दुम, कुत्ते की दुम इत्यादि. माना कि हमने दुम के अभाव की पूर्ति अन्य कई और तरीकों से कर ली है लेकिन इससे हम असली दुम से तो फिर भी वंचित ही रह गए ना ! सोते-जागते, उठते-बैठते, बस इसी बात की इक हूक-सी दिल में उठती है – काश हमारी भी एक दुम होती ! सच कहते हैं, यदि हमारे पीछे भी कोई दुम होती तो हम भी हनुमान जी से कतई पीछे न रहते. हनुमान जी की दुम का तो कहना की क्या ? राम भक्त हनुमान जहां राम के प्रति अपनी उत्कट भक्ति के लिए जाने जाते हैं वहीं वे अपनी पूंछ के लिए भी विख्यात हैं. अपनी इसी दुम के सहारे उन्होंने सारी लंका में ही आग लगा दी. रावण का इरादा उसकी पूंछ में आग लगा कर हनुमान की दुर्गति कर उसे प्रताड़ित करने का था, लेकिन हो गया उलटा ही. हनुमान की दुम में आग क्या लगी, लंका का ही दहन हो गया. रावण बेचारा तापता ही रह गया.

धर्म अध्यात्म

25 मई से शुरू नौतपा

सूर्य देव का रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश होते ही नौतपा प्रारंभ

वर्ष का नौ दिन सबसे अधिक गर्मी वाला होता है अर्थात सूर्य नौ दिनों तक पृथ्वी के कुछ भाग को मानसून से पहले तपता है जिससे अच्छा मानसून हो इसे नौतपा कहते है. इस वर्ष यह नौतपा सूर्य के कृतिका नक्षत्र से रोहिणी नक्षत्र में जाने से 25 मई से आरंभ होगा. सूर्य जेष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि को रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगें 8 जून तक यही रहेंगे. इन दिनों के आरंभ से नौ दिनों तक बहुत अधिक गर्मी रहती है जो नौतपा है. नौतपा के दौरान सूर्य की किरणें सीधे धरती पर पड़ती है. नौतपा के समय सूर्य पृथ्वी के सबसे नजदीक होता है. इस कारण भीषण गर्मी पड़ती है. पर इस वर्ष शुक्र और गुरु के तारा अस्त होने से इसका प्रभाव कम होगा. नौतपा के सारे दिन गर्मी रहे तो अच्छी बारिश होती है.

आचार्य प्रणव मिश्रा

- **बेहतर बारिश के आसार**

रोहिणी नक्षत्र का स्वामी चंद्रमा हैं जो चंद्रमा सौम्य और शीतलता का प्रतीक हैं. सूर्य जब चंद्रमा के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं तो चंद्रमा को अपने प्रभाव में ले लेते हैं इस दौरान आंधी और तूफान आने लगता है. इस नौतपा के दौरान मंगल अपने स्वराशि मेष में रहेंगे. नौतपा के बाद 5, 6, 7 जून को सूर्य, चंद्रमा, बुध, गुरु, शुक्र पांच ग्रही योग बना रहे हैं इसके प्रभाव से गर्मी के साथ साथ मानसून भी अच्छा रहेगा.

- **राहत के ये उपाय**

नौतपा के दौरान महिलाएं हाथ और पैर में मेहंदी लगाती हैं क्योंकि मेहंदी की तासीर ठंड होने से गर्मी से राहत मिलती है. इन दिनों गर्मी से बचने के लिए दूध, दही, मक्खन, नारियल पानी आदि का सेवन स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद रहता है. वराहमिहिर के वृहद संहिता ग्रंथ में उल्लेख है कि ग्रहों के अस्त होने से मौसम में बदलाव होता है.

- **नौतपा में मानसून का गर्भ काल**

सूर्य की गर्मी और रोहिणी नक्षत्र के जल तत्व के कारण और इनका संयोग मानसून का गर्भ काल आ जाता है इसलिए नौतपा को मानसून का गर्भ काल माना जाता है. जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में होता है तो चंद्रमा नौ नक्षत्रों में भ्रमण कर लेते हैं.

- **नौतपा में इनका करें दान**

इन दिनों मौसमी फलों का दान करना चाहिए. घड़े का दान नौतपा में शुभ माना गया है. शरबत, दूध, दही का दान करें. गुड़ और चीनी का दान शुभ फलदाई माना गया है. अन्न का दान करने से आप के रुके हुए और अधूरे कार्य पूर्ण होते हैं.

- **नौतपा और सूर्य का शुभाशुभ प्रभाव**

सूर्य एक आत्मा कारक ग्रह है. इससे आत्म विश्वास बढ़ता है. आधिकारिक और शासकीय क्षेत्र में सफलता सूर्य ही दिलाते हैं. धन हानि और स्थान परिवर्तन सूर्य के कारण ही होता है. जिनकी कुंडली में सूर्य खराब जगह बैठे हैं उन्हें भगवान सूर्य को जल अर्पित करनी चाहिए.

हिंदी कैलेंडर का तीसरा माह ज्येष्ठ आज से प्रारंभ हो रहा है. ज्येष्ठ के स्वामी मंगल हैं और मंगल ग्रह को ज्योतिष शास्त्र में साहस का प्रतीक माना गया है. ज्येष्ठ मास भगवान विष्णु का प्रिय मास है. इस मास में भगवान विष्णु की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है. भगवान विष्णु के चरणों से निकलने वाली पवित्र मां गंगा की अराधना से भी जुड़ा मास है ज्येष्ठ. यमराज के हाथों अपने पति सत्यवान को वापस लाने वाली सावित्री की कथा इसी माह में विवाहिताएं सुनती हैं, व्रत करती हैं और सूर्य के प्रचंड रूप से बचाव के लिए बरगद जैसे वृक्ष का आसरा ढूंढती हैं. बांस के पंखे, भिंगोए चने और मौसम अनुकूल फल के जरिए प्रकृति की उग्रता को शांत करने का प्रयत्न करती हैं. ज्येष्ठ मास हनुमान जी को बहुत प्रिय है, क्योंकि श्रीराम से हनुमान जी की पहली मुलाकात इसी महीने में हुई थी. आइए, ज्येष्ठ माह के आध्यात्मिक महत्व के साथ इस महीने के पर्व-त्यौहार और व्रत-विधान के बारे में जानकारी हासिल करें-

आचार्य अजय मिश्रा

गोमेध और अश्वमेध यज्ञ का लाभ

ज्येष्ठ माह में भगवान विष्णु की पूजा का विशेष महत्व है. खासकर इस मास के गुरुवार, एकादशी, द्वादशी और पूर्णिमा को व्रत रखकर भगवान विष्णु के त्रिविक्रम रूप की आराधना की जानी चाहिए. मान्यता है कि इससे गोमेध यज्ञ का फल मिलता है. भगवान विष्णु को पीले फल, मिष्टान व तुलसी पत्र का भोग लगाएं. दूध व गंगाजल मिलाकर शंख में भरकर अभिषेक करें. जरुरतमंद को दान दें. ज्येष्ठ महीने की पूर्णिमा पर तिल का दान का विशेष महत्व है. मान्यता है कि इससे अश्वमेध यज्ञ का फल मिलता है.

सूर्य उपासना का मास

इस महीने में सूर्य का प्रकोप काफी बढ़ जाता है. इस महीने में सूर्य देव और वरुण देव की पूजा करने का खास लाभ मिलता है. ऋषियों ने गायत्री मंत्र को सूर्य की कृपा प्राप्त करने का मंत्र बताया है.

आज से शुरू हो रहा है ज्येष्ठ मास

तप और साधना का माह है ज्येष्ठ

कब से कब तक ज्येष्ठ माह

ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि 23 मई को 07:22 पीएम से प्रारंभ हो कर 24 मई को 07:24 पीएम पर समाप्त होगी. उदयातिथि के अनुसार, ज्येष्ठ माह की शुरूआत 24 मई से होगी. ज्येष्ठ महीने का समापन 21 जून को ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन होगा.

हनुमान से इसी माह में मिले थे श्रीराम

वनवास पर निकले मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की पत्नी सीता का अपहरण रावण ने छल से कर लिया था. वन में भ्रमण करते जब श्रीराम की मुलाकात मतंग ऋषि के आश्रम में सबरी से हुई, तो सबरी ने सुग्रीव का पता श्रीराम को बताया. जब वे ऋष्यमूक पर्वत पर आये, तो उनकी पहली मुलाकात हनुमान जी से ज्येष्ठ के महीने में ही हुई थी. हनुमान जी से मिलकर श्रीराम बहुत प्रभावित हुए. छोटे भाई लक्ष्मण से कहा हनुमानजी को प्रणाम करने का निर्देश दिया. धर्मग्रंथों में उल्लेख भी है कि हनुमान जी ने सूर्य को निगल लिया था. इसका आशय यही है कि हनुमान जी ने सूर्य की रश्मियों से निकलने वाली ऊर्जा को ग्रहण किया.

धरती पर आईं गंगा

इसी महीने के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को अपने साठ हजार पूर्वजों को तृप्त करने के लिए कठोर तपस्या से भगवान शंकर को रिझाकर राजा भगीरथ गंगा जी को धरती पर लाये थे. इस दिन गंगा दशहरा मनाने की परंपरा है. जगत की धात्री मां गंगा की पूजा-उपासना की जाती है. इसके लिए साधक ब्रह्म बेला से पवित्र गंगा नदी में आस्था की डुबकी लगाते हैं.

पूजा-ध्यान से दिन की शुरुआत

ज्येष्ठ मास में सूर्योदय अपेक्षाकृत पहले होता है. संभव हो तो सूर्योदय से पहले उठकर स्नानआदि करें. तांबे के पात्र में जल भर कर ॐ सूर्याय नमः मंत्र का जप करते हुए उगते सूर्य को अर्घ्य दें. फिर घर के मंदिर में अपने इष्टदेव की आराधना करें. कुछ देर दोनों आंखें बंद करके अपना ध्यान दोनों भौंहों के बीच आज्ञा चक्र पर लगाएं. इस दौरान सांस की गति सामान्य रखें.

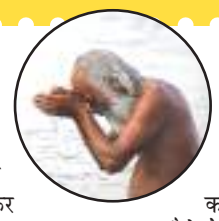

दान का विशेष महत्व

ज्येष्ठ मास में दान-पुण्य करने का विशेष महत्व बताया गया है. प्यासे को पानी पिलाने के लिए मटके का दान, प्याऊ का निर्माण आदि कर सकते हैं. अनाज, जूते-चप्पल, कपड़े, तिल, अंकुरित चने, बांस के पंखे और छाते का दान भी कर सकते हैं.

वट सावित्री व्रत

वट सावित्री मास का सबसे बड़ा पर्व है जो इस साल 6 जून गुरुवार के दिन है. विवाहिताएं पति की लंबी आयु व सुखद दांपत्य की कामना से इस दिन सावित्री की पूजा करती हैं, सत्यवान-सावित्री की कथा सुनती हैं और बरगद की भी आराधना करती हैं.

शनि जयंती

शनि देव जो सूर्य देव और छाया की संतान हैं, का जन्म वैशाख अमावस्या के दिन हुआ था, इसलिए इस तिथि को शनि जयंती मनाते हैं और शनि देव की पूजा करते हैं. इस साल शनि जयंती भी 6 जून को है.

गायत्री जयंती

वेदों की माता गायत्री की जयंती 17 जून सोमवार के दिन है. इस दिन गायत्री माता की पूजा करते हैं और उनके मंत्र का जाप का विधान है.

इन कामों को करने से बचें

इस महीने में दिन में न सोएं. मसालेदार भोजन का सेवन नहीं करें. संभव हो तो दिन में बस एक बार भोजन करें. लहसुन, राई ,बैंगन व गर्म चीजों का सेवन न करें. कभी किसी प्यासे को बिना पानी पिलाएं द्वार से नहीं लौटाएं. परिवार के बड़े पुत्र या फिर पुत्री का विवाह नहीं करें, खास कर तब जब उनका जन्म इसी मास में हुआ हो. जल व्यर्थ बर्बाद नहीं करें.

चरम सत्य, परम सत्य, अंतिम सत्य

आखिर क्या है यह सत्य, चरम सत्य, अटल सत्य, अंतिम सत्य ? उत्तर की तलाश में हजारों, लाखों लोगों ने सांसारिकता का परित्याग कर वनों, कन्दराओं, गुफाओं, पर्वतों की शरण लीं. गंभीर चिंतन करते रहे. तपस्वी, ऋषि, मुनि, चिंतक, विचारक, दार्शनिक, वैज्ञानिक आदि बनकर लौट आए. निःसन्देह उन्होंने बहुत ज्ञान अर्जित किए, बहुत सारे गूढ़ रहस्यों को सुलझाया, अज्ञान के अंधकार में पड़े मानव जगत में ज्ञान विज्ञान की रोशनी फैलायी. किन्तु यह सवाल आज भी अनुत्तरित है.

विमल किशोर

- **अनसुलझे हैं सवाल**

अध्ययन बताते हैं कि लगभग बहत्तर हज़ार वर्ष पहले हम होमो-सैपियंस, जो संभवतः आज के मनुष्य का सर्वप्रथम विकसित रूप माना गया है, में सोचने समझने की शक्ति का उद्भव हुआ. इंद्रियां थीं, इसलिए, अनुभूतियां भी थीं. क्या, क्यों, कैसे, कब, कहां जैसे प्रश्नों का जन्म और उनके उत्तरों की खोज भी उसी कालखंड में शुरू हुई होंगी. जैसे-जैसे उनके ये प्रश्न बड़े होते गए होंगे और उनके संतोषजनक उत्तरों की तलाश पूरी होती गई होंगी, मनुष्यों में नई चेतना का सृजन और विकास होता गया होगा. प्रश्नों कि श्रृंखला आज तक चली आ रही हैं, उत्तर मिल रहे हैं, नई जागृतियां पनप रही हैं लेकिन अनसुलझे सवालों की आज भी भरमार है. जिन प्रश्नों के उत्तर नहीं मिल पाये है, उनकी कामचलाऊ व्याख्या अपनी अपनी आस्था, विश्वास, अनुमान और मान्यताओं के आधार पर कर ली जाती है पर तलाश रुकती नहीं. हमारी चेतना निरंतर विकसित होती रहती है.

- **अंतिम सत्य क्या-मृत्यु, भौतिकता या चेतनता!**

एक मान्यता है कि मृत्यु अंतिम सत्य है तो फिर इहलोक, परलोक, स्वर्ग, नरक, पारलौकिक संसार क्या है; मोक्ष क्या है, पुनर्जन्म क्या है, आत्मा क्या है, परमात्मा क्या है? सामान्य रूप से देखा जाए तो जीवन चक्र मूलतः दो सांसरिक अवयवों के बीच चलता रहता है. पहली - भौतिकता से जुड़ी चीज़ें अर्थात ऐसी चीज़ें जिनकी अनुभूति हम अपनी इंद्रियों से कर पाते हैं जैसे पदार्थ, हवा, पानी, रोशनी आदि. दूसरी- चैतन्यता, जो हमारी इंद्रियों की अनुभूति से परे हैं जैसे मन, कल्पना , भावना , इच्छा, अनुराग, क्रोध, अहंकार इत्यादि. ये दोनों नितांत अलग अवयव हैं जो एक दूसरे से कभी नहीं मिलते. इन दोनों अवयवों की अलग अलग सत्ता है, अलग अलग स्वतंत्र लोक है. एक का भौतिक अस्तित्व है तो दूसरे में केवल प्रवाह और प्रसार. ना ही मानसिक संवेगों से कोई पदार्थ बनाया जा सकता है ना ही किसी पदार्थ को मानसिक संवेग में बदला जा सकता है. और फिर जब कहा जाता है कि पंचतत्व से बना धरती का हर जीव मृत्यु के उपरांत पुनः पंचतत्व में विलीन हो जाता है, अर्थात पदार्थ पदार्थ में विलीन हो जाता है तो पदार्थ की सत्ता मान ली गई लगती है. संसार की हर चीज़ जब अपना अस्तित्व खोती है तो वह पदार्थ में ही समाहित होती है. इस बात से कहीं ना कहीं से इस मान्यता को बल मिल जाता है कि यह भौतिकता ही परम सत्य है, अंतिम सत्य है. लेकिन इस बात को भी तो झुठलाया नहीं जा सकता कि इन भौतिक चीजों की सार्थकता, उनका महत्व या उनका प्रभाव भी तो तभी तक रहता है जब तक चेतना रहती है क्योंकि चेतना है तो आत्मा है, आत्मा है तो मन है, मन है तो सोच है, सोच है तो समझ है, समझ है तो सांसारिकता है आदि आदि. अर्थात, यदि चैतन्यता ना हो तो कुछ भी नहीं है. जीवन का अंत होता है तो सबसे पहले चेतना ही लुप्त होती है.

- **द्वैतवाद का सिद्धान्त**

तो क्या यह चेतना और उससे जुड़े अवयव ही परम सत्य है, अंतिम सत्य है. या, अंतिम सत्य एक नहीं दो हैं - एक तो पदार्थ, दूसरी चैतन्यता. संभवतः कुछ ऐसे ही चिंतन के आधार पर भारतीय जीवन दर्शन में द्वैतवाद के सिद्धान्त की पृष्ठभूमि बनी. हालांकि, इस द्वैतवाद के सिद्धान्त से जुड़े और भी कई पहलू हैं. इसे ही ज्ञान मार्ग का आरंभिक बिन्दु समझा जाता है. लेकिन अलग अलग भौगोलिक क्षेत्रों में अलग अलग चिंतकों के बीच यह सिद्धान्त सर्वमान्य नहीं हो पाया था, और यह धारणा स्थापित नहीं हो पा रही थी कि परम सत्य या परम सत्ता एक से अधिक हो सकती है. इस अवधारणा के साथ अद्वैतवाद का सिद्धान्त तेजी से विकसित होने लगा और यह माना जाने लगा कि परम सत्य एक ही है, अंतिम सत्ता एक ही है जो सर्वशक्तिमान है, जो सब कुछ नियंत्रित करता है और जिसकी इच्छा से ही सम्पूर्ण ब्रह्मांड का संचालन होता है. इसी सिद्धान्त से निकला भक्तिमार्ग.

- **निराकार या साकार, निर्गुण या सगुण**

यदि अंतिम सत्ता किसी एक की ही है तो वह क्या है, कैसा है, कहां है, मूर्त है या अमूर्त है, साकार है या निराकार है, निर्गुण है या सगुण है ! आदिम काल से चला आ रहा यह प्रश्न आज भी जीवित है. एक दृष्टिकोण यह भी है कि मानव इंद्रियों की अनुभूति की क्षमता सीमित है. देखने की क्षमता, सुनने की क्षमता, सोचने-समझने की क्षमता, कल्पना करने की क्षमता आदि एक सीमा के बाहर नहीं जा पाते. कृत्रिम वैज्ञानिक उपकरणों के माध्यम से इन क्षमताओं को बढ़ाने के कई सफल प्रयास भी हुए और हो रहे हैं पर वहां तक नहीं पहुंचा जा सका है जहां से इस प्रश्न का कोई सर्वमान्य उत्तर मिलने की संभावना हो.

बहरहाल कई युग बीत गए और कई बीत जाएंगे यदि हम ज्ञान मार्ग, जिसके केंद्र में होता है प्रयोग, अवलोकन और निष्कर्ष, पर चल कर इस प्रश्न का उत्तर तलाश करेंगे कि अंतिम सत्य क्या है ? लेकिन भक्ति मार्ग, जिसके केंद्र में होती है आस्था, विश्वास और श्रद्धा पर चल कर हमें तुरत ही पता चल जाता है कि इस प्रश्न का सबसे सटीक उत्तर है- "ईश्वर" जो सर्वव्यापी है, सर्वशक्तिमान है, सर्वगुणसंपन्न है, सर्वसुलभ है और सर्वज्ञानी है. दुनिया भले ही इसे अलग-अलग नामों से जाने पर वही एक सत्य है, वही एक सत्ता है जो अंतिम है.

खुशी संदेश

सही जगह और सही चीज़ों के लिए क्रोध भी जरूरी

मुकेश चौहान

महाभारत में कौरवों की तरफ से भीष्म पितामह सबसे श्रेष्ठ और ज्ञानी थे. लेकिन भीष्म पितामह के जीवन का एक ही पाप था. पितामह ने सही समय पर क्रोध नहीं किया. द्रौपदी चीर हरण के समय भीष्म अपनी आंखों के सामने हो रहे अन्याय और दुर्योधन के पाप कर्म को देखने के बाद भी चुप रहे. वही दूसरी तरफ रामायण में जटायु थे, जिन्होंने सीता हरण के समय रावण पर क्रोध किया. रावण की अपेक्षा कम बलशाली होने के बावजूद देवी सीता को बचाने के लिए रावण से लड़ाई की. समय आने पर मृत्यु दोनों की हुई किन्तु, मरते वक्त भीष्म पितामह को बाणों की शैय्या मिली और जटायु को प्रभु श्री राम की गोद.

लब्बोलुआब यह, क्रोध हमेशा गलत नहीं होता बशर्ते वो सही जगह और सही चीज़ों के लिए किया जाए. जैसे कई बार लाड़-प्यार के चक्कर में बच्चों की गलती होने पर भी मां-बाप उन्हें डांटते नहीं और फिर जब उनका बच्चा हद से ज्यादा बिगड़ जाता है तो इन्हें इस बात का पछतावा होने लगता है. क्रोध बड़ी कीमती चीज है, इसका इस्तेमाल सोच-समझ कर करें.

घर की सजावट में शामिल हो खुशहाली

स्वामी विमलेश
वास्तु विशेषज्ञ

घर की सजावट में हम कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते. पर कई बार जाने अनजाने घर की सजावट के जरिए नकारात्मकता या दुर्भाग्य का प्रवेश हमारी देहरी के भीतर हो जाता है, ऐसी वास्तु शास्त्र की मान्यता है. घर की सजावट में कैसे खुशहाली, सौभाग्य और सकारात्मकता आए, आइए जाने वास्तु व फेंगशुई एक्सपर्ट से ....

सूखे फूलों का उपयोग इन दिनों घर की सजावट के लिए होने लगा है. इसके अलावा प्लास्टिक, कपड़े, कागज आदि के बने फूल भी सजावट के उपयोग में लाए जाते हैं. ये घर में पॉजिटिव एनर्जी के प्रवाह में बाधक हैं.

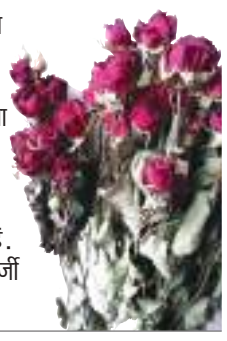

गुलनार का पौधा अपने साथ दुर्भाग्य लाता है. कैक्टस या कांटे वाला पौधा भी घर में लगाने से बचें. संबंध खराब होते हैं. जिन पौधों के तने से दूध निकलते हैं, उन्हें भी घर में नहीं लगाना चाहिए.

टूटा जहाज, रोती स्त्री, रोता बच्चा, युद्ध, डूबता सूरज आदि की पेंटिंग अपने घर की सजावट में शामिल नहीं करें. यह घर में नकारात्मकता और उदासी का माहौल लाती है. मान्यता है कि इससे परिवार टूटते हैं.

झरने, फव्वारे, बारिश, एक्वेरियम, समुद्र आदि की तस्वीर लिविंग रूम तक तो ठीक हैं, पर बेड रूम की सजावट में इन्हें शामिल नहीं करें. यह मानसिक-आर्थिक समस्याओं का कारक बनता है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रीफ खबरें

भारत के अभय और सेंथिल कुमार जीते

दोहा। राष्ट्रीय चैंपियन वेलावन सेंथिलकुमार और एशियाई खेलों के पदक विजेता अभय सिंह ने बुधवार को यहां 53500 डॉलर इनामी प्रतिष्ठित क्यूएसएफ 3 स्क्वाश प्रतियोगिता में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की. यह टूर्नामेंट पीएसए विश्व टूर की ब्रॉन्ज स्तर की प्रतियोगिता है. तमिलनाडु के सेंथिलकुमार ने पहले दौर में स्थानीय दावेदार यूसेफ एसाम फराग को 32 मिनट में 11-7 11-4 11-4 से हराया जबकि उनके हमवतन भारतीय अभय ने पाकिस्तान के मोहम्मद आसिम खान को 38 मिनट में 11-2 11-9 15-13 से शिकस्त दी.

महिला व पुरुष जूनियर हॉकी टीमें पराजित हुईं

ब्रेडा (नीदरलैंड)। भारत की पुरुष और महिला जूनियर हॉकी टीमों को बुधवार को यहां यूरोप के मौजूदा दौरे पर बेल्जियम की टीमों के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा. दोनों टीमों को बेल्जियम के खिलाफ 2-3 के समान अंतर से हार मिली. महिला टीम के लिए दोनों गोल बिनिमा धान ने किए जबकि पुरुष टीम के लिए दोनों गोल कप्तान रोहित (44वें और 57वें मिनट) ने दागे. महिला टीम अगला मैच 24 मई को एंटवर्प में बेल्जियम के खिलाफ खेलेगी जबकि पुरुष टीम को गुरुवार को ही ब्रेडा में ब्रेडेस हॉकी वेरेनिगिंग पुश से भिड़ना है.

जोकोविच जिनेवा ओपन के क्वार्टर फाइनल में

जिनेवा। नोवाक जोकोविच ने अपने 37वें जन्मदिन का जश्न बुधवार को यहां गैर वरीय यानिक हैंफमैन को सीधे सेटों में हराकर जिनेवा ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच कर मनाया. दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के जोकोविच ने हैंफमैन को 6-3, 6-3 से हराया जो एटीपी टूर्नामेंटों में उनकी 1100 वीं जीत है. जोकोविच दूसरे सेट में एक समय 0-3 से पिछड़ रहे थे लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार छह गेम जीतकर सेट और मैच अपने नाम किया. हैंफमैन ने पहले दौर में एंडी मरे को 7-5, 6-2 से हराया था.

इंग्लैंड-पाकिस्तान टी20 मैच बारिश की भेंट चढ़ा

लीड्स (यूके)। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच बुधवार को बारिश के कारण हेडिंग्ले में एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिया गया. दोनों टीमें चार मैचों की इस श्रृंखला को अगले महीने वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले अभ्यास के तौर पर देख रही हैं. इंग्लैंड गत चैंपियन है. बुधवार को मैच रद्द होना इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के लिए दुर्भाग्यपूर्ण रहा जिन्हें चोट के कारण लंबे समय से बाहर रहने के बाद अपनी फिटनेस साबित करने के लिए खेलने का समय चाहिए.

फुगे सेमीफाइनल में, रिकर्व में मिली निराशा

येचियोन (दक्षिण कोरिया)। युवा कम्पाउंड तीरंदाज प्रथमेश फुगे ने गुरुवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जबकि पुरुष और महिला रिकर्व टीमों को पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा. एशियाई खेलों की मौजूदा चैम्पियन ज्योति सुरेखा वेनाम कम्पाउंड महिला व्यक्तिगत क्वार्टरफाइनल में सारा लोपेज से 142-145 से हार गयीं. ज्योति ने पिछले महीने शंघाई में पहले चरण में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगायी थी. फुगे ने 2021 विश्व चैम्पियन और दुनिया के छठे नंबर के निको वेनर को 146-145 से मात देकर उलटफेर किया.

खुलासा : ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज ने कहा, भारत के मुख्य कोच के पद के लिए उनसे संपर्क किया गया था

पोंटिंग ने मुख्य कोच का प्रस्ताव ठुकराया, कहा- जीवनशैली में फिट नहीं बैठता

एजेंसी। नयी दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज रिकी पोंटिंग ने खुलासा किया है कि जल्द ही खाली होने वाले भारत के मुख्य कोच के पद के लिए उनसे संपर्क किया गया था, लेकिन उन्होंने इस पेशकश को अस्वीकार कर दिया क्योंकि यह अभी उनकी जीवनशैली में फिट नहीं बैठता. हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल फ्रेंचाइजी के मुख्य कोच के रूप में सात सत्र पूरे करने वाले पोंटिंग इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के अंतरिम टी20 कोच रह चुके हैं.

> *10 या 11 महीने की नौकरी है, और मैं इसे करना चाहता हूं, यह अभी मेरी जीवनशैली और उन चीजों में फिट नहीं बैठता है जिन्हें मैं वास्तव में करना पसंद करता हूं.*

उन्होंने यह नहीं बताया कि भारतीय कोच के पद के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से कोई सुझाव आया था या नहीं. पोंटिंग ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा, आईपीएल के दौरान कुछ आमने-सामने की बातचीत हुई थी, ताकि पता चल सके कि इस पद में मेरी दिलचस्पी है या नहीं.

उन्होंने कहा, मैं राष्ट्रीय टीम का सीनियर कोच बनना पसंद करूंगा लेकिन मेरे जीवन में अन्य चीजें हैं और मैं घर पर कुछ समय बिताना चाहता हूं... हर कोई जानता है कि अगर आप भारतीय टीम के साथ काम करोगे तो आप आईपीएल टीम में शामिल नहीं हो सकते.पोंटिंग ने कहा, इसके अलावा राष्ट्रीय मुख्य कोच साल में 10 या 11 महीने की नौकरी है, और मैं इसे करना चाहता हूं, यह अभी मेरी जीवनशैली और उन चीजों में फिट नहीं बैठता है जिन्हें मैं वास्तव में करना पसंद करता हूं. पोंटिंग ने कहा कि उन्होंने अपने बेटे के साथ इस प्रस्ताव पर चर्चा की और वह भारत आने के लिए तैयार लग रहा था.

उन्होंने कहा, मेरे परिवार और मेरे बच्चों ने पिछले पांच सप्ताह आईपीएल में मेरे साथ बिताए हैं और वे हर साल यहां आते हैं और मैंने अपने बेटे को इसके बारे में बताया. पोंटिंग ने कहा, मैंने कहा, पापा को भारतीय कोच की नौकरी की पेशकश की गई है और उसने कहा, बस इसे स्वीकार कर लीजिए पापा, हम अगले कुछ वर्षों के लिए वहां जाना पसंद करेंगे. उन्होंने कहा, वे वहां रहना और भारत में क्रिकेट की संस्कृति को कितना पसंद करते हैं लेकिन अभी यह शायद मेरी जीवनशैली में पूरी तरह से फिट नहीं बैठता. कुछ अन्य हाई प्रोफाइल नाम जैसे कि चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग, लखनऊ सुपर जाइंट्स के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर और कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटर (मार्गदर्शक) गौतम गंभीर को भी संभावित उम्मीदवारों के रूप में देखा जा रहा है. अगले महीने भारत के टी20 विश्व कप अभियान के बाद राहुल द्रविड़ मुख्य कोच का पद छोड़ देंगे.बीसीसीआई ने आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 27 मई तय की है. पोंटिंग ने कहा, मैंने कुछ अन्य नामों को भी चर्चा में देखा है. जस्टिन लैंगर का नाम कल चर्चा में आया, स्टीफन फ्लेमिंग का नाम भी थोड़ा चर्चा में आया. उन्होंने कहा, पिछले कुछ दिनों में गौतम गंभीर का नाम भी चर्चा में आया है. लेकिन मुझे लगता है कि मैंने जो कारण बताएं हैं उनके कारण मेरे लिए यह संभव नहीं है.

आईपीएल क्वालीफायर दो संभावना

सनराइजर्स के बल्लेबाजों व रॉयल्स के स्पिनरों के बीच आज जंग

एजेंसी। चेन्नई

सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स की टीमें फाइनल में जगह बनाने के लिए शुक्रवार को जब यहां दूसरे क्वालीफायर में आमने-सामने होंगी, तो यह आईपीएल के सर्वश्रेष्ठ पावर हिटर ट्रेविड हेड और अभिषेक शर्मा तथा युजवेंद्र चहल और रविचंद्रन अश्विन की चतुर स्पिन जोड़ी के बीच मुकाबला भी होगा. हेड और अभिषेक की जोड़ी आक्रामक बल्लेबाजी को नए स्तर तक ले गई है और इस जोड़ी को प्रशंसकों से ट्रेविषेक नाम मिला है. हेड ने मौजूदा सत्र में 199.62 के स्ट्राइक रेट से 533 रन बनाए हैं जबकि अभिषेक के नाम पर 207.04 के स्ट्राइक रेट से 470 रन दर्ज हैं. दोनों ने मिलकर अब तक 72 छक्के और 96 चौके मारे हैं. इसके अलावा सनराइजर्स के पास हेनरिक क्लासेन (180 के स्ट्राइक रेट से 413 रन) के रूप में एक बेहतरीन बल्लेबाज है जो 34 छक्के मारे चुके हैं. उप्पल या कोटला या वानखेड़े की तुलना में चेपक में खेलना हालांकि बिलकुल अलग होगा क्योंकि यहां गेंद रुककर आती है और आते ही बड़े शॉट खेलना आसान नहीं होता.अपना अधिकतर क्रिकेट इसी मैदान पर खेलने वाले रॉयल्स के ऑफ स्पिनर अश्विन यहां की पिच से अच्छी तरह वाकिफ हैं और टूर्नामेंट के आखिरी चरण में उनकी फॉर्म में सुधार हुआ है. रॉयल्स को उम्मीद होगी कि देश के सर्वश्रेष्ठ लेग स्पिनर चहल के साथ वह हेड, अभिषेक और क्लासेन को जल्दी से जल्दी पवेलियन भेज देंगे जिससे कि वे मैच पर नियंत्रण बना सकें. जहां तक सनराइजर्स की गेंदबाजी की बात है तो एक बार फिर जिम्मेदारी टी नटराजन पर होगी जो इस सत्र में टीम के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं और यहां अपने घरेलू मैदान पर खेलते हुए परिस्थितियों का फायदा उठाना चाहेंगे.

इसके अलावा भुवनेश्वर कुमार और पैट कमिंस की अनुभवी जोड़ी को भी काफी कुछ करना होगा क्योंकि पिछले दो मैचों में भुवनेश्वर कुमार ने कोई विकेट नहीं लिया है. सनराइजर्स की समस्या टीम में दो अच्छे स्पिनरों का नहीं होना भी है. मयंक मार्कंडेय बहुत अधिक प्रभावी नहीं हैं जबकि शाहबाज अहमद का मुख्य कौशल तेज बल्लेबाजी करना है, ना कि बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी.रॉयल्स की बात करें तो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू खिलाफ अपने ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत टीम ने आखिरकार पांच मैचों से जीत के इंतजार को खत्म कर दिया. बल्लेबाजी में शीर्ष क्रम ने कुछ सकारात्मक संकेत दिखाए, खासकर यशस्वी जायसवाल ने और वह अगले महीने अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले इस फॉर्म को जारी रखना चाहेंगे. हालांकि कप्तान संजू सैमसन को बेहतर प्रदर्शन करना होगा क्योंकि उन्होंने पिछले तीन मुकाबलों में 20 रन का आंकड़ा भी नहीं छुआ है. मध्य क्रम में ध्रुव जुरेल दबाव में होंगे जो अपने पिछले दो मैचों में दोहरे अंक में भी नहीं पहुंच पाए. टीम वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाजों शिमरोन हेटमायर और रोवमैन पॉवेल पर भी निर्भर करेगी जिन्होंने बेंगलुरु के खिलाफ पावर हिटिंग का नजारा पेश किया. मौजूदा सत्र में शानदार फॉर्म में चल रहे रियान पराग रॉयल्स के भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक हैं.

समय: मैच शाम 7.30 बजे से होगा

टीमें इस प्रकार हैं

सनराइजर्स हैदराबाद : अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, हेनरिक क्लासेन, एडेन मार्कराम, अब्दुल समद, नितीश रेड्डी, शाहबाज अहमद, पैट कमिंस, भुवनेश्वर कुमार, जयदेव उनादकट, टी नटराजन, मयंक मारकंडे, उमरान मलिक, अनमोलप्रीत सिंह, ग्लेन फिलिप्स, राहुल त्रिपाठी, वाशिंगटन सुंदर, उपेंद्र यादव, जे सुब्रमण्यन, सनवीर सिंह, विजयकांत व्यासकांत, फजलहक फारूकी, मार्को येनसन, आकाश महाराज सिंह और मयंक अग्रवाल.

राजस्थान रॉयल्स : संजू सैमसन (कप्तान), आबिद मुश्ताक, आवेश खान, ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, कुलदीप सेन, कुणाल सिंह राठौर, नांद्रे बर्गर, नवदीप सैनी, रविचंद्रन अश्विन, रियान पराग, संदीप शर्मा, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, रोवमैन पॉवेल, टॉम कोहलर-कैडमोर, ट्रेंट बोल्ट, यशस्वी जायसवाल, युजवेंद्र चहल और तनुश कोटियन.

कड़े मुकाबले में सिम यू जिन को हराकर सिंधू क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी। कुआलालंपुर

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने गुरुवार को यहां कड़े मुकाबले में कोरिया की सिम यू जिन को तीन गेम में हराकर मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई. पूर्व विश्व चैंपियन और दुनिया की 15वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू ने कोरिया की दुनिया की 34वें नंबर की खिलाड़ी यू जिन को महिला एकल के दूसरे दौर के मुकाबले में 59 मिनट में 21-13 12-21 21-14 से हराया. यू जिन के खिलाफ सिंधू की यह तीसरी जीत है. पिछले साल अक्टूबर में लगी घुटने की चोट से उबरने के बाद वापसी करते हुए हैदराबाद की 28 साल की सिंधू शीर्ष फॉर्म हासिल करने में नाकाम रही है.पांचवीं वरीय सिंधू अगले दौर में शीर्ष वरीय हेन युई से भिड़ेंगी. चीन की इस खिलाड़ी ने पिछले महीने निंग्बो में एशिया बैडमिंटन चैंपियनशिप में सिंधू को हराया था. पिछला खिताब 2022 में सिंगापुर ओपन में जीतने वाली सिंधू का दुनिया की छठे नंबर की खिलाड़ी के खिलाफ रिकॉर्ड अच्छा है. भारतीय खिलाड़ी ने हेन युई के खिलाफ छह में से पांच मुकाबले जीते हैं. सिंधू ने मुकाबले में धीमी शुरुआत की और पहले गेम में 3-7 से पिछड़ गई। भारतीय खिलाड़ी हालांकि वापसी करते हुए ब्रेक तक 11-10 की बढ़त बनाने में सफल रही और फिर लगातार सात अंक के साथ पहला गेम जीत लिया. दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली. यू जिन ने ब्रेक तक 11-10 की बढ़त बनाई और खेल दोबारा शुरू होने पर 14-10 से आगे हो गईं. कोरिया की खिलाड़ी ने अगले नौ में से सात अंक जीतकर मुकाबले को तीसरे और निर्णायक गेम में खींचा. निर्णायक गेम में यू जिन ने एक बार फिर अच्छी शुरुआत करते हुए 5-1 की बढ़त बनाई. सिंधू ने स्कोर 6-6 किया और फिर 13-9 की बढ़त बनाई. उन्होंने 16-14 के स्कोर पर लगातार पांच अंक के साथ गेम और मैच अपने नाम किया. अन्य मुकाबलों में मिश्रित युगल में बी सुमित रेड्डी और एन सिक्की रेड्डी को चेन टैंग जेइ और टोह ई वेई की मलेशिया की शीर्ष वरीय जोड़ी के खिलाफ 9-21 15-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी, जबकि सिमरन सिंघी और रितिका ठाकर को पियर्ली टेन और थिनाह मुरलीधरन की मलेशिया की दूसरी वरीय जोड़ी के खिलाफ महिला युगल में 17-21 11-21 से हार का सामना करना पड़ा.

05 अंक के साथ गेम और मैच अपने नाम किया

आईपीएल में बड़े स्कोर बल्लेबाजों के कौशल के कारण बने : अश्विन

एजेंसी। अहमदाबाद

रविचंद्रन अश्विन आईपीएल के मौजूदा सत्र में बड़े स्कोर के लिए सिर्फ इंपेक्ट प्लेयर नियम को कारण नहीं मानते और भारत के इस शीर्ष स्पिनर ने इसका श्रेय बल्लेबाजों के विकास को दिया. अश्विन ने साथ ही गेंदबाजों से अपील की कि वे खेल की मांग को पूरा करने के लिए अपने बल्लेबाजी कौशल पर भी काम करें. मौजूदा सत्र में कुछ शानदार बल्लेबाजी रिकॉर्ड बने. लीग चरण में टीमों ने 41 बार 200 रन के आंकड़े को पार किया जबकि आठ मौकों पर

250 से अधिक रन बने. आईपीएल में रिकॉर्ड 287 रन का टीम स्कोर मौजूदा सत्र में ही बना. अश्विन ने बुधवार को यहां एलिमिनेटर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू पर राजस्थान रॉयल्स की चार विकेट की जीत के बाद जियो सिनेमा से कहा, अगर इंपेक्ट प्लेयर नियम नहीं होता तो भी स्कोर इतने ही अधिक बनते. उन्होंने कहा, मेरे नजरिए से बल्लेबाजों में अब अधिक आत्मविश्वास है और हर जगह पिचों का मानकीकरण किया गया है. अश्विन ने कहा, भविष्य में सभी गेंदबाजों को हिटर बनना होगा क्योंकि हम जानते हैं कि चाहे हम कितनी भी अच्छी गेंदबाजी करें, हमें बल्लेबाजी भी करनी होगी. खेल उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है. भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने इस नियम की आलोचना करते हुए कहा है कि इससे देश में हरफनमौला खिलाड़ियों का विकास प्रभावित होगा.

चिन्नास्वामी में विशिष्ट कौशल वाले गेंदबाजों की जरूरत : फ्लावर

अहमदाबाद । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने आईपीएल एलिमिनेटर में हार के साथ अपनी टीम के टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद कहा कि चिन्नास्वामी में लगातार टी20 मैच जीतने के लिए केवल तेज गति कभी पर्याप्त नहीं होगी और उनकी टीम को अलग-अलग कौशल वाले गेंदबाजों की जरूरत होगी जो एक विशिष्ट योजना को अंजाम दे सकें. आरसीबी ने टूर्नामेंट के दूसरे हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार छह जीत के साथ एलिमिनेटर के लिए क्वालीफाई किया. टीम ने हालांकि अपने घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी में अधिकांश मैच गंवा दिए.

आवेश की सफलता का मंत्र: अच्छी नींद, अच्छा खाना और अच्छी गेंदबाजी

एजेंसी। अहमदाबाद

खाओ, सोओ, गेंदबाजी करो और दोहराओ. आवेश खान ने सफलता के मंत्र को सरल बना दिया है और इससे उन्हें फायदा हो रहा है जो इस साल के आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए महत्वपूर्ण मैचों के दौरान उनके प्रदर्शन में देखा जा सकता है. आवेश ने अधिकतर सपाट पिच पर खेले गए 15 मैचों में 16 विकेट चटकाए हैं. उन्होंने 9.81 की इकोनॉमी रेट से रन दिए हैं और डेथ ओवरों में उनके नियंत्रण ने उन्हें इस बार एक अलग गेंदबाज बना दिया है. बुधवार को आईपीएल

एलिमिनेटर में रॉयल्स की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू पर जीत के दौरान तीन विकेट चटकाने वाले आवेश ने कहा, मैंने अपने क्रिकेट को सरल बना दिया है - मुझे (अच्छी तरह से) सोना है, अच्छी तरह से खाना है और अच्छी तरह से गेंदबाजी करनी है और इसके अलावा और कुछ नहीं है. उन्होंने कहा, क्रिकेट एक सर्कल की तरह है, जितना छोटा रखेंगे, उतना ही बेहतर होगा. आप इस सर्कल को और बढ़ाएंगे तो आपको और अधिक कमियां दिखेंगी. आवेश ने कहा, इसने मेरी जिंदगी भी बदल दी है और मेरे क्रिकेट को भी प्रभावित किया है. टी20 विश्व कप के लिए भारत के रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल 27 वर्षीय इस खिलाड़ी ने बुधवार को खुलासा किया कि पिछले साल आईपीएल के बाद एक व्यस्त घरेलू सत्र के बाद अपनी ताकत और कमजोरियों का विश्लेषण करने से उन्हें खुद के अंदर बेहतर खिलाड़ी को खोजने में मदद मिली.

टी20 विश्व कप भारतीय एकादश में ऋषभ पंत का दावा मजबूत, लेकिन विकल्प की कमी नहीं : पार्थिव पटेल

टीम इंडिया पूरी तरह बैलेंस, स्पिनर करेंगे कमाल का प्रदर्शन

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर पार्थिव पटेल ने अमेरिका और वेस्टइंडीज में एक जून से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारत के शीर्ष क्रम में बाएं हाथ के बल्लेबाजों की कमी का जिक्र करते हुए विकेटकीपर के लिए ऋषभ पंत का दावा ज्यादा मजबूत बताया. लीजेंड्स इंटरकॉन्टिनेंटल टी20 लीग की घोषणा के लिए यहां पहुंचे पार्थिव ने गुरुवार को कहा टीम में विकल्प की कोई कमी नहीं है और ऐसे में टीम में कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल एक साथ खेल सकते हैं.

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के विकेटकीपर की पहली पसंद के बारे में काफी चर्चा हो रही है क्योंकि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान पंत ने शानदार प्रदर्शन किया है. सैमसन ने 15 मैचों में पांच अर्धशतक की मदद से 521 रन बनाये हैं. इस दौरान उनका औसत 52.10 और स्ट्राइक रेट 155.52 का रहा है. उनके शानदार प्रदर्शन के कारण उनकी टीम आईपीएल फाइनल में पहुंचने से एक जीत दूर है. गंभीर कार दुर्घटना की चोट से उबर कर मजबूत वापसी करने वाले दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान पंत ने इस दौरान 13 मैचों में 40.55 की औसत और 155.40 के स्ट्राइक रेट से 446 रन बनाये. उनकी टीम हालांकि प्लेऑफ में पहुंचने में नाकाम रही. पार्थिव ने विश्व कप के लिए भारतीय टीम के विकेटकीपर के बारे में पूछे जाने पर कहा, भारतीय टीम का बल्लेबाजी क्रम देखें, तो इसमें कोई शक नहीं कि विकेटकीपर बल्लेबाज के लिए पंत पहली पसंद होंगे. पार्थिव ने कहा, सैमसन ने काफी रन बनाये हैं लेकिन पंत अलग तरह की विविधता लेकर आते हैं. भारत के शीर्ष क्रम में दायें हाथ के बल्लेबाज ज्यादा हैं ऐसे में बायें हाथ के बल्लेबाजों की जरूरत होगी. आईपीएल में सैमसन तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी कर रहे हैं जबकि पंत ने ज्यादातर मैचों में चौथे या पांचवें क्रम पर बल्लेबाजी की है. पार्थिव ने हालांकि सैमसन को किसी मामले में कम नहीं आंक रहे हैं. उन्होंने कहा, सैमसन के पास विविधता है, वह अभी भले ही तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी कर रहे हो लेकिन वह ऐसे खिलाड़ी है जो निचले क्रम पर भी तालमेल बिठा सकते हैं, हमने इस तरह की भूमिका में उन्हें पहले भी देखा है. उन्होंने कहा, विश्व कप में अभी कुछ समय है, मैं मानता हूं कि शुरुआती मैचों पंत टीम का हिस्सा होंगे.

अगर आपकी अंपायर से सेटिंग है तो फिर आप एकाध बार आउट होने से बच सकते हैं

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय टीम के पूर्व विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने एक बड़ा खुलासा अपने खेल के दिनों के दौरान का किया है. सहवाग ने बताया है कि वे अंपायरों के साथ कैसे सेटिंग करते थे. उन्होंने उस अंपायर और उस मैच का जिक्र भी किया है, जहां उनको आउट नहीं दिया गया था. सहवाग ने बताया कि उनकी सेटिंग सिर्फ इतनी होती थी कि अंपायर को खाने में जो पसंद है, उसको प्रोवाइड कराने में वे मदद करते थे. सहवाग ने फीवर एफएम से बात करते हुए उस मैच का किस्सा बताया, जहां उन्होंने अंपायर को आईसक्रीम खिला कर पटाया था. उन्होंने बताया, एक अंपायर थे इंग्लैंड के डेविड शेफर्ड. उनको आईसक्रीम खाने का शौक था. मैं उनको प्रेग्नेंट मैन कह कर बुलाता था.मैंने मैच में पूछा कि आप चाय एंजॉय कर रहे हैं? इस पर अंपायर ने कहा कि वे चाय नहीं आईसक्रीम खाना पसंद करते हैं. मैंने सुना तो मैं एक ओवर के लिए मैदान से बाहर गया और केटरर को बुलाकर उससे कहा कि जब अंपायर मैच से बाहर जाएं तो उनके कमरे में आईसक्रीम होनी चाहिए. अगर ऐसा नहीं कराया तो मैं पंजाब के प्रेसिडेंट से कहकर तुम्हारा कॉन्ट्रैक्ट कैंसिल करवा दूंगा.

▼ ब्रीफ खबरें

साधु के वेश में ठग ने महिला के उड़ाए जेवरात

नवादा । नवादा जिले के हिसुआ नाला की निवासी एक महिला को सोने-चांदी के आभूषण को दोगुना करने का प्रलोभन देकर गुरुवार को दो ठग लगभग 3 भर जेवरात लेकर फरार हो गये. बताया जा रहा है कि शातिर दोनों ठग साधु के वेश में आए थे. पीड़ित महिला आशा कार्यकर्ता है .पीड़ित महिला ने बताया कि साधु के वेशभूषा में दो व्यक्ति भिक्षा मांगने उनके घर आए. भिक्षा के रूप में वह उसे कुछ रुपये दे रही थी, जिसे वह लेने से इनकार कर दिया और कहने लगा कि मैं कोई भिखारी नहीं ,बल्कि एक साधु हूं.

खेसारी लाल यादव ने किया रोड शो

बेतिया । वाल्मीकीनगर लोकसभा क्षेत्र में भोजपुरी फिल्म अभिनेता खेसारीलाल यादव ने गुरुवार को एनडीए प्रत्याशी सुनील कुमार के पक्ष में रोड शो किया. रोड शो में सैकड़ों की संख्या में पार्टी कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद रहे. लोगों का हुजूम सड़क के अलावा घरों की छतों से खेसारी की एक झलक पाने को बेताब थे. खेसारीलाल यादव ने खुली गाड़ी से ही हाथ हिलाकर लोगों से राजग उम्मीदवार के पक्ष में वोट देने की अपील की. रोड शो के दौरान लगभग आधा किलोमीटर से अधिक दूरी तक लोगों का हुजूम खेसारी के वाहन के साथ चलकर खेसारी को निहारते रहे.

पीओके चाहिए तो चार सौ पार जाना जरूरी

पूर्वी चंपारण । पीएम मोदी दुनिया भर में एक अद्भुत शख्सियत बन कर उभरे हैं. पीओके को भारत मे मिलाना है तो अबकी बार चार सौ पार पर खरा उतरना होगा.उक्त बातें गुरुवार को कोटवा हाई स्कूल के खेल मैदान में चुनावी सभा को संबोधित करते पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कही. उन्होंने कहा कि इस चुनाव में विरोधी पस्त हो चुके हैं. देश में जब तक एनडीए की सरकार रहेगी संविधान और आरक्षण को कोई छू नहीं सकता. 4 जून को एनडीए चार सौ पार जायेगा और इधर पीओके भारत मे आएगा पर उसके लिए 400 सौ से ज्यादा सीटें जीतने की जरूरत है.

चार केस दर्ज, 12 नामजद आरोपी, सीसीटीवी फुटेज जब्त

छपरा चुनावी हिंसा

संवाददाता । पटना

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में बिहार की 5 लोकसभा सीटों के लिए वोट डाले गए. इस दौरान मंगलवार को सारण के भिखारी ठाकुर चौक पर दो गुटों के बीच हुई फायरिंग में एक युवक की मौत और दो लोग घायल हो गए. मृतक की पहचान चंदन कुमार के रूप में हुई है जबकि घायल की पहचान मनोज राय और गुड्डू राय के रूप में हुई है. गोलीबारी को लेकर बिहार की सियासत गरमा गई. बीजेपी और राजद के नेता एक दूसरे पर जमकर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं. इस बीच सारण से राजद की उम्मीदवार रोहिणी आचार्य भी चर्चा में आ गई हैं. इधर, पुलिस भी एक्शन में दिख रही है. अभी तक पुलिस इस मामले में चार प्राथमिकी दर्ज की है. वहीं, मृतक चंदन कुमार के पिता नागेंद्र राय के आवेदन पर पुलिस ने 12 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की है.

घटनास्थल के इलाके में अर्धसैनिक बलों का फ्लैग मार्च कराया गया

छपरा में 25 मई तक बढ़ाई गयी इंटरनेट पर बैन : छपरा में पिछले दिनों हुए चुनावी हिंसा में एक की मौत के बाद एहतियात के तौर पर प्रशासन की ओर से इंटरनेट पर लगाये गये प्रतिबंध की अवधि और दो दिनों के लिए बढ़ा दी गई है. छपरा में अब 25 मई तक इंटरनेट सेवा पर पाबंदी रहेगी. इससे पूर्व गृह विभाग ने पहले 23 मई तक ही इंटरनेट सेवा बाधित रखने का निर्देश दिया था.

फरार लोगों की संपत्ति की जा रही कुर्क : सारण जिले में मतदान के बाद मंगलवार को हुई हिंसा के खिलाफ भाजपा की शिकायत के आधार पर पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी में रोहिणी आचार्य का नाम भी शामिल है. पुलिस के अनुसार पुलिस के सामने पेश नहीं हुए 'फरार व्यक्तियों' की संपत्तियों को कुर्क करने की प्रक्रिया संबंधित अधिकारियों द्वारा शुरू कर दी गई है. चुनाव बाद हिंसा मामले में फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है. रोहिणी आचार्य सारण में निवर्तमान सांसद और भाजपा प्रत्याशी राजीव प्रताप रूडी के खिलाफ महागठबंधन की उम्मीदवार हैं. पुलिस ने सारण से भाजपा के लोकसभा उम्मीदवार के प्रतिनिधि मनोज कुमार द्वारा दायर एक ऑनलाइन शिकायत के आधार पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की संबंधित धाराओं के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की है. अपनी शिकायत में कुमार ने आरोप लगाया कि रोहिणी आचार्य, अपने सात समर्थकों और 50 अज्ञात लोगों के साथ 20 मई को छपरा विधानसभा सीट पर मतदान केंद्र संख्या 318 और 319 पर अवैध/अनियमित गतिविधियों में शामिल थीं. इस बीच राजद के वरिष्ठ नेताओं ने बुधवार को मृतक (चंदन राय) के परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर 10 लाख रूपए सहायता राशि के तौर पर तथा घायल लोगों के इलाज के लिए दो-दो लाख रुपये का चेक प्रदान किया है.

जांच के लिए राबड़ी आवास पहुंची एसआईटी

पटना । छपरा में चुनावी रंजिश में दो गुटों के बीच हुई झड़प और गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत मामले की जांच जारी है. बुधवार को मृतक के पिता ने नगर थाने में 11 नामजद व अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज करायी है. वहीं राजद और भाजपा के कई समर्थकों पर केस दर्ज किया जा चुका है. इस मामले की जांच करने के लिए अब एसआईटी की टीम पटना स्थित राबड़ी आवास पहुंची. छपरा में मतदान के दौरान हुए दो गुटों के विवाद ने बड़ा रूप ले लिया और अगले दिन हिंसा की घटना घटी थी. भाजपा और राजद के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए. इस दौरान फायरिंग भी की गयी जिसमें एक की मौत हो गई थी.

सपरिवार बोधगया पहुंचे सीएम मोहन यादव, की पूजा-अर्चना

गया । मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सपरिवार बोधगया पहुंचकर भगवान बुद्ध की विशेष पूजा-अर्चना की. गया एयरपोर्ट से महाबोधि मंदिर तक उनके पहुंचने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी. महाबोधि मंदिर में भगवान बुद्ध के समक्ष पूजा के बाद वे मंगलागौरी मंदिर और विष्णुपद मंदिर भी जाएंगे, जहां करने के बाद वे देवघर के लिए प्रस्थान करेंगे. इस अवसर पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि मैं बोधगया आकर अपने आपको धन्य मानता हूं. आतंक और उथल-पुथल के दौर में भगवान बुद्ध ने अहिंसा की जो भावना फैलाई थी वह आज भी प्रासंगिक है.

सीवान की चुनावी जनसभा में गरजे चिराग और लेसी सिंह, बोले-

मोदी के पीएम बनने का रास्ता साफ हुआ

संवाददाता । सीवान

सीवान संसदीय क्षेत्र की लोकसभा प्रत्याशी विजय लक्ष्मी देवी के पक्ष में चुनावी जनसभा का आयोजन किया गया. एनडीए के कई नेता इस जनसभा में पहुंचे. लोजपा (आर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान, मंत्री मंगल पांडे और जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा व मंत्री लेसी सिंह भी खूब गरजे. उनके निशाने पर लालू परिवार और शहाबुद्दीन की पत्नी हेना शहाब रहीं. चिराग पासवान ने कहा कि केंद्र में तीसरी बार नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने को रास्ता साफ हो गया है. एनडीए की सरकार में देश व बिहार काफी तेजी से तरक्की कर रहा है.

चिराग ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था पांचवें स्थान पर है, केंद्र में तीसरी बार सरकार बनने पर इसे तीसरे स्थान पर लाने से कोई नहीं रोक सकता है. लोजपा नेता ने कहा कि मोदी जी के पीएम बनने पर आयुष्मान कार्ड सहित अन्य योजनाएं चलती रहेंगी. वहीं चिराग ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जातीय जनगणना कर आरक्षण के दायरे को बढ़ाया है. साथ ही, बिहार को अपराधमुक्त किया है. 90 के दशक में लाठी में तेल पिलाने वाले लोग अब किसानों की जमीन-जायदाद छीनने की बात कह रहे हैं. जब तक चिराग पासवान जिंदा है, न संविधान को कोई खतरा है न आरक्षण में कोई बदलाव होगा.

वहीं, जदयू के प्रदेशाध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने कांग्रेस व राजद पर परिवारवाद का आरोप लगाते हुए कहा कि एक युवराज दिल्ली में हैं तो दूसरा युवराज पटना में हैं. इन परिवारवादियों से हमें सावधान रहने की जरुरत है. ये देश-प्रदेश की भलाई की जगह परिवार का हित चाहते हैं. ऐसे में हमें किसी बहकावे में आने की जरुरत नहीं है. जदयू नेता पूर्व विधायक रमेश सिंह कुशवाहा ने सीवान की पूर्व स्थिति से अवगत कराते हुए कहा कि सीवान को प्रगति के पथ ले जाने के लिए एनडीए प्रत्याशी को जिताने की आवश्यकता है.

वहीं मंत्री लेसी सिंह ने पूर्व सांसद दिवंगत मोहम्मद शहाबुद्दीन की पत्नी व निर्दलीय प्रत्याशी बनकर मैदान में उतरी हेना शहाब को बहुरूपिया बताते हुए कहा कि वह भगवा के नाम पर धोखा दे रही है. चुनाव जीतने के लिए भगवाधारी एजेंडा फैला रही है. उन्होंने एनडीए प्रत्याशी विजय लक्ष्मी देवी को विजयी बनाकर मोदी जी के हाथों को मजबूत करने की अपील की. नहीं तो फिर से सीवान में अपराध व जंगल राज को आने से कोई रोक नहीं पायेगा.

पाटलिपुत्र में राबड़ी ने शुरू किया प्रचार अभियान

पटना । लोकसभा चुनाव 2024 में सारण में मतदान संपन्न होने के बाद अब लालू परिवार पाटलिपुत्र सीट पर वोटरों को गोलबंद करने के लिए चुनाव प्रचार में जोर लगा रहा है. मीसा भारती की मां पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने पाटलिपुत्र में अपनी बेटी मीसा भारती के पक्ष में चुनाव प्रचार अभियान गुरुवार को शुरू कर दिया. राबड़ी जनता के बीच जाकर महागठबंधन की ओर से राजद की प्रत्याशी अपनी बेटी मीसा भारती को वोट देने की अपील की.

तेजस्वी और सहनी ने हेलीकॉप्टर में केक काटा

पटना । राजद नेता तेजस्वी यादव और वीआइपी प्रमुख मुकेश सहनी एक साथ चुनाव प्रचार कर रहे हैं. लोकसभा चुनाव 2024 के प्रचार में लगे दोनों नेताओं ने जब हेलीकॉप्टर में बैठकर मछली खायी थी तो ये मुद्दा बन गया था. एनडीए नेताओं ने मुकेश सहनी और तेजस्वी यादव को लोगों को दिखाकर मछली खाने के मुद्दे पर घेरा था. वहीं अब महागठबंधन के दोनों नेताओं का एक और वीडियो सामने आया है जिसमें मुकेश सहनी तेजस्वी यादव को सरप्राइज दे रहे हैं और 200 जनसभा पूरा करने की खुशी में उनसे केक कटवा रहे हैं. एनडीए नेताओं ने इसपर भी अब तंज कसा है.

बीजेपी नेता अनिल शर्मा को जान से मारने की मिली धमकी

संवाददाता । पटना

महाराजगंज संसदीय क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी जनार्दन सिंह सिग्रीवाल के पक्ष में विगत कई दिनों से कैंप कर चुनाव प्रचार करने वाले प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भाजपा नेता अनिल कुमार शर्मा को गुरुवार को धमकी मिली है. कांग्रेस प्रत्याशी अखिलेश प्रसाद सिंह पुत्र आकाश सिंह के समर्थकों ने उनके मोबाइल पर कॉल कर चुनाव प्रचार छोड़कर अविलंब क्षेत्र से बाहर चले जाने और जान से हाथ धोने की धमकी दी है. अनिल कुमार शर्मा ने यह आरोप लगाया है. इसको लेकर अनिल शर्मा ने महाराजगंज संसदीय क्षेत्र के एकमा थाने में एफआईआर दर्ज करवाया है. पुलिस इस मामले की छानबीन में जुट गई है.

सीतामढ़ी में बदमाशों ने युवक को मारी गोली, मौके पर ही मौत

संवाददाता । सीतामढ़ी

सीतामढ़ी के भुतही थाना क्षेत्र में गुरुवार को बदमाशों ने दिनदहाड़े एक व्यक्ति की हत्या कर दी. बदमाशों ने दोपहर में एक युवक को टेंपो से उतार कर गोली मार दी. इतना ही नहीं, दबिया से गर्दन और सिर पर प्रहार भी किया. युवक की मौके पर ही मौत हो गई. यह घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है. बदमाशों के दिनदहाड़े घटना को अंजाम दिए जाने के बाद लोगों में पुलिस के प्रति आक्रोश देखने को मिल रहा है. वहीं, यह मामला पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई है. घटना जिले के भुतही थाना क्षेत्र के फतहपुर और बेला गांव के बीच एनएच 77 की है. जहां दोपहर में 26 वर्षीय एक युवक की गोली मारकर बदमाशों ने हत्या कर दी. जानकारी के अनुसार युवक टेंपो से सोनबरसा से सीतामढ़ी की ओर जा रहा था. पुलिस मामले की छानबीन में जुट गयी है.

कारोबार

इंडिगो का चौथी तिमाही का मुनाफा हुआ दोगुना

नयी दिल्ली । देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन का मार्च, 2024 में समाप्त बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही का शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक होकर 1,894.8 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है. कंपनी ने गुरुवार को यह जानकारी दी. एयरलाइन को एक साल पहले की समान तिमाही में 919.2 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था. पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में कंपनी कुल आय 14,600.1 करोड़ रुपये से बढ़कर 18,505.1 करोड़ रुपये हो गई.

आईटीसी का लाभ घट कर 5,191 करोड़ हुआ

नयी दिल्ली । विविध कारोबार से जुड़ी आईटीसी लि. का एकीकृत शुद्ध लाभ मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही में मामूली घटकर 5,190.71 करोड़ रुपये रहा है. आईटीसी ने गुरुवार को शेयर बाजार को यह जानकारी दी. इससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी ने 5,242.59 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था. कंपनी की परिचालन आय 2023-24 की चौथी तिमाही में दो प्रतिशत बढ़कर 19,446.49 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 19,058.29 करोड़ रुपये थी.

स्टरलाइट को शेयर धारकों की मिली मंजूरी

नयी दिल्ली । स्टरलाइट पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड ने गुरुवार को कहा कि उसे अपने बिजली पारेषण कारोबार को अलग करने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई है. अलग किए गए पारेषण बुनियादी ढांचे को स्टरलाइट ग्रिड 5 लिमिटेड के तहत रखा जाना है जबकि स्वतंत्र वृद्धि रणनीतियों पर चलने के लिए वैश्विक उत्पाद एवं विशेष ईपीसी सेवाएं एसपीटीएल के तहत बनी रहेंगी. एसपीटीएल बिजली पारेषण से संबंधित बुनियादी ढांचा विकास और जीपीएस कारोबार से जुड़ी अग्रणी निजी कंपनी है. कंपनी ने बयान में कहा, स्टरलाइट पावर को पारेषण कारोबार एसपीटीएल से अलग करने के लिए हितधारकों की मंजूरी मिल गई है.

सेंसेक्स 1200 निफ्टी 370 अंकों के उछाल के साथ रिकॉर्ड हाई पर बंद

4 लाख करोड़ रुपये बढ़ी निवेशकों की संपत्ति

एजेंसी । मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से रिकॉर्ड लाभांश भुगतान की मंजूरी दिए जाने के बीच गुरुवार को बैंक, पेट्रोलियम एवं वाहन कंपनियों के शेयरों में जबर्दस्त लिवाली से स्थानीय शेयर बाजार के दोनों मानक सूचकांक अपने अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए. बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों ही सूचकांकों ने 1.6 प्रतिशत से अधिक की छलांग लगाई और नए रिकॉर्ड के साथ बंद हुए.

बीएसई के 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स ने 29 जनवरी के बाद की अपनी सबसे ऊंची छलांग लगाई और 1,196.98 अंक के लाभ के साथ यह 75,418.04 अंक के अपने अबतक के सबसे ऊंचे मुकाम पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एक समय यह 1,278.85 अंक यानी 1.72 प्रतिशत बढ़कर 75,499.91 के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर भी गया. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी ने भी इस जबर्दस्त तेजी का फायदा उठाते हुए नया रिकॉर्ड बनाया. निफ्टी 369.85 अंक यानी 1.64 प्रतिशत बढ़कर 22,967.65 अंक के अपने उच्चतम स्तर पर बंद हुआ. दिन में कारोबार के दौरान यह 395.8 अंक यानी 1.75 प्रतिशत उछलकर 22,993.60 के नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा था.

वाहन क्षेत्रों के शानदार प्रदर्शन से सूचकांक ने बनाई बढ़त : जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, बैंक एवं वाहन क्षेत्रों के शानदार प्रदर्शन से मानक सूचकांक ने रिकॉर्ड बढ़त बनाई. आरबीआई का रिकॉर्ड लाभांश भुगतान एक अप्रत्यक्ष कर कटौती के समान है और बॉन्ड प्रतिफल घटने की उम्मीद है. रिजर्व बैंक ने बुधवार को कहा था कि वह वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सरकार को रिकॉर्ड 2.1 लाख करोड़ रुपये का लाभांश देगा जो बजटीय अनुमान से भी दोगुना है. सेंसेक्स की कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, एक्सिस बैंक, मारुति सुजुकी, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए. दूसरी तरफ सन फार्मा, पावरग्रिड और एनटीपीसी के शेयरों में गिरावट रही. एक्सिस सिक्योरिटीज के प्रमुख नीरज चदावर ने कहा, रिकॉर्ड लाभांश भुगतान को आरबीआई की मंजूरी के बाद शेयर बाजार में उत्साह था. यह बेहतर राजकोषीय स्थिति और नरम बॉन्ड प्रतिफल की ओर इशारा करता है.

वाहन खंड में सर्वाधिक 2.28% की बढ़त हुई

क्षेत्रवार सूचकांकों में वाहन खंड में सर्वाधिक 2.28 प्रतिशत की बढ़त रही जबकि पूंजी उत्पाद खंड में 2.13 प्रतिशत और बैंकिंग खंड में 1.98 प्रतिशत की तेजी रही. एचडीएफसी सिक्योरिटीज के खुदरा शोध प्रमुख दीपक जसानी ने कहा कि निफ्टी में प्रतिशत अंक के संदर्भ में पिछले छह महीनों की सबसे बड़ी तेजी 23 मई को देखी गई. इस तेजी के बीच एनएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पांच लाख करोड़ डॉलर पर पहुंच गया. एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की बढ़त के साथ बंद हुआ जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट पर रहे. यूरोप के अधिकांश बाजार दोपहर के कारोबार में बढ़त में थे. अमेरिकी शेयर बाजार बुधवार को नकारात्मक दायरे में बंद हुए थे. वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.33 प्रतिशत चढ़कर 82.17 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया. शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 686.04 करोड़ रुपये के शेयर बेचे.

इंडिगो इस साल अपनी उड़ानों में 'बिजनेस श्रेणी' सेवा की शुरुआत करेगी

नयी दिल्ली । देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने इस साल व्यस्त हवाई मार्गों पर अपनी उड़ानों में 'बिजनेस श्रेणी' की सेवाएं शुरू करने की घोषणा की है. इंडिगो ने गुरुवार को बयान में इसकी जानकारी दी. विमानन कंपनी ने कहा कि अगस्त में उसकी 18वीं वर्षगांठ के आसपास इससे जुड़े ब्योरे और उद्घाटन की तारीख एवं मार्गों के बारे में बताया जाएगा. इंडिगो ने कहा, भारत में व्यावसायिक यात्रा को फिर से परिभाषित करने के एक अभूतपूर्व कदम के तहत सबसे व्यस्त और व्यावसायिक मार्गों के लिए एक विशेष व्यावसायिक उत्पाद पेश करने की योजना की घोषणा की जा रही है. इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने बयान में कहा कि एयरलाइन लगातार नई सेवा पेशकशों पर विचार कर रही है. एल्बर्स ने कहा, भारत जिस तरह दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तैयारी कर रहा है, नए भारत को यात्रा व्यवसाय में चयन के अधिक विकल्प देना हमारा सौभाग्य है. हम इस नए दौर को लेकर रोमांचित हैं और लोगों एवं आकांक्षाओं को जोड़कर देश को पंख देना हमारी रणनीति एवं उद्देश्य है.

आईटीसी ने शेयर बाजार को दी जानकारी

चौथी तिमाही में मामूली गिरावट के साथ 5,190.71 करोड़ हुआ लाभ

एजेंसी । नयी दिल्ली

विविध कारोबार से जुड़ी आईटीसी लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में मामूली गिरावट के साथ 5,190.71 करोड़ रुपये रहा है. कंपनी ने पिछले साल जनवरी-मार्च तिमाही में 5,242.59 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था. आईटीसी ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी की परिचालन आय वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में दो प्रतिशत बढ़कर 19,446.49 करोड़ रुपये रही, जो 2022-23 की इसी तिमाही में 19,058.29 करोड़ रुपये थी. पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 6.54 प्रतिशत बढ़कर 20,751.36 करोड़ रुपये हो गया. वित्त वर्ष 2022-23 में यह 19,476.72 करोड़ रुपये था. परिचालन आय मामूली रूप से बढ़कर 76,840.49 करोड़ रुपये हो गई जो 2022-23 में 76,518.21 करोड़ रुपये थी.

फिल्म प्रमोशन

अभिनेत्री जान्हवी कपूर अपनी आगामी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही के प्रमोशन के दौरान जयपुर में.

दिल्ली-एनसीआर

रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक की नई रिपोर्ट में मिली नई जानकारी

खाली पड़े मकानों की संख्या छह साल में 57% घटी

- दक्षिणी शहरों में बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई में खाली पड़े घरों की संख्या घटकर 2024 की पहली तिमाही में 1.76 लाख इकाई रह गई

एजेंसी । नयी दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में खाली पड़े (बिना बिके) मकानों की संख्या छह साल में 57 प्रतिशत घटकर 86,420 रह गई है. यह आंकड़ा मार्च तिमाही के अंत तक का है. रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक की नई रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बिना बिके मकानों की घटकर 86,420 हो गई जो मार्च, 2018 के अंत में 2,00,476 इकाई थी. इसी अवधि में दक्षिणी शहरों बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई में खाली पड़े घरों की संख्या घटकर 2024 की पहली तिमाही में 1.76 लाख इकाई रह गई.

2018 की पहली तिमाही में यह 1.96 लाख इकाई थी. एनारॉक के वाइस चेयरमैन संतोष कुमार ने कहा, एनसीआर बाजार के लिए जो चीज वास्तव में काम आई, वह नई आपूर्ति को नियंत्रण में रखने के लिए डेवलपर का दृढ़ संकल्प था. एनारॉक के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि एनसीआर में 2018 की पहली तिमाही से 2024 की पहली तिमाही के बीच करीब 1.81 लाख इकाइयों की नई पेशकश देखी गई.

आंकड़ों के अनुसार, गुरुग्राम में बिना बिके मकानों की संख्या 53,136 इकाई से घटकर 33,326 इकाई हो गई. नोएडा में 25,669 इकाइयों से 71 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,451 इकाइयां रह गईं. ग्रेटर नोएडा में 61,628 इकाइयों के मुकाबले 70 प्रतिशत गिरकर 18,668 इकाई और गाजियाबाद में 37,005 इकाइयों से 70 प्रतिशत घटकर 11,011 इकाई रही. फरीदाबाद, दिल्ली और भिवाड़ी में संयुक्त रूप से मार्च 2018 के अंत के 23,038 इकाइयों से 31 मार्च, 2024 तक इनकी संख्या 31 प्रतिशत घटकर 15,964 इकाई रह गई. आंकड़ों पर क्रिसुमी कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक मोहित जैन ने कहा कि विशेष रूप से दिल्ली-एनसीआर में बिना बिकी मकानों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई. यह हाल के वर्षों में मजबूत मांग का संकेत है. जैन ने कहा, आवास की उच्च मांग आधुनिक, शानदार और एकीकृत जीवन शैली चाहने वालों द्वारा प्रेरित है. गौड़ समूह के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मनोज गौड़ ने आवासीय संपत्तियों की उच्च मांग को इसकी प्रमुख वजह बताया. उन्होंने कहा, वर्तमान में आपूर्ति और मांग का अंतर स्वस्थ स्तर पर बना है.

गुरुवार को 7,956 लॉट का कारोबार हुआ

कमजोर मांग से सोना वायदा कीमतों में 731 रुपये की गिरावट

एजेंसी । नयी दिल्ली

कमजोर हाजिर मांग के बीच सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को घटाया जिससे वायदा कारोबार में गुरुवार को सोने की कीमत 731 रुपये की गिरावट के साथ 72,315 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गयी. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में जून माह में आपूर्ति वाले अनुबंध का भाव 731 रुपये की गिरावट के साथ 72,315 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया. इसमें 7,956 लॉट का कारोबार हुआ. बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कमजोर वैश्विक संकेतों के कारण सोना वायदा कीमतों में गिरावट आई. वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में सोना 1.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,387 डॉलर प्रति औंस रह गया.

वहीं, कमजोर हाजिर मांग के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार घटाने से गुरुवार को वायदा कारोबार में चांदी की कीमत 1,983 रुपये की गिरावट के साथ 91,030 रुपये प्रति किग्रा रह गया.

ब्रीफ खबरें

पॉलिटेक्निक के छात्र की गला काटकर हत्या

सहारनपुर (उप्र) । सहारनपुर जिले के नागल क्षेत्र में पैथालॉजी लैब में काम करके लौट रहे पॉलिटेक्निक के एक छात्र की गला काटकर हत्या कर दी गई. अपर पुलिस अधीक्षक सागर जैन ने गुरुवार को बताया कि छात्र गौरव एक पैथोलॉजी लैब में नौकरी भी करता था. उन्होंने बताया कि बुधवार की रात को वह लैब में अपनी ड्यूटी खत्म करके घर लौट रहा था. देर तक घर नहीं पहुंचने पर उसकी तलाश शुरू की गयी. जैन ने बताया कि देर रात घर से करीब चार किमी दूर सड़क किनारे उसका शव पाया गया.

चीनी सेना ने 'दंड' अभ्यास शुरू किया

बीजिंग/ताइपे । चीन की सेना ने गुरुवार को ताइवान के चारों तरफ दो दिवसीय व्यापक दंड अभ्यास शुरू किया. इसमें उसकी सेना, नौसेना, वायु सेना और रॉकेट बल भाग ले रहे हैं. चीन ने यह अभ्यास ऐसे वक्त में किया है जब स्व-शासित द्वीप ताइवान के नए राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने देश पर चीन की संप्रभुता के दावे को अस्वीकार किया है. सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, चीन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के पूर्वी थिएटर कमान ने गुरुवार सुबह ताइवान द्वीप के आसपास संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किया.

दक्षिण कोरिया, चीन व जापान करेंगे बैठक

सियोल। दक्षिण कोरिया, चीन और जापान के नेता साल 2019 के बाद अपनी पहली त्रिपक्षीय वार्ता के लिए अगले सप्ताह सियोल में बैठक करेंगे. दक्षिण कोरिया की मीडिया ने यह जानकारी दी. योन्हाप समाचार एजेंसी ने गुरुवार को बताया कि दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक-योल, चीन के प्रधानमंत्री ली क्विंग और जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के बीच त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन सोमवार को सियोल में होगा. दक्षिण कोरिया के अन्य मीडिया संस्थानों ने देश के राष्ट्रपति कार्यालय का हवाला देते हुए यही खबर प्रकाशित की.

पुणे में नाव पलटने से डूबे पांच के शव मिले

पुणे । महाराष्ट्र के पुणे जिले में उजनी बांध के पास एक नौका के पलट जाने से डूब गए छह लोगों में से पांच के शव गुरुवार सुबह निकाल लिये गये. पुलिस ने यह जानकारी दी. अधिकारी ने बताया कि मंगलवार शाम को तेज हवा और बारिश के दौरान कुगाव से कलाशी गांव की ओर जा रही नाव दुर्घटना का शिकार हो गई थी. नाव में कुल सात लोग सवार थे. इंदापुर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया, हमने पांच शव निकाल लिए हैं जो दो पुरुष, एक महिला और दो बच्चों के हैं.

ईडी ने धोखाधड़ी मामले में 5वीं गिरफ्तारी की

नयी दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 263 करोड़ रुपये की आयकर रिफंड धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले की जांच में पांचवीं गिरफ्तारी की है. एजेंसी ने पुरुषोत्तम चव्हाण को 20 मई को गिरफ्तार किया गया. इससे एक दिन पहले चव्हाण के परिसर पर छापेमारी की गई थी. एजेंसी ने बुधवार को एक बयान में कहा कि, चव्हाण को 27 मई तक ईडी की हिरासत में भेज दिया गया है. यह जांच आयकर विभाग से कथित रूप से 263.95 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी वाले टीडीएस रिफंड जारी करने से संबंधित है.

प्रियंका ने कुमारी शैलजा के लिए रोड शो किया

भाषा । सिरसा (हरियाणा)

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने हरियाणा में 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में सिरसा से पार्टी उम्मीदवार कुमारी शैलजा के पक्ष में समर्थन जुटाने के लिए गुरुवार को एक रोड शो किया. यह रोड शो लगभग एक घंटे तक चला. इस दौरान प्रियंका ने शैलजा और हरियाणा की पूर्व मंत्री किरण चौधरी के साथ एक खुले वाहन में खड़े होकर लोगों का अभिवादन किया. यह हरियाणा में उनका पहला ऐसा चुनावी कार्यक्रम था. पार्टी के झंडे लेकर चल रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 'कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद' के नारे लगाए और प्रियंका पर फूलों की वर्षा की. यह रोड शो लोकसभा चुनाव के छठे चरण के लिए प्रचार समाप्त होने से कुछ घंटे पहले हुआ.

पीएम नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के महेंद्रगढ़ की रैली में कहा-

पांच साल में पांच पीएम की बात कर रहे 'इंडिया' गठबंधन वाले

भाषा । महेंद्रगढ़ (हरियाणा)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को दावा किया कि 'इंडिया' गठबंधन अगले पांच साल में पांच प्रधानमंत्री की बात कर रहा है. साथ ही उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि गाय के दूध देने से पहले ही उसके घटक दलों में 'घी' को लेकर लड़ाई शुरू हो गई है. सात चरणों में हो रहे लोकसभा चुनाव के छठे चरण का प्रचार खत्म होने से कुछ घंटे पहले मोदी ने हरियाणा के महेंद्रगढ़ में एक रैली में कहा कि जब तक वह जीवित हैं, दलितों और आदिवासियों का आरक्षण कोई नहीं छीन सकता.

उन्होंने 'इंडिया' गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा, ये चुनाव देश का प्रधानमंत्री चुनने का चुनाव है. लेकिन आप सिर्फ प्रधानमंत्री नहीं चुनेंगे, बल्कि देश का भविष्य भी चुनेंगे. एक ओर आपका जांचा-परखा सेवक मोदी है. वहीं दूसरी ओर कौन है, इसका अता-पता ही नहीं है. 'इंडिया' गठबंधन में कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कषगम सहित कुछ अन्य विपक्षी दल शामिल हैं.

मोदी ने 'इंडिया' गठबंधन को 'घोर सांप्रदायिक, जातिवादी और परिवारवादी' करार देते हुए कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी तो उसने अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण नहीं होने दिया. उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, इंडी अलायंस वालों का हाल तो ऐसा है कि गाय ने दूध दिया नहीं, लेकिन घी खाने के लिए इंडी वालों में झगड़ा शुरू हो गया. अब ये लोग कह रहे हैं कि हर साल एक आदमी भारत का प्रधानमंत्री बनेगा. 5 साल, 5 पीएम! आप मुझे बताइए, ऐसे देश चलेगा क्या? ये लोग देश को फिर से गड्ढे में धकेलना चाहते हैं. हरियाणा में 25 मई को मतदान होगा.

कांग्रेस इस बार 40 सीटें भी नहीं जीतेगी : अमित शाह

सिद्धार्थनगर (उप्र) । केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा चुनाव के शुरुआती पांच चरणों में भाजपा को 310 सीटें मिलने का दावा करते हुए गुरुवार को कहा कि इस बार कांग्रेस 40 सीटों का आंकड़ा भी पार नहीं कर पायेगी और सपा को चार सीटें भी नसीब नहीं होंगी. शाह ने डुमरियागंज से मौजूदा सांसद और भाजपा उम्मीदवार जगदंबिका पाल के समर्थन में आयोजित एक चुनावी सभा में दावा करते हुए कहा, लोकसभा चुनाव के शुरुआती पांच चरणों में मोदी जी (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) 310 सीटें जीत चुके हैं. इंडी गठबंधन का सूपड़ा साफ हो गया है. उन्होंने यह भी दावा किया कि कांग्रेस इस बार 40 सीटें भी पार नहीं कर पाएगी और अखिलेश जी (सपा प्रमुख अखिलेश यादव) को चार सीटें भी नसीब नहीं होंगी. शाह ने विपक्ष के इंडिया गठबंधन पर तंज करते हुए कहा, विपक्ष घमंडिया गठबंधन बनाकर आगे बढ़ा है. मैं आज यहां से राहुल बाबा (कांग्रेस नेता राहुल गांधी) से पूछना चाहता हूं कि वैसे तो दूर-दूर तक कोई संभावना नहीं है क्योंकि मोदी जी ही पीएम बनने वाले हैं, मगर देश की जनता जानना चाहती है कि अगर आपको बहुमत मिलता है तो आपका प्रधानमंत्री कौन होगा?

बांग्लादेश : सांसद की हत्या का मामला

दोस्त ने हत्या के लिए 5 करोड़ की दी थी सुपारी : सीआईडी

एजेंसी । कोलकाता

बांग्लादेश के सांसद अनवारुल अजीम अनार की हत्या की प्रारंभिक जांच से पता चला है कि उनके एक दोस्त ने उनकी (सांसद) हत्या के लिए लगभग पांच करोड़ रुपये की सुपारी दी थी. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी. बांग्लादेश के गृह मंत्री असदुज्जमां खान ने बुधवार को कहा था कि 13 मई से कोलकाता में लापता अनार की हत्या हुई है और तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है. पश्चिम बंगाल पुलिस ने कहा था कि मामले की जांच राज्य सीआईडी कर रही है. अधिकारी ने पीटीआई को बताया, यह एक सुनियोजित हत्या थी. सांसद के एक पुराने मित्र ने उन्हें मारने के लिए भारी रकम (लगभग पांच करोड़ रुपये) का भुगतान किया था. उन्होंने कहा, अवामी लीग के सांसद का दोस्त अमेरिकी नागरिक है और उसके पास कोलकाता में एक फ्लैट है.

फाइल फोटो

राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप को वोट दूंगी : निक्की हेली

वाशिंगटन । भारतीय अमेरिकी निक्की हेली ने बुधवार को कहा कि वह अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के लिए मतदान करेंगी. संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत हेली ने वाशिंगटन में हडसन इंस्टीट्यूट में एक कार्यक्रम के दौरान कहा, मैं ट्रंप को वोट दूंगी. हेली ने कहा, मैंने जो पहले कहा था मैं उस पर कायम हूं. मैंने अपने निलंबन भाषण में जो कहा था मैं उस पर कायम हूं. मुझे लगता है कि ट्रंप उन लाखों लोगों तक पहुंचेंगे जिन्होंने मुझे वोट दिया और मेरा समर्थन करना जारी रखा. उन्होंने कहा, एक मतदाता के रूप में मैं अपनी प्राथमिकताएं ऐसे राष्ट्रपति पर छोड़ती हूं जो हमारे सहयोगियों का समर्थन करेगा.

चीन के हार्बिन शहर की इमारत में विस्फोट, महिला की मौत

बीजिंग । उत्तर-पूर्वी चीन के हार्बिन शहर में एक इमारत में गुरुवार सुबह हुए एक विस्फोट में एक महिला की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए. सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी. हार्बिन चीन के उत्तर-पूर्वी प्रांत हेइलोंगजियांग की राजधानी है. सोशल मीडिया में जारी वीडियो में हार्बिन में पांच मंजिला इमारत का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त नजर आ रहा है और एक मकान की बालकनी विस्फोट से पूरी तरह उड़ गई. अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट एक नेचुरल गैस टैंक से होने का संदेह है. जिमू न्यूज के अनुसार विस्फोट से एक महिला की मौत हो गई वहीं तीन लोग घायल हो गए. इंटरनेट पर सामने आए एक वीडियो में एक व्यक्ति को एंबुलेंस से ले जाते हुए देखा जा सकता है.

नंदीग्राम में भाजपा कार्यकर्ता की हत्या पर पार्टी ने किया प्रदर्शन

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में पूर्व मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम में भाजपा की एक महिला कार्यकर्ता की हत्या किए जाने के बाद गुरुवार को पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया. नंदीग्राम में भाजपा कार्यकर्ताओं ने वाहनों के टायर जला दिए, सड़कें अवरुद्ध कीं और दुकानों के शटर गिरा दिए. साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि सोनाचूरा गांव में भाजपा की 38 वर्षीय कार्यकर्ता रथिरानी अरी की टीएमसी समर्थित अपराधियों ने हत्या की है. भाजपा के एक स्थानीय नेता ने बताया कि पार्टी ने पहले नंदीग्राम में बंद का आह्वान किया था, लेकिन बाद में इस फैसले को वापस ले लिया. एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बुधवार देर रात मोटरसाइकिल पर आए अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने अरी की हत्या कर दी थी और कुछ लोगों को घायल कर दिया था.

हरियाणा बेरोजगारी के मामले में नंबर एक क्यों, पीएम बताएं

भाषा । नयी दिल्ली

कांग्रेस ने हरियाणा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा का हवाला देते हुए गुरुवार को राज्य से जुड़े कुछ विषयों को लेकर सवाल उठाए और कहा कि प्रधानमंत्री को बताना चाहिए कि यह प्रदेश बेरोजगारी के मामले में नंबर एक क्यों हैं? पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह सवाल भी किया कि क्या प्रधानमंत्री और भाजपा ने कभी हरियाणा के युवाओं के लिए बेहतर अवसर पैदा करने की कोई योजना बनाई है?

पेज 01 का शेष...

आये थे हरिभजन को ओटन लगे कपास ...

दरअसल जो खबरें तैर रही हैं, उनके मुताबिक केजरीवाल अपने वर्तमान संकटमोचक अभिषेक मनु सिंघवी को राज्यसभा भेजने के लिए बेचैन हैं. उन्होंने मालीवाल से कहा था कि वह राज्यसभा से इस्तीफा दे दें और पंजाब से हरभजन सिंह की सीट खाली होते ही उन्हें पुनः राज्यसभा भेज दिया जाएगा. मालीवाल इसके लिए तैयार नहीं थी. इस मुद्दे पर विमर्श के लिए वह सीएम आवास गई थीं और बवाल हो गया. केजरीवाल हमेशा हड़बड़ी में रहते हैं. वह शीला दीक्षित को हराने के बाद मोदी को हराने वाराणसी पहुंच गये थे. प्रधानमंत्री बनने की लालसा में खुद को मोदी का विकल्प बताने लगे. येन-केन-प्रकारेण धन संग्रह कर पूरे देश की राजनीति पर छा जाने का षडयंत्र रचने लगे और इसी क्रम में जेल चले गये. सुप्रीम कोर्ट ने उन पर विशेष कृपा बरसाते हुए चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत दे दी, लेकिन वह प्रचार कम अप्रचार में लग गये. भाजपा मुख्यालय घेरने चले गये, इस मांग के साथ कि हमारे सभी नेताओं, सांसदों, विधायकों को गिरफ्तार कर लीजिए. जाहिर है, वहां पुलिस की तैनाती थी. लेकिन लोग जुटे ही नहीं और तमाशा हुआ ही नहीं. ये लेकिन ईश्वर जिस प्रकार उन पर कृपा बरसा रहे हैं, उनके दूसरे संगी साथियों की गिरफ्तारी भी हो सकती है. अभी तो फॉरेन फंडिग का नया मामला मुंह बाये खड़ा है जो बची-खुची साख भी लील जाएगा. ईडी ने निचली अदालत में न केवल केजरीवाल, बल्कि आम आदमी पार्टी के भी खिलाफ सबूत के साथ पूरक चार्जशीट फाइल कर दी है. यदि वह यह साबित करने में सफल हो जाती है कि पार्टी के विस्तार और चुनाव खर्च के लिए शराब घोटाला किया गया, तो यकीनन केजरीवाल की पार्टी की मान्यता ही खत्म हो जाएगी और वह लंबे समय तक जेल में रहने के लिए अभिशप्त हो जाएंगे. अच्छा होता कि वह शीर्ष अदालत से मिले अनुदानित समय का लाभ उठाते, चुनाव प्रचार करते और मालीवाल के विवाद को उनके घर पहुंच कर समझा बुझा कर शांत कर देते. लेकिन वह हैं परले दर्जे के अहंकारी और बिगड़ैल. इसी का नतीजा है कि कई अच्छे लोग उन्हें छोड़ गये हैं और कुछ छोड़ रहे हैं. कहीं ऐसा निर्लज्ज नेता देखा है आपने. यह अपने घर बुला कर मुख्य सचिव को पिटवाता है. अपने ड्राइंग रूम में महिला सांसद को पिटवाता है और केवल गलथेथरई करता है. ये आये थे हरि भजन को, ओटन लगे कपास और उस कपास के गुच्छे उनके चेहरे पर चिपक कर उन्हें बंदर बना चुके हैं जो गुलाटियां खा रहा है, लोग हंस रहे हैं और तालियां बजा रहे हैं.

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने शुरू किया चुनाव प्रचार

लंदन । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, उनकी कंजर्वेटिव पार्टी के सहयोगियों तथा विपक्षी दल लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर ने गुरुवार को आम चुनाव के लिए उत्साहपूर्वक प्रचार प्रारंभ किया. सुनक ने देश में महज छह सप्ताह बाद चार जुलाई को आम चुनाव कराने की घोषणा एक दिन पहले ही की थी. भारतीय मूल के नेता सुनक (44) ने बुधवार शाम बारिश के बीच 10 डाउनिंग स्ट्रीट की सीढ़ियों से अपने भाषण से देश के राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी. प्रधानमंत्री ने चुनाव के लिए स्पष्ट योजना, साहसिक कदम, सुरक्षित भविष्य का नारा दिया है. उन्होंने पूर्वी लंदन में एक प्रचार कार्यक्रम की शुरुआत की. उन्होंने कहा, अगले कुछ सप्ताह तक मैं प्रत्येक वोट के लिए संघर्ष करूंगा.

बंधक महिला सैनिकों से बोले हमास आतंकी

तुम सबको गोली मार देंगे

एजेंसी । नयी दिल्ली

इजरायल ने 7 अक्टूबर के हमले के दौरान हमास आतंकवादियों द्वारा सात महिला इजरायली सैनिकों के अपहरण का एक ग्राफिक फुटेज शेयर किया है. वीडियो बंधक परिवार फोरम द्वारा जारी किया गया था. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 3 मिनट का वीडियो शेयर करते हुए इजरायल ने कहा, उन्हें हमास के आतंकवादियों ने 230 दिनों (8 महीने) से अधिक समय तक बंधक बनाकर रखा है. सोचिए कि इन युवा महिलाओं के लिए इसका क्या मतलब है. पांच महिला सैनिकों का कथित तौर पर नाहल ओज बेस से अपहरण कर लिया गया था. टाइम्स ऑफ इजरायल की एक रिपोर्ट के अनुसार, हमलावरों द्वारा पहने गए बॉडी कैमरों में कैद किए गए भयावह फुटेज से लिरी अल्बाग, करीना एरिएव, अगम बर्जर, डेनिएला गिल्बोआ और नामा लेवी के अपहरण का पता चला है. वीडियो में, पांच महिलाएं हमास आतंकवादियों के सामने एक दीवार के पास खड़ी दिखाई दे रही हैं. उनके हाथ बंधे हुए हैं और कुछ के चेहरे पर खून लगा हुआ है. वीडियो में आतंकवादियों में से एक को महिलाओं की ओर इशारा करते हुए और कहते हुए देखा जा सकता है.

चिदंबरम बोले

'अग्निपथ' पर निर्देश देने के मामले में निर्वाचन आयोग का आदेश गलत

नयी दिल्ली । कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने गुरुवार को कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा उनकी पार्टी को अग्निपथ योजना का राजनीतिकरण नहीं करने निर्देश देना पूरी तरह गलत है. सरकार की नीति की आलोचना करना विपक्ष का अधिकार है. चिदंबरम ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस पार्टी को अग्निपथ योजना का राजनीतिकरण न करने का निर्देश देकर गलत किया है. उनका कहना था, राजनीतिकरण का क्या मतलब है? क्या आयोग का तात्पर्य आलोचना करने से है? अग्निवीर एक योजना है, सरकार की नीति का एक परिणाम है. सरकार की नीति की आलोचना करना एक विपक्षी राजनीतिक दल का अधिकार है.

पुणे कार हादसा

आरोपी किशोर को निगरानी केंद्र भेजा गया

पुणे । पुणे के कल्याणी नगर में तेज रफ्तार कार से दो सॉफ्टवेयर इंजीनियर को कुचलने के आरोपी 17 वर्षीय किशोर को किशोर न्याय बोर्ड के आदेश पर निगरानी केंद्र भेजा गया है. अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी. अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में इस निगरानी केंद्र में 30 से अधिक नाबालिग हैं. कल्याणी नगर में रविवार सुबह पोर्श कार के नाबालिग चालक ने मोटरसाइकिल से जा रहे दो सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को कुचल दिया था. पुलिस ने दावा किया कि वह नशे की हालत में कार चला रहा था. रियल एस्टेट डेवलपर विशाल अग्रवाल (50) के बेटे को घटना के बाद किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया था जहां से कुछ ही घंटे बाद आरोपी को जमानत दे दी गई थी.

कैंसर देखभाल कैंसर जैसी बीमारी किसी भी समय हममें से किसी को भी अपनी चपेट में ले सकती है

कैंसर के उपचार के दौरान व्यायाम, चिकित्सा और आहार जीवन को बेहतर बना सकते हैं

एजेंसी । पर्थ

कई हाई-प्रोफाइल लोगों के कैंसर से पीड़ित होने के साथ हम इस कड़वी सच्चाई का सामना कर रहे हैं कि यह बीमारी किसी भी समय हममें से किसी को भी अपनी चपेट में ले सकती है. खबर है कि 30 से 40 वर्ष की आयु के युवाओं में कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं. सकारात्मक पक्ष यह है कि कैंसर का इलाज बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है. जीवित रहने की दर में काफी सुधार हो रहा है और कुछ कैंसर को अब जानलेवा बीमारियों की बजाय दीर्घकालिक पुरानी बीमारियों के रूप में प्रबंधित किया जा रहा है. कैंसर के उपचार का मुख्य आधार सर्जरी, कीमोथेरेपी, रेडिएशन (विकिरण थेरेपी), इम्यूनोथेरेपी, लक्षित थेरेपी और हार्मोन थेरेपी है. लेकिन अन्य उपचार और रणनीतियां हैं - सहायक कैंसर देखभाल, जो कैंसर के उपचार के दौरान रोगी के जीवन की गुणवत्ता, अस्तित्व और अनुभव पर एक शक्तिशाली प्रभाव डाल सकती हैं. यदि आप कर सकते हैं तो चलते रहें.

खास बातें

- 30-40 वर्ष की आयु के युवाओं में कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं
- कैंसर का इलाज बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है

व्यायाम हृदय रोग और टाइप 2 मधुमेह जैसी बीमारियों का जोखिम कम करता है : व्यायाम कैंसर के उपचार के दुष्प्रभावों जैसे थकान, मांसपेशियों और हड्डियों की हानि और वसा का बढ़ना भी काफी हद तक कम कर सकता है. और यह हृदय रोग और टाइप 2 मधुमेह जैसी अन्य पुरानी बीमारियों के पनपने के जोखिम को कम करता है. व्यायाम कैंसर के रोगियों के जीवन की गुणवत्ता और मानसिक स्वास्थ्य को बनाये रख सकता है या सुधार सकता है. उभरते शोध साक्ष्य इस बात का इशारा करते हैं कि व्यायाम कीमोथेरेपी और विकिरण थेरेपी जैसी मुख्यधारा के उपचारों की प्रभावशीलता को बढ़ा सकता है. कार्डियो-श्वंसन फिटनेस बढ़ाने, प्रणालीगत प्रदाह को कम करने और मांसपेशियों, ताकत और शारीरिक कार्य को बढ़ाने और फिर सर्जरी के बाद उन्हें पुनर्वासित करने के लिए रोगी को किसी भी सर्जरी के लिए तैयार करने के लिए व्यायाम निश्चित रूप से आवश्यक है. ये तंत्र बताते हैं कि क्यों शारीरिक रूप से सक्रिय कैंसर रोगियों के जीवित रहने के परिणाम बेहतर होते हैं और कैंसर से मृत्यु का सापेक्ष जोखिम 40-50% तक कम हो जाता है.

शारीरिक व्यायाम को अब औषधि के रूप में मान्यता

शारीरिक व्यायाम को अब औषधि के रूप में मान्यता मिल गई है. इसे रोगी और उनके स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के अनुरूप बनाया जा सकता है, ताकि शरीर को जागरूक किया जा सके और एक आंतरिक वातावरण बनाया जा सके, जहां कैंसर के पनपने की संभावना कम हो. यह ऐसा कई तरीकों से करता है. व्यायाम हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को एक मजबूत उत्तेजना प्रदान करता है, हमारे रक्त परिसंचरण में कैंसर से लड़ने वाली प्रतिरक्षा कोशिकाओं की संख्या बढ़ाता है और कैंसर कोशिकाओं की पहचान करने और उन्हें मारने के लिए ट्यूमर ऊतक में डालता है. हमारी कंकाल की मांसपेशियां (जो गति के लिए हड्डी से जुड़ी होती हैं) मायोकिन्स नामक सिग्नलिंग अणु छोड़ती हैं. मांसपेशियों का द्रव्यमान जितना बड़ा होता है, उतने ही अधिक मायोकिन्स निकलते हैं, तब भी जब कोई व्यक्ति आराम कर रहा हो.

कैंसर देखभाल टूलबॉक्स में चिकित्सा आहार भी अहम

सहायक कैंसर देखभाल टूलबॉक्स में तीसरा चिकित्सा आहार है. एक स्वस्थ आहार शरीर की कैंसर से लड़ने में सहायता कर सकता है और चिकित्सा या शल्य चिकित्सा उपचारों को सहन करने और ठीक होने में मदद कर सकता है. प्रदाह कैंसर कोशिकाओं के लिए अधिक उपजाऊ वातावरण प्रदान करती है. यदि किसी रोगी का वजन अधिक है और वसा ऊतक अत्यधिक है, तो वसा को कम करने के लिए एक आहार जो प्रदाहरोधी भी है, बहुत मददगार हो सकता है. इसका मतलब आम तौर पर प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों से बचना और मुख्य रूप से ताजा भोजन, स्थानीय रूप से प्राप्त और ज्यादातर पौधे आधारित भोजन खाना चाहिए. कुछ कैंसर उपचारों के कारण मांसपेशियों की क्षति होती है. प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों से परहेज करने से मदद मिल सकती है.

कैंसर प्रबंधन में साइको-ऑन्कोलॉजी की है प्रमुख भूमिका

दूसरा उपकरण जिसकी कैंसर प्रबंधन में प्रमुख भूमिका है, वह है- साइको-ऑन्कोलॉजी. इसमें न केवल रोगी बल्कि उनकी देखभाल करने वालों और परिवार के लिए कैंसर के मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, व्यावहारिक और भावनात्मक पहलू शामिल हैं. इसका उद्देश्य जीवन की गुणवत्ता और मानसिक स्वास्थ्य पहलुओं जैसे भावनात्मक संकट, चिंता, अवसाद, यौन स्वास्थ्य, मुकाबला रणनीति, व्यक्तिगत पहचान और रिश्तों को बनाए रखना या सुधारना है. जीवन की गुणवत्ता और खुशी का समर्थन करना अपने आप में महत्वपूर्ण है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)